हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

www.ksnewsupdates.com धनबाद, मंगलवार 07 अप्रैल, 2026, वर्ष: 35 अंक : 14, मूल्य: 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव खारिज

193 सांसदों ने किए थे हस्ताक्षर

नई दिल्ली : मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लोकसभा और राज्यसभा के 193 सांसदों द्वारा लगाया महाभियोग का प्रस्ताव खारिज हो गया है। विपक्षी दलों की ओर से यह प्रस्ताव मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए लाया गया था। इस प्रस्ताव पर 12 मार्च को 63 राज्यसभा सांसदों की ओर से रखा गया था। महाभियोग प्रस्ताव के इस प्रस्ताव पर 193 सांसदों (लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63) ने हस्ताक्षर किए थे। उसका नोटिस 12 मार्च 2026 को राज्यसभा सभापति को सौंपा गया था। जिसके आज लोकसभा सचिवालय और राज्यसभा चेयरमैन की ओर से खारिज कर दिया गया। यह पहली बार था, जब किसी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया था। लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए कहा, यह फैसला भारत के संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत दिए गए प्रस्ताव की सूचना पर लिया गया। इस प्रस्ताव में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की गई थी। सदस्यों को जानकारी दी जाती है कि 12 मार्च 2026 की तारीख का एक प्रस्ताव नोटिस दिया गया था। उन्होंने कहा, इस पर लोकसभा के 130 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। यह नोटिस संविधान के अनुच्छेद 324(5) और अनुच्छेद 124(4) के साथ-साथ 2023 के कानून और 1968 के न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत दिया गया था। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश को हटाने की मांग की गई थी।

टेंडर कमीशन घोटाले में दो रिटायर्ड इंजीनियरों ने किया सरेंडर, जमानत पर रिहा

रांची। ग्रामीण विकास विभाग में हुए चर्चित टेंडर कमीशन घोटाला मामले में बड़ी कार्रवाई सामने आई है मामले में आरोपी रिटायर्ड चीफ इंजीनियर सुरेंद्र कुमार और रिटायर्ड एग्जीक्यूटिव इंजीनियर रमेश ओझा ने पीएमएलए की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। दोनों आरोपियों को कोर्ट ने एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी है। जमानत देते हुए अदालत ने सख्त शर्तें भी निर्धारित की हैं।कोर्ट ने निर्देश दिया है कि दोनों आरोपी प्रत्येक निर्धारित तिथि पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे और जांच में सहयोग करेंगे।शर्तों का उल्लंघन होने पर जमानत रद्द की जा सकती है।इस मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पहले ही 14 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट दाखिल की थी।इसके बाद अदालत ने संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों को समन जारी किया था।बताया जा रहा है कि यह मामला टेंडर प्रक्रिया में कमीशनखोरी और अनियमितताओं से जुड़ा है, जिसमें सरकारी कार्यों के आवंटन में कथित रूप से नियमों की अनदेखी की गई। ईडी की जांच में वित्तीय लेन-देन और संदिग्ध भुगतान के कई पहलू सामने आए हैं।फिलहाल दोनों आरोपियों को राहत जरूर मिली है, लेकिन मामले की सुनवाई जारी है और आने वाले दिनों में अन्य आरोपियों पर भी कानूनी कार्रवाई तेज होने की संभावना है।

मुनीडीह के बंद कैप्टिव पावर प्लांट में क्लोरीन गैस हादसा में मौत का आंकड़ा 4 पर पहुंचा

धनबाद(ईएमएस)।पुटकी थाना अंतर्गत मुनीडीह ओपी क्षेत्र के कैप्टिव पावर प्लांट (सीपीपी) में क्लोरीन गैस रिसाव मामले में सोमवार को एक और शव बरामद किया गया। इसके साथ ही हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। नए मृतक की पहचान 35 वर्षीय वसीम अंसारी, निवासी केंदुआडीह राजपूत बस्ती के रूप में हुई है। वसीम का शव प्लांट की बाउंड्री से करीब 20 मीटर दूर पूर्वी छोर स्थित जंगल में औंधे मुंह पाया गया।हादसा शनिवार रात उस समय हुआ, जब करीब 15 युवक बंद पड़े प्लांट में लोहा चोरी करने घुसे थे। गैस कटर से क्लोरीन गैस से भरी लोहे की टंकी काटते ही तेजी से गैस का रिसाव होने लगा। रिसाव इतना तेज था कि देखते ही देखते मौके पर अफरातफरी मच गई और कई युवक बेहोश होकर गिर पड़े। उसी रात संजय यादव (केंदुआ), आनंद ताम्रकार उर्फ़ भोंदा (केंदुआ) और अजहरुद्दीन (लोयाबाद) के शव मिले थे।गैस का असर आधा किलोमीटर दूर तक पहुंचा।कपालघाट पंप हाउस में तैनात सीआईएसएफ के तीन जवान—दर्शन सिंह, विपिन कुमार और ज्ञान सिंह—साथ ही बीसीसीएल कर्मी पूना बाउरी व आउटसोर्स कर्मी दुनिया लाल सिंह भी बेहोश हो गए। सभी का इलाज सेंट्रल अस्पताल में चल रहा है।

19 निर्वाचित सदस्यों ने ली राज्यसभा की सदस्यता

नई दिल्ली (ईएमएस)। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से चुनकर आए नेताओं ने सोमवार को राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ली। संसद के उच्च सदन राज्यसभा में सोमवार यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां नवनिर्वाचित और पुनः निर्वाचित कुल 19 सदस्यों ने सोमवार शपथ ली। एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार, केंद्रीय मंत्री व महाराष्ट्र की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के नेता रामदास अठावले, एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता थंबीदुरई व डीएमके के तिरुची शिवा जैसे वरिष्ठ नेता शपथ लेने वालों में शामिल रहे हैं। ये सभी नेता फिर से राज्य सभा के सदस्य बने हैं। सोमवार को यह आयोजन राज्यसभा में ही आयोजित किया गया। राज्यसभा के सभापति सी। पी। राधाकृष्णन ने राज्यसभा कक्ष में सभी सदस्यों को शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले सभी 19 सदस्यों में रामदास आठवले, माया चिंतामन इवनाते, शरदचंद्र पवार, रामराव सखाराम वडकुटे, ज्योति नागनाथ वाघमारे, क्रिस्टोफर मणिकम, अंबुमणि रामदोस, कोंस्टांडिन रवींद्रन, एल। के। सुधीश, एम। थंबीदुरई, तिरुची शिवा, बाबुल सुप्रियो बराल, मेनका गुरुस्वामी, राजीव कुमार, रुक्मिणी मलिक, बिस्वजीत सिन्हा, संतृप्त मिश्रा, दिलीप कुमार रे और मनमोहन सामल शामिल रहे। इस अवसर पर सदस्यों ने विभिन्न भाषाओं में शपथ ली, जो भारत की भाषाई विविधता को दर्शाता है।

असम में पीएम के कार्यक्रम की वजह से हेमंत सोरेन को दो जगह सभा करने की नहीं मिली अनुमति

लोकतंत्र की आवाज दबाने की फिर की गई कोशिश : मुख्यमंत्री

रांची(ईएमएस)। असम सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सभा करने की अनुमति नहीं दी गयी। उन्हें असम के रोंगोनदी और चाबुआ विधानसभा में सभा करना था। पीएम के कार्यक्रम की वजह से उनके हैलीकॉप्टर को उड़ने की इजाजत नहीं दी गयी। इसके ठीक एक दिन पहले कल्पना सोरेन को तीन जगहों पर सभा करने की अनुमति नहीं दी गयी। असम में जब सभा करने नहीं दिया गया तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मोबाइल फोन से ही जनता को संबोधित किया। सीएम ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि असम की वीर और क्रांतिकारी धरती पर लोकतंत्र की आवाज को दबाने की फिर कोशिशें की गई। रविवार को कल्पना सोरेन को सभा करने से रोका गया, सोमवार को मुझे असम के रोंगोनदी और चाबुआ विधानसभा के अपने भाई-बहनों से मिलने नहीं दिया गया।क्या सच में विरोधियों को लगता है कि संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर ऐसे षड्यंत्र से वे तीर-धनुष की ताकत को रोक पाएंगे?सीएम ने कहा कि इतने वर्षों तक तो चाय बागान के मेरे लाखों शोषित, वंचित आदिवासी समाज के भाइयों बहनों को रोकने की नाकाम कोशिश की है,

और कितना रोक पाओगे?इतिहास गवाह है, जब-जब आवाज दबाई गई है, वह और बुलंद होकर उभरी है. आगामी नौ अप्रैल के दिन मेरे ये लाखों भाई-बहन अपने संघर्ष का हिसाब लेकर रहेंगे।राजनीतिक ताकत के बदौलत विरोधियों को चुनाव प्रचार करने से रोकते हैं।सीएम ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि असम की क्रांतिकारी धरती ने कभी झुकना नहीं सीखा है।प्रधानमंत्री का कार्यक्रम बताकर मुझे प्रचार के लिए जाने नहीं दिया गया। हमलोगों को जहां है वहीं पर रहने का आदेश दिया गया। पीएम अपने कुर्सी व राजनीतिक ताकत के बदौलत चुनाव के अंतिम चरण में विरोधियों को प्रचार-प्रसार करने से इसी तरह रोकते हैं. ये लोग ऐन-केन प्रकारेण चुनाव जीतने का प्रयास करते हैं।कभी वोट चोरी कर जीतते हैं।झामुमो पहली बार यहां चुनाव लड़ रहा है. जय भारत पार्टी के साथ हैं।

क्या लोकतंत्र अब कार्यक्रमों की आड़ में बंद किया जायेगा? और यह सब कैसे हो रहा है? संवैधानिक संस्थाओं का खुलेआम दुरुपयोग कर, एजेंसियों को हथियार बनाकर।हमारे पुरखों ने हमें झुकना नहीं, संघर्ष करना सिखाया है। हम लड़ते आए हैं, और हर लड़ाई जीतकर ही आगे बढ़े हैं।सीएम ने कहा कि असम का शोषित, वंचित, आदिवासी, दलित और पिछड़ा समाज अब जाग चुका है।चाय बागान में रहने वाले लोग भी अब आगे बढ़कर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं।अब यह समाज चुप नहीं रहेगा, अपने अधिकार लेकर ही रहेगा।इसलिए साथियों, हमें एकजुट होना है। हमारी एकजुटता ही विरोधियों के लिए सबसे बड़ा जवाब है, और यही एकजुटता पहले ही इनके डर का कारण बन चुकी है।सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि चाय बगान को मजदूरों को एक दिन की मजदूरी 250 रुपये मिलती है। इतनी राशि में तो जहर भी नहीं मिलता।राज्य सरकार ने चाय बगान के मजदूरों को न जीने के लिए छोड़ा है और न ही मरने के लिए छोड़ा है।सीएम ने कहा कि याद रखिये, जितना हमें रोकोगे, हम उतनी ही मजबूती से आगे बढ़ेंगे क्योंकि हमारे तीर-धनुष की ताकत सिर्फ प्रतीक नहीं, यह हमारे आत्मसम्मान और संघर्ष की पहचान है।आगामी नौ अप्रैल को हमारा यह संघर्षी समाज अपने ऊपर वर्षों से हुए शोषण और अत्याचार का बदला वोट की ताकत के साथ लेकर रहेगा।

कल्पना के हेलीकॉप्टर को भी उतरने की नहीं दी अनुमति

असम में चुनाव प्रचार के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता कल्पना सोरेन को हेलीकॉप्टर लैंडिंग की अनुमति न मिलने से उनका तय कार्यक्रम प्रभावित हुआ, लेकिन उन्होंने फोन के जरिए लोगों से संपर्क कर अपना संदेश पहुंचाया। असम के खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार में कल्पना सोरेन को परेशानी झेलनी पड़ी। उनका इन जगहों पर जनसभा करने का कार्यक्रम था, लेकिन प्रशासन ने हेलीकॉप्टर उतारने के लिए हेलीपैड की अनुमति नहीं दी। इस वजह से वह खुमताई और नहरकटिया नहीं पहुंच सकीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। मार्गेरीटा जाते समय सड़क रास्ते में ही फोन के जरिए खुमताई और नहरकटिया के

लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से अंदेशा था कि उनके कार्यक्रम में रुकावट डाली जाएगी और उनकी आवाज दबाने की कोशिश हो रही है। वहीं झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भी असम में एक सभा में आरोप लगाया कि उनकी बढ़ती भीड़ से सत्ता पक्ष परेशान है। इसलिए लोगों को उनकी सभा में आने से रोका जा रहा है। कल्पना सोरेन ने अपने भाषण में कहा कि रास्ते रोके जा सकते हैं, लेकिन जनता का गुस्सा नहीं रोका जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग विपक्ष की आवाज दबाना चाहते हैं। मतदान के जरिए अपनी ताकत जरूर दिखाएं कल्पना ने खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा के लोगों से खासकर चाय बागान के मजदूरों, आदिवासी समाज, अल्पसंख्यकों, युवाओं और महिलाओं से 9 तारीख को ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील की। उन्होंने इस चुनाव को सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बल्कि सम्मान, पहचान और अधिकार की लड़ाई बताया।

सारंडा जंगल में आईईडी ब्लास्ट में कोबरा बटालियन के एक जवान घायल, एयरलिफ्ट कर रांची भेजे गए

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल से एक बार फिर नक्सली हिंसा की बड़ी खबर सामने आई है. नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सघन अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट हुआ है. आईईडी की चपेट में आने से 205 कोबरा बटालियन के एक जवान अनुज कुमार घायल हो गये है. घायल जवान को एयरलिफ्ट कर रांची लाया जा रहा है. सारंडा मेंनक्सलियों के खिलाफ लगातार सर्च अभियान जारी है.

सारंडा में नहीं खत्म हो रहा नक्सलियों का गढ़

नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए आईईडी लगाया गया था. बता दें कि गृह मंत्रालय, पुलिस मुख्यालय और सरकार के स्तर से 31 मार्च तक नक्सलियों को सारंडा से खत्म करने का समय सीमा निर्धारित किया गया था. इसके बावजूद अब तक नक्सली सारंडा में अपना ठिकाना बनाए हुए हैं. सारंडा में बड़े-बड़े कुख्यात और इनामी, हार्डकोर नक्सली ,1 करोड़ के इनामी नक्सली भी सारंडा में लगभग 40 से 50 सदस्यों के दस्ते के साथ छुपे हुए हैं. नक्सल गतिविधि संचालित कर रहे हैं.

सारंडा जंगल में नक्सली अपने दस्ते के साथ सक्रिय

वहीं, नक्सलियों को सारंडा से पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में सीआरपीएफ, कोबरा झारखंड जगुआर और सुरक्षाबलों की भारी संख्या में जवान सारंडा में नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान चला रहा चला रहे हैं. बीते कई दिनों से नक्सलियों के खिलाफ लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा. नक्सली सारंडा जंगल में अपने दस्ते के साथ सक्रिय हैं.

सारंडा में नक्सली को समाप्त करने के लिए और नक्सल विरोधी संचालित अभियान को लेकर सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह दो बार चाईबासा आ चुके हैं और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं. 31 मार्च तक सारंडा को नक्सल मुक्त बनाने का समय सीमा निर्धारित था, इससे पूर्व भी निर्धारित किया गया था, लेकिन बार-बार समय बढ़ता बढ़ता जा रहा है.

तीन कोर्ट को दहलाने की साजिश

रांची, धनबाद और साहिबगंज न्यायालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी

रांची (ईएमएस)। झारखंड की न्यायिक व्यवस्था को एक बार फिर अराजक तत्वों ने चुनौती देने का दुस्साहस किया है।सोमवार को रांची सिविल कोर्ट सहित राज्य के दो अन्य जिला न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ है।इस संवेदनशील सूचना के मिलते ही रांची जिला प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।एहतियात के तौर पर रांची सिविल कोर्ट परिसर में तुरंत सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दिया है और भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीमों को तत्काल मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने पूरे परिसर के कोने-कोने की गहनता से जांच की।जिला प्रशासन ने सुरक्षात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए तत्काल प्रभाव से सिविल कोर्ट परिसर को खाली कराया, ताकि किसी भी अप्रिय घटना या संभावित खतरे को टाला जा सके।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह धमकी एक ईमेल के जरिए प्राप्त हुई थी, जिसके बाद न केवल कोर्ट परिसर बल्कि आसपास के संवेदनशील इलाकों में भी पैनी नजर रखी जा रही है।गेट पर प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की गहन तलाशी ली जा रही है।सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि रांची के अतिरिक्त धनबाद और साहिबगंज न्यायालयों को भी इसी प्रकार की धमकी मिली है।यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह किसी संगठित आपराधिक गिरोह की सुनियोजित साजिश का हिस्सा है या फिर किसी सिरफिरे की शरारत।

रामगढ़ के इस्पात प्लांट में फर्नेस ब्लास्ट होने से 9 मजदूर झुलसे, 1 की मौत

फैक्ट्री गेट पर जमकर हंगामा

रामगढ़ । झारखंड इस्पात प्राइवेट लिमिटेड हेसला अरगडा के नये फर्नेस नंबर 4-डीटू सोमवार की अहले सुबह करीब 4.40 में फट जाने से आग की लपट कुछ दूर तक फैल गई। इस दौरान फर्नेस के फटने से स्पंज जलाने के कार्य में लगे 9 मजदूर झूलस गए। जिसमें अशोक बेदिया, राजू झा, ब्रजलाल बेदिया, अखिलेश राय, छोटे साव, रामबल्लभ यादव, श्यामदेव, सुरेश बेदिया व महेश महतो शामिल हैं। वहीं, गंभीर रूप से झुलसे हेसला महुआटाड़ निवासी अशोक बेदिया का दोपहर में रांची में उपचार के दौरान निधन हो गया। जबकि फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा दोपहर में बंद समर्थकों के साथ वार्ता करने का प्रयास किया गया। फर्नेस के ब्लास्ट करने की आवाज इतनी जोरदार थी कि मजदूरों में अफरातफरी मच गई। घटना के बाद करीब एक से डेढ़ घंटे तक मजदूर जमीन पर झुलसे पड़े रहे। इस दौरान घायल राजू झा के स्वजनों ने अपने से गाड़ी की व्यवस्था कर उसे अस्पताल ले गए। जबकि कुछ देरी के बाद में दो एंबुलेंस के माध्यम से बाकि सभी घायलों को रांची रोड होप अस्पताल ले जाया गया। बाद में सभी 9 घायलों

को रांची देव कमल अस्पताल उपचार के लिए ले जाया गया। वहीं, बाद में रामगढ़ विधायक ममता देवी, रामगढ़ नप अध्यक्ष कृष्मलता मुंडा भी पहुंची। इस दौरान मौजूद लोगों ने अपनी मांगों को लेकर गिद्दी-नईसराय मार्ग के फैक्ट्री समक्ष सड़क को जाम कर दिया। आग से झुलसे 9 मजदूरों में 2-3 के गंभीर रूप से घायल होने की बात कही जा रही है। वहीं, फैक्ट्री में 9 मजदूरों के झुलस जाने की सूचना के बाद मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो समेत मौजूद मजदूरों में मुआवजा समेत अन्य मांगों को लेकर फैक्ट्री गेट जाम कर दिया।

झारखंड में सारंडा-मेघाहातुबुरू, बेतला हैं खास अब तक इसका खुलकर प्रचार नहीं हुआ

प्रसिद्ध उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने की झारखंड पर्यटन स्थलों की तारीफ

रांची,(ईएमएस)। प्रसिद्ध उद्ध्योगपति आनंद महिंद्रा ने झारखंड के पर्यटन स्थलों की जमकर तारीफ की है। उन्होंने एक्स पर लिखा- जब ज्यादातर लोग भारत में छुट्टियां मनाने की योजना बनाते हैं, तो उनके दिमाग में गोवा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान जैसे नाम याद आते हैं। उस चर्चा में झारखंड का जिक्र शायद ही कभी होता होगा। उन्होंने इसके लिए खुद को भी जिम्मेदार मानते हुए लिखा है, मैं उस अपराध के लिए भी दोषी हूं और फिर मुझे एक पोस्ट में कई मनमोहक तस्वीरें मिलीं, जो झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में स्थित मेघाहातुबुरु नामक एक हिल स्टेशन के बारे में हैं, जिसे इसकी ऊंचाई के कारण बादलों की पहाड़ी के रूप में जाना जाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समुद्र

तल से 4,300 फीट की ऊंचाई पर, 700 पहाड़ियों वाले सारंडा जंगल के मध्य में स्थित, यह एक सूर्यास्त स्थल, वन जलप्रपात और एक ऐसा परिदृश्य प्रदान करता है जो काफी हद तक अछूता रहा है। मैंने झारखंड के बारे में और ज्यादा जानकारी जुटाई और पाया कि यहां नेतरहाट के प्रसिद्ध सूर्योदय, बेतला राष्ट्रीय उद्यान, देवघर में स्थित पवित्र ज्योतिर्लिंग, रांची के आसपास के झरने और प्राचीन सारंडा वन स्थित है। उन्होंने लिखा- फिर भी, किसी न किसी तरह इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है। झारखंड में समझदार यात्रियों के लिए बहुत कुछ है। बस इसने अब तक इसका खुलकर प्रचार नहीं किया। आनंद ने इस बात पर चिंता जताई कि झारखंड में पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचा बेहद ही साधारण है। रिसाट्र्स बहुत कम हैं, गेस्टहाउस की कुछ ज्यादा है। हालांकि अधिकतर पर्यटन स्थलों पर सुविधाएं कुछ भी नहीं है। रांची के आसपास जलप्रपात हैं, लेकिन सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं। सुरक्षा भी नहीं है। आनंद महिंद्रा ने कहा कि कहीं-कहीं सड़कों का हाल भी खस्ता है। जोन्हा जाइए तो वहां सीढ़ियां खतरनाक हो चुकी हैं।

'असम में जनता का उत्साह देखकर कांग्रेस पस्त', पीएम मोदी ने विपक्ष पर बोला हमला

डिब्रूगढ़ : असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को डिब्रूगढ़ में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। जनसभा में भारी भीड़ और लोगों के उत्साह को देखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें डिब्रूगढ़ आने का कई बार अवसर मिला है, लेकिन इस बार जो जोश और उत्साह देखने को मिला है, वह अभूतपूर्व है।

'कांग्रेस पहले से ही हैरान-परेशान'

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह जनसमर्थन कांग्रेस के लिए चिंता का विषय है। कांग्रेस पहले से ही हैरान-परेशान है और मतदान से ठीक पहले इस तरह की तस्वीरें उसे और पस्त कर देंगी। जनता का यह उत्साह एक मजबूत संदेश दे रहा है।

उन्होंने असम की सांस्कृतिक विविधता

और एकता की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की शानदार विरासत रही है। अहोम, कोच-राजबंशी, मोरान, मोतोक, मिसिंग, देवरी जैसे कई समाज सदियों से सौहार्द के साथ यहां रहते आए हैं। कोई असमिया बोलता है, कोई बांग्ला और कोई हिंदी, लेकिन हर किसी का सपना एक ही है, विकसित असम और विकसित भारत। उन्होंने असम के महान नेताओं और विभूतियों को भी याद किया। उन्होंने भूपेन हजारिका, गोपीनाथ बोरदोलोई और ज्योति प्रसाद अग्रवाल का उल्लेख करते हुए कहा कि इन महान हस्तियों ने असम समाज को दिशा दी है। इन्हीं पूर्वजों की प्रेरणा से भाजपा-एनडीए सरकार डिब्रूगढ़ को एक बड़े व्यापारिक और आर्थिक हब के रूप में विकसित कर रही है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि नुमालीगढ़ से डिब्रूगढ़ तक का हाईवे कांग्रेस की असम के प्रति उपेक्षा का स्पष्ट उदाहरण है।

संक्षिप्त खबरें

जामताड़ा नगर पंचायत बोर्ड की बैठक रद्द,पहली ही बैठक में हंगामा

जामताड़ा (ईएमएस)। नगर पंचायत की नवगठित बोर्ड की पहली बैठक सोमवार को हंगामे की भेंट चढ़ गई। बैठक शुरू होते ही उस समय विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई जब नव निर्वाचित अध्यक्ष व वार्ड पार्षदों के साथ उनके परिजन भी बैठक कक्ष में प्रवेश कर गए। नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खंडेत ने नियमों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि बैठक में केवल निर्वाचित अध्यक्ष व वार्ड पार्षद ही भाग ले सकते हैं। उन्होंने परिजनों से बैठक कक्ष से बाहर बैठने का अनुरोध किया। इस निर्देश पर वार्ड पार्षद नाराज हो गए और विरोध जताते हुए सभी पार्षद बैठक कक्ष से बाहर निकल गए। पार्षदों के बहिष्कार के कारण बैठक में कोरम पूरा नहीं हो सका, जिस कारण बैठक को रद्द कर दिया गया।

40 साल बाद अपनों से मिले बिछड़े बुजुर्ग, आँखों में खुशी के आँसू

पश्चिमी सिंहभूम(ईएमएस)।नोवामुंडी एक ऐसा मिलन जो दिल को छू जाए, आँखों में आँसू ला दे। डालसा चाईबासा की एक अनोखी पहल ने एक बिछड़े बुजुर्ग मदन साहू को 40 साल बाद उनके परिवार से मिलवा दिया। यह भावुक मिलन न केवल उस परिवार के लिए वरदान साबित हुआ, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणा भी बन गया।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन और सचिव रवि चौधरी के नेतृत्व में पैरालीगल वालंटियर्स की टीम ने बुजुर्ग मदन साहू की पहचान की और उनके परिवार की तलाश शुरू की। कड़ी मेहनत और समन्वय के बाद अंततः उन्हें उनके परिजनों से मिलवाया गया।"हमने कभी सोचा भी नहीं था कि 40 साल बाद अपने पिता को फिर से देख पाएंगे। डालसा की इस पहल ने हमारी जिंदगी में नई खुशी भर दी है। आज हमारे घर में खुशियों का समंदर उमड़ आया है।" - कुनू साहू (पुत्र)इस सफलता में टाटा स्टील फाउंडेशन, नोआमुंडी पुलिस और अंचल कार्यालय का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उमर सादिक, प्रमिला पात्रा, विनिता सांडिल, रेनु देवी, सोमा बोस, पूनम देवी और सूरज ठाकुर, रविकांत ठाकुर, संजय निषाद ने इस मिशन में अहम भूमिका निभाई।डालसा चाईबासा की यह कार्रवाई समाज के कमजोर और असहाय वर्गों के प्रति उसकी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह घटना यह भी साबित करती है कि समन्वय और मानवीय दृष्टिकोण से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है।

व्यावसाई की पत्नी ने की खुदकुशी

बोकारो(ईएमएस)।चास थाना क्षेत्र के शिवपुरी कॉलोनी निवासी विक्की सिंह की 25 वर्षीय पत्नी ने रविवार की देर रात अपने आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।आनन फानन में रविवार की देर रात को परिजन महिला को इलाज के लिए बोकारो जेनरल अस्पताल में ले कर गए।जहां जांच पड़ताल के बाद चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। महिला के शव को बोकारो जनरल अस्पताल के मर्चरी में रखवा दिया गया है। सेक्टर 4 थाना की पुलिस मृतका के मायके वालों के आने का इंतजार कर रही है ताकि फर्द बयान लिया जा सके। साथ ही घटना की सही-सही जांच की जा सके।

25 अप्रैल को विशेष लोक अदालत 9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत

खूंटी(ईएमएस)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), खूंटी द्वारा एनआई एक्ट (चेक बाउंस मामलों) से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन 25 अप्रैल को किया जायेगा। वहीं राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई को सिविल कोर्ट, खूंटी परिसर में आयोजित होगी। यह जानकारी सोमवार को आयोजित तैयारी बैठक में दी गयी।बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह अध्यक्ष डीएलएसए, खूंटी रसिकेश कुमार ने की। इस दौरान जिला प्रशासन, आबकारी, वन, विद्युत, नगर पंचायत, परिवहन विभाग, बीएसएनएल, पुलिस विभाग समेत अन्य विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।बैठक में 14 मार्च को आयोजित पिछली राष्ट्रीय लोक अदालत की समीक्षा की गयी। इसमें 7,150 प्री-लिटिगेशन एवं 725 लंबित मामलों के सफल निस्तारण पर संतोष जताया गया।अध्यक्ष ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे प्री-लिटिगेशन एवं लंबित मामलों, विशेषकर चेक बाउंस मामलों की पहचान कर समय पर नोटिस निर्गत एवं तामिला सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विभागों से समन्वित प्रयास करने पर बल दिया।बताया गया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक समझौता योग्य मामले, दीवानी विवाद, बैंक वसूली, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक एवं राजस्व मामलों के साथ नगर पंचायत से संबंधित देयताओं का भी निस्तारण किया जायेगा।सिविल कोर्ट, खूंटी में प्री-कंसिलिएशन बेंच का गठन किया जा चुका है तथा 15 मार्च 2026 से मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया शुरू है।डीएलएसए, खूंटी ने आम जनता से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने विवादों का सौहार्दपूर्ण, त्वरित एवं निःशुल्क निस्तारण कराएं।

स्टाइपेंड की मांग को लेकर चल रही जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल साढ़े चार घंटे में ही खत्म

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)। एमजीएम अस्पताल में कार्यरत जूनियर डॉक्टर्स सोमवार को अपनी स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर सोमवार को जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जेडीए) के बैनर तले हड़ताल पर चले गये थे।हालांकि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए)इस हड़ताल से अपने आप को बाहर रखा था। जिसके कारण अस्पताल के इमरजेंसी सेवा को छोड़कर ओपीडी पूरी तरह बंद रही। सोमवार होने के कारण मरीजों की काफी संख्या रहती है। रजिस्ट्रेशन में कार्यरत कर्मचारियों ने बताया कि आज सुबह लगभग 600 से ज्यादा मरीज बिना इलाज कराये वापस चले गये। जबकि कई ओपीडी में सीनियर डॉक्टर बैठे हुए थे लेकिन रजिस्ट्रेशन काउंटर में पर्ची नहीं बनने के कारण वे भी मरीजों की जांच नहीं कर सकें। सुबह लगभग साढ़े आठ से दोपहर एक बजे तक हड़ताल चली। इस दौरान एमजीएम अस्पताल के प्राचार्य डॉ संजय कुमार व अधीक्षक डॉ बलराम झा ने आकर हड़ताल कर रहे डॉक्टरों से बात की। उन दोनों पदाधिकारियों के आश्वासन देने के बाद दोपहर एक बजे डॉक्टरों ने अपनी हड़ताल को खत्म कर दी। उसके बाद अस्पताल की स्थिति सामान्य हो गयी। सोमवार की सुबह जब मरीजों की भीड़ लगने लगी थी उसी दौरान अस्पताल में हड़ताल कर रहे डॉक्टरों ने रजिस्ट्रेशन काउंटर के गेट में ताला लगा दिया। इस दौरान रजिस्ट्रेशन कर रहे कर्मचारी अंदर में ही थे। वहीं अस्पताल के ओपीडी व इमरजेंसी गेट पर डॉक्टरों के द्वारा मरीजों को समझा कर वापस कर दिया जा रहा था। वहीं इमरजेंसी में वैसे मरीजों को जाने दिया जा रहा था जिसकी स्थिति गंभीर थी बाकी को वापस कर दिया जा रहा है। जिससे मरीजों को काफी परेशानी हो रही थी। जूनियर डॉक्टरों ने कहा कि हम लोगों को पांच साल से सरकार की ओर से सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। लेकिन मांग पूरी नहीं हो रही है। जूनियर डॉक्टरों की स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर सरकार गंभीर है। इसके लिए आगे कि प्रक्रिया चल रही है। इन लोगों की मांग जल्द पूरी होगी।

अतिक्रमण पर चला नगर निगम का डंडा, दुकानदारों ने जताया विरोध

गिरिडीह। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से गिरिडीह नगर निगम द्वारा व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। यह अभियान अम्बेडकर चौक से शुरू होकर टावर चौक होते हुए कालीबाड़ी चोक से वापस कचहरी रोड स्थित सदर अस्पताल गेट तक चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे और फुटपाथ पर अवैध रूप से दुकान लगाकर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई और कोर्ट सभी दुकानों को मिनी जेसीबी मशीन के सहारे तोड़ दिया गया। दुकाने तोड़े जाने के बाद दुकानदारों ने इसका विरोध किया और प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि अगर प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई की जाती है तो उसके पहले हमारे रोजगार पर भी ध्यान देना चाहिए।हमारे पास कोई जगह नहीं है जहां हम अपनी दुकान लगा सकें। कोई स्थायी समाधान नहीं हो रहा है और लगातार नगर निगम कार्रवाई करते जाती है। इधर भाजपा युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष विवेक गुप्ता ने भी नगर निगम के द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान को लेकर सवाल खड़ा किया और कहा की निगम कुछ ही इलाकों में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाती है, जो बिल्कुल गलत है। इस संबंध में सहायक उपनगर आयुक्त ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर शहर में लगातार अतिक्रमण हटाव अभियान चलाया जा रहा है।

साधना सप्ताह से निरंतर सीखने और क्षमता विकास की संस्कृति होगी सुदृढ़ : बिजय वर्मा

पलामू(ईएमएस)। राष्ट्रीय साधन सप्ताह के तहत सोमवार को प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय भवन में सामूहिक चर्चा का आयोजन किया गया। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, कर्मयोगी भारत के सहयोग तथा झारखंड सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक, सुधार तथा राजभाषा विभाग के निर्देश पर आयोजित साधना सप्ताह में कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। आयुक्त के सचिव-सह-साधन सप्ताह क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष बिजय वर्मा एवं सदस्य सामाजिक सुरक्षा पलामू प्रमंडल के उपनिदेशक पीयूष ने आई गॉट कर्मयोगी प्लेटफार्म पर उपलब्ध पाठ्यक्रम के संबंध में चर्चा करते हुए अबतक पूर्ण किए गए पाठ्यक्रमों की समीक्षा की। इन पाठ्यक्रमों में मुख्य रूप से शामिल इमर्जिंग टेक्नोलॉजी से परिचय, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मूल बातें सीखना अनुप्रयोग और नैतिकता, गवर्नेंस सस्टेनेबिलिटी थ्रू इंडियन नॉलेज सिस्टम, कार्यस्थल पर साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के साथ नवाचार एक डिजाइन सोच दृष्टिकोण, वित्तीय धोखाधड़ी-डिजिटल अरेस्ट स्कैम से बचाव आदि पर सामूहिक चर्चा की गई। आयुक्त के सचिव-सह-साधना सप्ताह क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष बिजय वर्मा ने साधना सप्ताह के उद्देश्यों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि विभिन्न सेवा के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों में निरंतर सीखने और क्षमता विकास की संस्कृति को सुदृढ़ करना इसका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने विभिन्न पदाधिकारी एवं कर्मचारियों से साधना सप्ताह के दौरान आई गॉट कर्मयोगी प्लेटफार्म पर उपलब्ध विषयों पर अबतक सीखेने की जानकारी भी ली। आयुक्त के सचिव-सह-साधना सप्ताह क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष बिजय वर्मा एवं सदस्य पीयूष ने आधुनिक तकनीक के उपयोग, उसकी चुनौतियों तथा उससे जुड़े सुरक्षा पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के सकारात्मक उपयोग पर विशेष जोर देते हुए बताया गया कि एआई आज कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और त्वरित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। साथ ही, इसके दुरुपयोग की संभावनाओं से भी अवगत कराते हुए सही और गलत के बीच स्पष्ट अंतर समझने की आवश्यकता पर बल दिया गया।परिचर्चा में कार्यस्थल पर साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न उदाहरण प्रस्तुत किए गए। डिजिटल अरेस्टिंग जैसे नए साइबर अपराधों के तरीकों की जानकारी देते हुए अधिकारियों एवं कर्मियों को सतर्क रहने तथा समय रहते उचित बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी गई। साइबर फ्रॉड से बचाव हेतु आधुनिक तकनीकों और सतर्कता के महत्व को रेखांकित किया गया।वक्ताओं ने कहा कि तकनीक का सही ज्ञान न केवल कार्य क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि व्यक्ति को अधिक दक्ष भी बनाता है। सभी को साधना सप्ताह के तहत आई गॉट कर्मयोगी प्लेटफार्म पर उपलब्ध पाठ्यक्रम के विषय को गंभीरता से सीखने, समझने तथा संबंधित पोर्टल पर उपलब्ध प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी दक्षता को और निखारने की सलाह दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि सीखने और ज्ञान प्राप्त करने की कोई समयसीमा एवं आयु सीमा नहीं होती। निरंतर सीखने की प्रवृत्ति ही व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाती है। एआई और अन्य डिजिटल तकनीकों का सही उपयोग हमारे लिए वरदान साबित हो सकता है, जबकि गलत उपयोग इसे अभिशाप में बदल सकता है।अंत में यह संदेश दिया गया कि हर तकनीक के दो पहलू होते हैं—अच्छाई और बुराई। हम सभी का दायित्व है कि हम अच्छाइयों को अपनाते हुए तकनीक का सदुपयोग करें और एक सशक्त, सुरक्षित एवं प्रगतिशील कार्यसंस्कृति का निर्माण करें। परिचर्चा में प्रशाखा पदाधिकारी राजेश कुमार गुप्ता, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी मनीष कुमार, विकास कुमार सिंह, सचिन मीणा, प्रशांत कुमार, साकेत कुमार चौबे एवं रणधीर कुमार एवं अविनाश राज, राहुल कुमार आदि उपस्थित रहे।

बंगाल की तर्ज पर झारखंड में सुंडी जाति को एससी श्रेणी में शामिल करने की उठी मांग

सरायकेला (ईएमएस)। सुंडी मंडल समाज ने बंगाल की तर्ज पर झारखंड में भी सुंडी जाति को अनुसूचित जाति श्रेणी में शामिल करने की मांग की। यह मांग सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत खरसावां के आकर्षणी गेस्ट हाउस में आयोजित सुंडी मंडल समाज का वार्षिक मिलन समारोह में जोर शोर से उठी। झारखंड की हेमंत सरकार से इस मांग को पूरा करने की अपील की गयी।इस दौरान कई सामाजिक पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान मंडल समाज को अनुसूचित जाति में शामिल कराने की मांग विधान सभा में उठाने के लिये विधायक जयराम महतो के प्रति आभार भी व्यक्त किया गया। मांगी लाल मंडल की अध्यक्षता में आयोजित सुंडी मंडल समाज की वार्षिक बैठक सह मिलन समारोह में सामाजिक पहलुओं पर विचार विमर्श करते हुए समाज के उत्थान पर जोर दिया गया। बैठक में बालिका शिक्षा पर जोर दिया गया।सामाजिक कुरीतियों व अंध विश्वासन को दूर, समाज में आर्थिक रुप से आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों को सहयोग करने व समाज में आपसी सहभागिता को बढ़ावा दिया जायेगा। सामाजिक एकजुटता बनाये रखने तथा एक दूसरे का सहयोग करने पर बल दिया गया। समाज की ओर से आने वाले दिनों में मेड़िकल कैंप व ब्लॉड डोनेशन कैंप आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। समाज के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की भी बात कही गयी।बैठक में सुंडी मंडल समाज के केंद्रीय सचिव नव कुमार मंडल ने कहा कि सुंडी जाति को अनुसूचित जाती में शामिल करने की मांग लंबे समय से हो रही है।बंगाल की तर्ज पर झारखंड में भी मंडल जाति को अनुसूचित जाति में शामिल किया जाए। सरकार को ध्यान देने की आवश्यकता है. सरकार से इस मांग को जल्द से पूरा करें। समाज के सलाहकार नलिन कुमार मंडल ने सामाजिक एकजुटता पर बल दिया। बैठक में मुख्य रुप से नव कुमार मंडल, नलिन मंजल, मधु सुदन मंडल, अश्विनी कुमार मंडल, प्रभाकर मंडल, सुधीर मंडल, हेमंत मंडल, सुकरु मंडल, धर्मपद मंडल, सुनील मंडल, जीतवाहन मंडल, पंचानन मंडल, परमेश्वर मंडल, टंकोधर मंडल, बसंत मंडल, गायत्री मंडल, नरेश मंडल, रत्नाकर मंडल, बंदनी मंडल, गोपाल मंडल, परेश चंद्र मंडल, अक्षय मंडल, मनमोहन मंडल, सुजीत मंडल, भारती मंडल, दिनेश मंडल समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

सीड का एकम संवाद मंगलवार से, 11 पद्मश्री लेंगे हिस्सा

रांची(ईएमएस)।सेंटर फॉर एनवायरमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड) आठ और नौ अप्रैल को एकम डायलॉग्स- संवाद से निर्माण का आयोजन कर रहा है। इसमें झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार और ओडिशा के करीब 300 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इसमें 27 चेंज मेकर्स को सम्मानित किया जायेगा। इन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। सोमवार को राजधानी में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी सीड के सीइओ रमापति कुमार, डायरेक्टर पॉलिसी सृष्टि पल्लव और अरविंद कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि इनको एक्कम संवाद मिलेगा। इस दौरान 11 सत्रों में परिचर्चा होगी।

कार्यालय नगर पंचायत, जामताड़ा

Email Id- Jamtaranagarpanchayat@gmail.com

!! आम–सूचना !!

एतद् द्वारा नगर पंचायत, जामताड़ा क्षेत्रान्तर्गत सभी होल्डिंग टैक्स धारकों को सूचित किया जाता है कि निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार होल्डिंग टैक्स जमा करने पर 5–10 प्रतिशत की छूट प्रदान की जायेगी। यह लाभ वित्तीय वर्ष 2026–27 के प्रथम तिमाही (30 जून 2026 तक) में होल्डिंग टैक्स जमा करने पर होल्डिंग टैक्स धारकों को दी जायेगी। इसमें सभी होल्डिंग धारी को आवासीय व कॉमर्शियल भवन पर 5 प्रतिशत और आवासीय भवन के महिला, वरिष्ट नागरिकों, दिव्यांग, ट्रांस जेन्डर एवं आर्मी होल्डिंग धारकों को 10 प्रतिशत की छूट प्रदान की जायेगी।

वित्तीय वर्ष 2025–26 में होल्डिंग टैक्स जमा नहीं करने वाले होल्डिंग धारी को 01 अप्रैल 2026 से बकाया होल्डिंग के साथ 12 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना राशि जमा करना होगा।

यह सूचना आम नागरिकों की सुविधा हेतु प्रकाशित की जा रही है।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत,जामताड़ा

PR 376701 Urban Development and Housing(26-27)D

बोरे में मिला लापता महिला का शव, पति पर हत्या का आरोप

कोडरमा(ईएमएस)।जिले के तिलैया थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर दो स्थित तिलैया बस्ती साईं फैक्ट्री के पीछे संदिग्ध परिस्थितियों में महिला के लापता होने व कथित तौर पर उसके पति के द्वारा हत्या किए जाने के मामले का सोमवार को पटापेक्ष हो गया।लापता महिला का शव बोरे में बंद थाना क्षेत्र के रांची पटना रोड स्थित सतपुलिया के पास से तिलैया पुलिस ने बरामद किया है।मृतका की पहचान प्रीति सोनी मूल निवासी राजधनवार गिरिडीह निवासी के रूप में हुई है। महिला की हत्या का आरोप दो दिन से मायके वाले उसके पति पर ही लगा रहे थे। घटना के बाद से ही आरोपी पति बेंगाबाद गिरिडीह निवासी पवन सोनार फरार है।पुलिस उसकी व महिला के साथ तीन वर्षीय बच्ची की तलाश कर रही थी। इस बीच महिला का शव बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम तिलैया पुलिस को प्रीति के मायके वालों ने सूचित किया कि उनकी बेटी की हत्या दामाद ने ही मसाला पीसने वाले सीलपट से वार कर कर दी है सूचना पर तिलैया पुलिस तिलैया बस्ती स्थित किराये के मकान में पहुंची, पर मौके पर न महिला मिली थी और न ही उसका पत्ति।ऐसे में पुलिस वापस आ गई थी। रविवार को राजधनवार से पहुंची विवाहिता की मां सोनू देवी ने अपने दामाद पर ही बेटी की हत्या कर देने का आरोप लगाते हुए थाना में केस दर्ज कराया था।

जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र कार्यालय में कर्मचारियों की कमी, लोग परेशान

बोकारो(ईएमएस)।सेक्टर वन स्थित जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र कार्यालय में कर्मचारियों की कमी है।इस वजह से आम लोगों को समय पर जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र हासिल नहीं हो पा रहा है।कार्यालय में नए जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए हर माह 1500 से 1700 फॉर्म जमा किए जाते हैं, जबकि पुराने जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र को ऑनलाइन करने के लिए प्रतिमाह लगभग 200 पुराने प्रमाण पत्र के साथ फॉर्म जमा किए जा रहे हैं।कार्यालय में एक रजिस्ट्रार व तीन कर्मचारी कार्य कर रहे हैं प्रतिमाह इतनी फॉर्म जमा होने के कारण कार्यालय कर्मी के साथ आमजन भी परेशान है।

कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जामताड़ा।

अति–अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या– 01/2026–27

स्वास्थ्य विभागीय संकल्प संख्या 274 (7) राँची, दिनांक 01.11.2022 के आलोक में असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जामताड़ा के प्रयोजनार्थ वाह्य श्रोत से भाड़े पर 4 Wheeler उपलब्ध कराने हेतु न्यूनतम दर निर्धारण के लिए निविदा प्रकाशित की जाती है। निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि दिनांक 13.04.2026 के अपराह्न 05.00 बजे तक होगी। इच्छुक एजेंसी/ट्रेवल एजेंसी/वाहन सेवा प्रदाता/फर्म/प्रतिष्ठान निर्धारित अंतिम तिथि एवं समय तक असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जामताड़ा के कार्यालय में सीलबंद लिफाफा के माध्यम से निविदा समर्पित कर सकते हैं। सभी प्राप्त निविदा दिनांक 15.04.2026 को अपराह्न 12.30 बजे असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जामताड़ा के कक्ष में क्रय समिति के समक्ष खोला जाएगा। निविदा खोलने के समय निविदादाता उपस्थित रह सकते हैं।

निविदा समर्पित करने के लिए तकनीकी एवं वित्तीय बीड में संलग्न रहने वाले कागजातों का विवरण तथा शर्तों से संबंधित जानकारी वेवसाईट www.jamtara.nic.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–
असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–
मुख्य चिकित्सा पदा0, जामताड़ा।

PR 376796 Health Med Edu and Family Welfare(26-27)D

झारखंड हाईकोर्ट में जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की आयुसीमा को चुनौती

रांची (ईएमएस)। झारखंड लोकसेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा 2026 की अधिकतम आयुसीमा को लेकर विवाद गहरा गया है।इस मुद्दे को लेकर अभ्यर्थियों ने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आयोग के निर्णय को चुनौती दी है।मामला अब न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में आ गया है, जिससे अभ्यर्थियों के बीच उम्मीद और चिंता दोनों बनी हुई है।याचिकाकर्ताओं का कहना है कि प्रतियोगिता परीक्षा के लिए अधिकतम आयुसीमा की गणना 1 अगस्त 2017 के आधार पर होनी चाहिए।उनका तर्क है कि लंबे समय से परीक्षा नहीं होने के कारण कई अभ्यर्थी आयुसीमा से बाहर हो गए हैं। वहीं, जेपीएससी ने आयुसीमा 1 अगस्त 2022 के आधार पर निर्धारित की है, जिसे लेकर विवाद उत्पन्न हुआ है।इस मामले की याचिका चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में दायर की गई थी, जिसे एकल पीठ में भेज दिया गया।एकल पीठ ने विस्तृत सुनवाई के बाद झारखंड सरकार और जेपीएससी को इस मामले में अपना पक्ष स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है।हाईकोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय की है।इस दिन कोर्ट में दोनों पक्षों के जवाब के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।अभ्यर्थियों की नजर अब इस सुनवाई पर टिकी हुई है, क्योंकि इससे उनके भविष्य पर असर पड़ सकता है।बताया जा रहा है कि जेपीएससी ने कुल 45 पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन जारी किया है।ऐसे में आयुसीमा को लेकर चल रहा विवाद भर्ती प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है।यदि कोर्ट कोई निर्देश देता है, तो इससे परीक्षा के नियमों में बदलाव संभव है।अदालत में पक्ष रखने वाले अधिवक्ता याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने पक्ष रखा, जबकि झारखंड सरकार की ओर से अधिवक्ता राजीव रंजन ने दलीलें प्रस्तुत कीं।यह याचिका अमित कुमार एवं अन्य अभ्यर्थियों द्वारा दायर की गई है। फिलहाल सभी की निगाहें कोर्ट के अगले फैसले पर टिकी हुई हैं।

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह ।
(सामान्य शाखा)
ई–मेल : gensectiongrd123@gmail.com

अति आवश्यक सूचना

गिरिडीह जिले के ग्रामीण/शहरी गृह रक्षकों को सूचित किया जा सकता हैं कि गृह रक्षक (स्वंयसेवक) नियमावली 2014 की कंडिका 06 एवं स्थायी आदेश संख्या–08/2024 सहपठित ज्ञापांक 438/ओ०टी०डी०, दिनांक–05.03.2024 के आलोक में प्रदत्त गिरिडीह जिले के गृह रक्षकों का पुनःनामांकन दिनांक–09.04.2026 से 13.04.2026 तक किया जाना हैं।

गिरिडीह के प्रभावी बल के गृह रक्षक अपने प्रखण्ड के निर्धारित तिथि को पूरी वर्दी में जिला समादेष्टा कार्यालय, गिरिडीह में उपस्थित होकर एवं पुनःनामांकन हेतु फार्म "अ" और "ग" को पूर्ण रूप से भर कर कार्यलय को समर्पित करेगें। तत्पशचात् उक्त गृह रक्षकों की चिकित्सीय जाँच सदर अस्पताल गिरिडीह के माध्यम से कराकर पुनः नामांकन सबंधी अग्रतर कार्यवाही की जायेगी।

फार्म – "अ" और फार्म – "ग" के साथ संलग्न किये जाने वाले आवश्यक अभिलेखों/प्रमाण–पत्रों की सूची :–

क्र.स	अभिलेख/प्रमाण पत्र	क्र.स	अभिलेख/प्रमाण पत्र
1	हाल का खीचा हुआ चार पासपोर्ट साइज का रंगीन फोटो वर्दी में।	6	गृह रक्षक बुनियादी प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति।
2	नामांकान के समय/पूर्व के तिथि से निर्गत जन्म तिथि, प्रमाण–पत्र की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति।	7	गृह रक्षकों की पहचान पत्र की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति।
3	जाति प्रमाण–पत्र की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति।	8	पुनः नामांकन आवेदन के पूर्व के दो वर्षो में किये गये किन्हीं दो अवसरो पर डियूटी के दो कमान पत्रों की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति।
4	आवासीय प्रमाण – पत्र की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति।	9	आधार कार्ड की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति।
5	नामांकन के समय/पूर्व के तिथि से निर्गत जन्म तिथि संबन्धित प्रमाण–पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति।	10	अद्यतन पासबुक की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति।

पुनःनामांकन का प्रखण्डवार एवं तिथिवार कार्यक्रम निम्नवत् हैं–

क्र० सं०	प्रखण्ड का नाम	गृह रक्षकों की संख्या	पुनः नामाकंन की तिथि।	क्र० सं०	प्रखण्ड का नाम	गृह रक्षकों की संख्या	पुनः नामाकंन की तिथि।	पुनः नामाकंन केन्द्र
1	गिरिडीह सदर	35	09-04-2026	9	डुमरी	29	10-04-2026	जिला समादेष्टा कार्यालय, गिरिडीह।
2	गिरिडीह शहरी	26	09-04-2026	10	पीरटांड़	21	11-04-2026	
3	बेंगाबाद	33	09-04-2026	11	गांवा	67	11-02-2026	
4	गाण्डेय	28	09-04-2026	12	तिसरी	44	11-02-2026	
5	देवरी	79	10-04-2026	13	बगोदर	08	11-02-2026	
6	राजधनवार	24	10-04-2026	14	सरिया	03	11-04-2026	
7	जमुआ	43	10-04-2026	15	सभी प्रखण्डों छुटा हुआ	–	13-04-2026	
8	बिरनी	47	10-04-2026		कुल	487		

फार्म "अ" और "ग" के साथ समर्पित अभिलेखों/प्रमाण–पत्रों के सत्यापन के उपरांत पुनः नामांकन की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी।
निर्धारित तिथि के बाद पुनःनामांकन हेतु किये गये किसी दावे पर विचार नही किया जायेगा।

उपायुक्त
गिरिडीह।

PR 376802 (Giridih) 26-27 (D)

बोकारो इस्पात संयंत्र में सुगम आवागमन हेतु आरसीसी सड़क परियोजना का उद्घाटन

बोकारो । बोकारो इस्पात संयंत्र में बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, सुरक्षा मानकों में सुधार तथा परिचालन दक्षता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज आरसीसी (प्रबलित सीमेंट कंक्रीट) सड़क परियोजना का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनुप कुमार दत्त द्वारा किया गया. इस परियोजना के अंतर्गत एमएसडीएस-7 एवं इनॉक्स संयंत्र से गेट संख्या 04 तक जाने वाली सड़क को जोड़ने वाले मार्ग का नवनिर्माण किया गया है.इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) श्री बिपिन कृष्ण सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिता) श्री एस. आर. सिंह तथा मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-II) श्री डी. के. सक्सेना की उपस्थिति रही. इनके अतिरिक्त महाप्रबंधक (सीईडी) श्री ए. के. अविनाश, महाप्रबंधक (एसएमएस-II ऑपरेशन्स) श्री सचिन कुमार सिंह, महाप्रबंधक (एसएमएस-2/ सीसीएस ऑपरेशन्स) श्री ए. बोस एवं श्री पी. मरंडी सहित सिविल इंजीनियरिंग विभाग (संकार्य) के अन्य वरीय अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

उल्लेखनीय है कि एमएसडीएस-7 से गेट संख्या 04 तक का मौजूदा मार्ग गड्ढों और स्लैग जमाव के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे मानसून के दौरान जलभराव और अत्यधिक धूल की समस्या उत्पन्न होती थी. यह मार्ग भंडार सामग्री, लौह मिश्र धातु, स्क्रैप एवं दुर्दम्य सामग्री के परिवहन के साथ-साथ अग्निशमन और आपातकालीन वाहनों के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है. कार्मिकों की सुरक्षा और सामग्री की निर्बाध आवागमन को प्राथमिकता देते हुए इस परियोजना के तहत तीन प्रमुख खंडों का विकास किया गया है, जिसमें सड़क संख्या 84 के साथ-साथ मैग्नेट यार्ड-1, न्यू स्लैग यार्ड और न्यू एसएमएस-II वेलफेयर बिल्डिंग से कन्वर्टर प्रवेश द्वार तक की कनेक्टिविटी शामिल है. यह परियोजना संयंत्र के भीतर लॉजिस्टिक नेटवर्क को आधुनिक बनाने और कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बोकारो इस्पात संयंत्र की प्रतिबद्धता का प्रमाण है.

आरसीसी सड़कों के इस नए नेटवर्क से न केवल परिचालन संबंधी बाधाएं दूर होंगी, बल्कि यह भविष्य में संयंत्र की उत्पादकता और सुदृढ़ बुनियादी ढांचे के विकास में भी मील का पत्थर साबित होगा.

अतिक्रमण के खिलाफ एक बार फिर नगर निगम ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

टॉवर चौक से काली बाड़ी तक चलाया गया अभियान, कई फुटपाती दुकानदारों के सामान किए गए जप्त

गिरिडीह। नगर निगम के द्वारा एक बार फिर सोमवार को शहरी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। सहायक उपनगर आयुक्त अशोक हंसदा के नेतृत्व में यह अभियान शहर के टॉवर चौक से शुरू हुई और रजिस्ट्री ऑफिस सहित कालीबाड़ी चौक तक चलाया गया। इस दौरान सड़क किनारे लगने वाले फुटपाती दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें हटाया गया। नगर निगम की टीम ने कई फुटपाथी दुकानदारों की सब्जी, तराजू और अन्य सामान जब्त कर लिया और सभी को चेतावनी दी कि दोबारा अतिक्रमण करने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया जायेगा। अभिया का नेतृत्व कर रहे सहायक उपनगर आयुक्त अशोक हंसदा ने बताया कि शहर में लगने वाले जाम की समस्या को देखते हुए यह अतिक्रमण चलाया जा रहा है।

कहा कि सड़क किनारे अतिक्रमण कर दुकान लगाने वाले दुकानदारों को समझाया गया था, लेकिन वे नही माने। इसलिए कई दुकानदारों के सामान को जब्त कर लिया गया है। कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा। ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। इस दौरान उन्होंने आम नागरिकों और दुकानदारों से अपील करते हुए कहा कि वे नियमों का पालन करें और सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण न करें।

बीएसएल के सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ विभाग द्वारा सेफ्टी सर्कल प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास तथा सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ (S&FS) विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय 'सेफ्टी सर्कल प्रतियोगिता' का सफल आयोजन आज दिनांक 06 अप्रैल को प्रारम्भ किया गया तथा दिनाँक 07 अप्रैल 2026 को कार्यक्रम का समापन किया जायेगा. इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य संयंत्र के कार्मिकों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और कार्यस्थल पर उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था. आयोजन के दौरान विभिन्न विभागों की कुल 22 टीमों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी प्रस्तुति दी.प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागी टीमों ने अपने-अपने कार्य क्षेत्रों से संबंधित सुरक्षा विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं. इस दौरान टीमों द्वारा कई नवाचारपूर्ण सुझाव भी साझा किए गए, जिनका उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाना तथा संभावित जोखिमों को न्यूनतम करना है. प्रबंधन द्वारा सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की गई और उन्हें सुरक्षा के प्रति निरंतर सजग रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया.इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के निर्णायक मंडली में स्टील मेल्टिंग शॉप (न्यू) के महाप्रबंधक श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, ब्लास्ट फर्नेस के महाप्रबंधक श्री धनंजय कुमार, आरजीबीएस के महाप्रबंधक श्री नागेश रामटेके तथा कोल्ड रोलिंग मिल-III के महाप्रबंधक श्री बी. के. मोहंती शामिल थे. कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं विकास) श्री एस. के. डी. भौमिक तथा उप प्रबंधक (सुरक्षा) श्री अमित बडोले द्वारा किया गया.

यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र की सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है. इस तरह की प्रतियोगिताएं न केवल सुरक्षित कार्य वातावरण के निर्माण में सहायक सिद्ध होती हैं, बल्कि कर्मियों के मनोबल को बढ़ाते हुए उन्हें 'शून्य दुर्घटना' के लक्ष्य की ओर प्रेरित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.

उपायुक्त ने की संशोधित झरिया मास्टर प्लान की समीक्षा

धनबाद , उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन ने आज देर संध्या समाहरणालय के सभागार में संशोधित झरिया मास्टर प्लान की समीक्षा की। उन्होंने भारत कोकिंग कोल लिमिटेड बीसीसीएल एवं झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार ,जेआरडीए को संशोधित प्लान के अनुसार भू-धंसान एवं अग्नि प्रभावित क्षेत्र के लोगों को बेलगड़िया में पुनर्वासित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि पुनर्वास होने वाले प्रभावितों को समय पर मुआवजा का भुगतान करें। लिगल टाइटल होल्डर एलटीएच, व नन लिगल टाइटल होल्डर नन एलटीएच को मास्टर प्लान के नियमों का पालन करते हुए पुनर्वासित करें। साथ में संशोधित मास्टर प्लान के अनुसार प्रभावितों के पुनर्वास में जेआरडीए, बीसीसीएल एवं जिला प्रशासन के दायित्वों की विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा आवास का आवंटन, वित्तीय सहायता, परिवहन व लॉजिस्टिक्स सहायता, विस्थापन के दौरान हर कदम पर सहायता प्रदान करने सहित अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

उपायुक्त ने कहा की कई बस्तियाँ जमीन के नीचे की आग, जमीन धंसने और इनसे जुड़े खतरों से प्रभावित हैं। इसलिए प्रभावितों का पुनर्वास उनके जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक है।

बैठक में जेआरडीए ने बताया कि बेलगड़िया में 3737 आवासों की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत जारी है। जिसमें रूफ ट्रीटमेंट की 10 साल की वारंटी, बाथरूम एवं जमीन में नई टाइल्स, डिस्टेंपर से पेंट, कंसील्ड वायरिंग एवं पीवीसी वॉटर टैंक लगाना शामिल है। कार्य की गुणवत्ता के लिए आईआईटी, आईएसएम, धनबाद द्वारा सतत निगरानी हो रही है। साथ में बेलगड़िया के लोगों की सुरक्षा के लिए टीओपी, फेज एक एवं दो में रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी का गठन, फेज 1 व 3 में 60 हैंडपंप की मरम्मत, बीसीसीएल द्वारा पांच नए पंप सेट की स्थापना, आठ नए बोरवेल का प्रस्ताव, बरमसिया कुसमाटांड़ तक 7.6 किलोमीटर टू लेन सड़क का निर्माण, पलानी मोड़ से बेलगड़िया की 2.83 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण, टाउनशिप के अंदरूनी सड़क की पूरी मरम्मत, टाउनशिप में तीन आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन व 32 नए का प्रस्ताव के साथ हेल्थ सब सेंटर, शिकायत निवारण केंद्र, फेज 5 में जेआरडीए का एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, लोगों के रोजगार के लिए विभिन्न गतिविधियां, स्कील सेंटर, शोपिंग कॉम्लेक्स, पेयजल एवं स्वच्छता, विद्युत आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, विद्यालय, लोगों के सुचारू आवागमन के लिए इलेक्ट्रिक बस तथा ई रिक्शा का नियमित संचालन, जन वितरण प्रणाली की दुकान सहित अन्य सुविधाएं प्रदान की गई है।

बैठक में उपायुक्त , आदित्य रंजन, बीसीसीएल के निदेशक तकनीकी , संजय कुमार सिंह, महाप्रबंधक जेएमपी, महाप्रबंधक ,सेफ्टी, भूसंपदा पदाधिकारी, पूर्वी झरिया (ईजे), बस्ताकोला, लोदना, पुटकी बलिहारी, कुसतौर, सिजुआ, कतरास, बरोरा, गोविंदपुर, ब्लॉक टू एरिया के महाप्रबंधक तथा जेआरडीए के पदाधिकारी मौजूद थे।

पालना घर का शुभारंभ, कार्यरत महिलाओं को मिलेगी बड़ी राहत

समाहरणालय में अत्याधुनिक क्रेच सुविधा शुरू मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर जोर

दुमकाः उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने समाहरणालय ब्लॉक 'सी' के प्रथम तल पर निर्मित पालना घर (क्रेच) का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कार्यरत महिलाओं की सुविधा, बच्चों की सुरक्षित देखभाल एवं समुचित पोषण सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।उन्होंने बताया कि पालना घर में 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं बाल-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया गया है। यहां खेल-कूद की सामग्री, विश्राम व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, पोषण युक्त आहार, शौचालय एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।**स्तनपान कक्ष की विशेष व्यवस्था** : उपायुक्त ने माताओं के लिए स्तनपान कक्ष की व्यवस्था को अहम बताते हुए कहा कि यह स्थान पूर्णतः सुरक्षित, स्वच्छ एवं गोपनीयता युक्त है, जिससे महिलाएं सहज एवं सम्मानजनक वातावरण में अपने शिशुओं को स्तनपान करा सकें।उन्होंने निर्देश दिया कि जिले के सभी प्रखंड कार्यालयों में भी इसी प्रकार के पालना घर स्थापित किए जाएं। साथ ही परिसर में स्पष्ट साइनेज लगाने एवं नियमित निगरानी के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने को कहा।

पड़ोसन को लेकर फरार हुआ पांच बच्चों का पिता, पुलिस ने किया गिरफ्तार

दुमकाः शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां पांच बच्चों का पिता अपने ही पड़ोस में रहने वाली तीन बच्चों की मां को लेकर फरार हो गया। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई।जानकारी के अनुसार, यह मामला 30 मार्च का है। घटना के बाद महिला के परिजन लगातार उसकी तलाश में जुटे रहे, लेकिन कई दिनों तक उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद 4 अप्रैल को महिला के पिता ने शिकारीपाड़ा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई।शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को पड़ोस में रहने वाले मनार अंसारी ने बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा लिया। परिजनों ने यह भी बताया कि महिला का पति रोजगार के सिलसिले में बाहर रहता है, जिसके कारण वह घर पर अकेली थी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने उसे अपने साथ ले जाने की योजना बनाई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। छानबीन के दौरान पुलिस ने सोनाढाप गांव से महिला को सुरक्षित बरामद कर लिया। साथ ही आरोपी मनार अंसारी को भी गिरफ्तार कर लिया गया।शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी अमित लकड़ा ने बताया कि आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, महिला का कोर्ट में बयान दर्ज कराया जाएगा, जिसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आगे की कार्रवाई जारी है।

दुमका कोर्ट परिसर में दो झगड़ों से मचा हंगामा, पत्नियों ने पतियों पर लगाया दूसरी शादी का आरोप

दुमकाः दुमका कोर्ट परिसर में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब दो अलग-अलग घटनाओं में पत्नियों ने अपने पतियों पर दूसरी शादी और उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए सरेआम मारपीट कर दी। दोनों घटनाओं से कोर्ट परिसर में काफी देर तक हंगामा होता रहा और लोगों की भीड़ जुट गई।पहली घटना में एक महिला ने अपने पति को देखते ही गले से पकड़ लिया और उसकी पिटाई शुरू कर दी। महिला का आरोप था कि उसके पति ने दूसरी शादी कर ली है और पहले भी उसके साथ मारपीट करता रहा है। उसने फैमिली कोर्ट में मेंटेनेंस का मामला दर्ज कराया है। महिला वारंट जारी होने के बावजूद पति की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज थी।इसी दौरान पति के साथ मौजूद एक व्यक्ति ने महिला पर हाथ उठाने की कोशिश की, जिसके बाद वहां मौजूद लोग महिला के समर्थन में आ गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट होने लगी।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को हिरासत में लेकर स्थिति को नियंत्रित किया।

धनबाद विधायक राज सिन्हा के आवासीय कार्यालय में 47वें स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाई गई

धनबाद ,भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा के जगजीवन नगर स्थित आवासीय कार्यालय में स्थापना दिवस समारोह धूमधाम एवं भव्यता के साथ मनाया गई । कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय जनसंघ एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणास्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी, देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई एवं कैलाशपति मिश्र के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के सभी पूर्व जिला अध्यक्षों को अंगवस्त्र एवं कमल पुष्प के मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में प्रमुख रूप से सत्येंद्र कुमार, हरिप्रकाश लाटा, चंद्रशेखर सिंह , विधायक

राज सिन्हा , पूर्व जिला अध्यक्ष, वर्तमान जिला अध्यक्ष, श्रवण राय सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल रहे। साथ ही वर्तमान जिला अध्यक्ष श्रवण राय को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के पुराने एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जिनमें पूर्व संगठन मंत्री विनय सिंह, अरुण झा, डि एन प्रसाद, श्याम गुप्ता एवं शंकर विश्वास प्रमुख रहे।

इस अवसर पर उपस्थित सभी पूर्व एवं वर्तमान जिला अध्यक्षों ने संयुक्त रूप से केक काटकर स्थापना दिवस की खुशियाँ साझा कीं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने भारतीय जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए अपने अनुभवों को साझा किया। साथ ही संगठन की मजबूती पर बल दिया। इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र 'राष्ट्र प्रथम' है। आज पार्टी 47 वर्षों की यात्रा पूरी कर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बन चुकी है। यह हमारे करोड़ों कार्यकर्ताओं के समर्पण और त्याग का परिणाम है। हम सभी को मिलकर विकसित भारत के निर्माण हेतु निरंतर कार्य करना है। जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि भाजपा एक विचारधारा आधारित संगठन है, जो अंत्योदय के सिद्धांत पर कार्य करती है। हमारे पूर्व नेताओं के अनुभव और मार्गदर्शन से संगठन निरंतर मजबूत हो रहा है। आने वाले समय में हम इसे और सशक्त बनाएंगे। आगे सत्येंद्र कुमार ने कहा कि भाजपा का संगठनात्मक ढांचा कार्यकर्ताओं की मेहनत पर खड़ा है। आज का यह सम्मान हम सभी के लिए प्रेरणादायक है और हमें और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। हरिप्रकाश लाटा ने कहा कि पार्टी ने हमेशा कार्यकर्ताओं को सम्मान दिया है। यह हमारी परंपरा है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत भी है। हमें इस परंपरा को आगे बढ़ाना है।पूर्व संगठन मंत्री विनय सिंह ने कहा कि भाजपा का संगठन अनुशासन, समर्पण और विचारधारा पर आधारित है। कार्यकर्ता ही इसकी असली शक्ति हैं और उनके बल पर ही पार्टी आज इस मुकाम पर पहुंची है। कार्यक्रम के दौरान चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि हम सभी ने संगठन के शुरुआती दौर को देखा है। आज पार्टी जिस ऊंचाई पर है, वह कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों का परिणाम है। हमें नई पीढ़ी को भी इस गौरवशाली विरासत से जोड़ना होगा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद थे। ज्ञात हो कि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष, श्रवण राय ने किया । संचालन महामंत्री, मानस प्रसून ने किया। मौके पर मुख्य रूप से शेखर सिंह, नरेंद्र त्रिवेदी, अभिमन्यु कुमार,रीता यादव, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष विभा रानी सिंह, मंडल अध्यक्ष रंजय सिंह, गौतम चौधरी, राजाराम दत्ता, हुल्लास दास, इंद्रभूषण कुशवाहा, सन्नी रवानी, बसंती सिंह, मनोज गुप्ता, सुशील सिंह सहित हजारों की संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर झरिया में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान, विधायक रागिनी सिंह के नेतृत्व में हुआ आयोजन

धनबाद , झरिया, भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर झरिया स्थित बिहार बिल्डिंग कार्यालय में झरिया विधायक रागिनी सिंह के नेतृत्व में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झरिया विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे । स्थापना दिवस को उत्साह एवं संगठनात्मक एकजुटता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि पार्टी की मजबूती उसके

समर्पित कार्यकर्ताओं से ही संभव होती है, जिन्होंने वर्षों से संगठन को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि पार्टी के सिद्धांतों और राष्ट्रसेवा के संकल्प को पुनः दोहराने का महत्वपूर्ण अवसर है।आगे विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए गर्व और प्रेरणा का दिन है।

पार्टी की गौरवशाली परंपरा, राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना और 'सेवा ही संगठन' के संकल्प को आगे बढ़ाने में हमारे समर्पित कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

साथ ही उन्होंने कहा कि वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित करना हमारे लिए गर्व की बात है। मैं सभी कार्यकर्ताओं के योगदान को नमन करती हूँ और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी करती हूँ। स्थापना दिवस जैसे आयोजनों में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक माना जाता है। ऐसे कार्यक्रमों से जहां अनुभवी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ता है, वहीं युवा कार्यकर्ताओं को भी संगठन की विचारधारा और सेवा भावना से जुड़ने की प्रेरणा भी मिलती है।

झारखंड के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष में नियमित योग सत्र का आयोजन

रांचीः आयुष निदेशालय झारखंड अंतर्गत राष्ट्रीय आयुष मिशन, झारखंड के द्वारा राज्य के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों आयुष में स्वास्थ्य संवर्धन और रोग निवारण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नियमित योग सत्रों का आयोजन प्रारंभ किया गया है। इन सत्रों का संचालन प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों द्वारा किया जा रहा है, जिससे आमजन को योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके।इन योग सत्रों का आयोजन प्रतिदिन निर्धारित समय पर किया जा रहा है, जिसमें स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों एवं युवाओं को योग के प्रति जागरूक करने पर बल दिया जा रहा है। योग न केवल बीमारियों की रोकथाम में सहायक है, बल्कि यह जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप और तनाव को नियंत्रित करने में भी प्रभावी है। इसी उद्देश्य से आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष को स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत यह पहल "स्वस्थ झारखंड" के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विभाग द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने नजदीकी आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष में आयोजित योग सत्रों में भाग लेकर अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाएँ।

उपायुक्त ने किया मेगा स्पोर्ट्स कंपलेक्स का औचक निरीक्षण

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन ने सोमवार को संध्या बिरसा मुंडा मेगा स्पोर्ट्स कंपलेक्स का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने होमगार्ड भर्ती के लिए आयोजित हाई जंप, लॉन्ग जंप, शॉट पुट, हिंदी लेखन परीक्षा, हाइट - वेट व अन्य स्थलों का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने मेगा स्पोर्ट्स कंपलेक्स में लाइट, पानी, शौचालय की व्यवस्था दुरुस्त रखने, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रखने, परीक्षा की पूरी प्रक्रिया की डिजिटल निगरानी रखने का निर्देश दिया।

विदित हो कि परीक्षा केंद्र के हर कोने पर सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जा रही है। साथ ही, दौड़ और अन्य शारीरिक स्पर्धाओं की निरंतर वीडियोग्राफी कराई जा रही है। ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की गुंजाइश न रहे। अभ्यर्थियों के प्रवेश के समय बायोमेट्रिक हाजिरी और आधार सत्यापन किया जा रहा है। वहीं दौड़ के सटीक समय के मापन के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन चिप तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। जिससे परिणाम पूरी तरह त्रुटिहीन और पारदर्शी बने रहें। प्रथम दिन लगभग 800 से अधिक परीक्षार्थी शामिल हुए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त , आदित्य रंजन के साथ उप विकास आयुक्त , सन्नी राज, ग्रामीण एसपी , कपिल चौधरी भी मौजूद थे। जबकि परीक्षा संचालन में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी , लोकेश बारंगे, जिला समादेष्टा सूर्यकांत कुमार, डीएसपी मुख्यालय 1 , शंकर कामती, कार्यपालक दंडाधिकारी , राम नारायण ठाकुर, जिला शिक्षा पदाधिकारी , अभिषेक झा, जिला खेल पदाधिकारी , उमेश लोहरा, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा , नियाज अहमद समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

वेतन नहीं दिए जाने को लेकर 15 को मिश्रित भवन प्रांगण से लेकर बिधुत अंचल कार्यालय तक अर्धनग्न प्रदर्शन

धनबाद। धनबाद अंचल एवम चास अंचल के तमाम उर्जा मित्र, कम्पुटर ऑपरेटर/सुपरवाइजर का वेतन फ्यूजन सीएक्स प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा नही दिए जाने को लेकर दिनांक 15/04/2026 को मिश्रित भवन प्रांगण से लेकर रणधीर वर्मा चौक होते हुए बिधुत अंचल कार्यालय प्रांगण तक अर्धनग्न प्रदर्शन की जाएगी । फ्यूजन सीएक्स प्राइवेट लिमिटेड के मार्फत आपने के आधीन उर्जा मित्र मीटर का पठन-पाठन करते आ रहे है। बिलिंग एजेंसीओ के द्वारा कामगारों से कार्य लिया जा रहा है परन्तु वेतन का भुगतान एजेन्सीओ के द्वारा नहीं किया जा रहा है विगत 6 माह से। ठीक इसी तरह पुर्व की बिलिंग एजेंसीओ कम्पनी ईएमडी प्राईवेट लिमिटेड 14 माह का वेतन लेकर भाग गई जीसे लेकर जेबीवीएनएल के अधिकारीओ एवम झारखंड बिधुत नियामक आयोग के आए हुए अधिकारीओ ने जनसुनवाई के दरमियान कहे की हाईकोर्ट राँची में मुकद्दमा दायर कर वेतन लेने की मांग करे। इस भी बिलिंग एजेन्सी की रवैए ठीक उसी तरह का है उर्जा मित्र काम करें जेबीवीएनएल के अन्तर्गत और जब वेतन लेकर भाग जाए तो हाईकोर्ट राँची में मुकद्दमा दायर कर के वेतन का मांग करें यह कहा का न्याय है।

(1) श्रीमान आपको पत्र प्राप्ती के उपरांत इसे लेकर फ्यूजन सीएक्स प्राइवेट लिमिटेड/एवम झारखंड राज्य उर्जा मित्र संघ के बीच आप के देख रेख में दिनांक 10/04/2026 को बैठक आहूत कराई जाए वेतन भुगतान को लेकर ।

(2) दिनांक 14/04/2026 को मध्यरात्रि को 12 :00 तक भी अगर फ्यूजन सीएक्स प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा सभी उर्जा मित्र/सुपरवाइजर/ कम्पुटर ऑपरेटर का बकाया वेतन कर देती है तो दिनांक 15/04/2026 को कि जाने वाली संघ के द्वारा अर्धनग्न प्रदर्शन वापस ले लिया जाएगा । अगर वकाया वेतन भुगतान नही करती है तो मरता क्या नही करता फिर प्रदर्शन होना सुनिश्चित तौर से ही होगा। जिसकी जबाव देही जेबीवीएनएल एवम फ्यूजन सीएक्स प्राइवेट लिमिटेड बिलिंग एजेन्सी की होगी अब श्रीमान को विचार करना है की बिलिंग एजेन्सीओ के साथ दर्शाया तीथी को वार्ता कराए या दिनांक 14/04/2026 तक सभी का वेतन दिलाए या 15/04/2026 को अर्धनग्न प्रदर्शन संघ करें।

टोटो चालकों ने स्थाई पार्किंग की मांग को लेकर महापौर संजीव सिंह को सौंपा ज्ञापन

धनबाद। झारखंड ई रिक्सा टोटो संघ के प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव जी के नेतृत्व में धनबाद नगर निगम के आधीन टोटो चालकों के लिए स्थाई पार्किंग की मांग को लेकर धनबाद के नवनिर्वाचित महापौर संजीव सिंह से उन्के निगम कार्यालय कक्ष में मुलाकात कर निम्नलिखित स्थानों के लिए स्थाई पार्किंग को ले ज्ञापन सौंपे साथी ही महापौर पद पर निर्वाचित होने के लिए पुष्प गुलदस्ता देकर सम्मानित किए। प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि विगत वर्षो से झारखंड ई रिक्सा टोटो संघ के द्वारा अनेको बार धनबाद नगर आयुक्त,से टोटो चालकों के लिए स्थाई पार्किंग की मांग करते आ रही है। परन्तु आज भी उस दिशा कोई ठोस पहल नही निकला है। संघ के प्रदेश प्रवक्ता संतोष कुशवाहा की जो स्थाई पार्किंग अगर नगर निगम के माध्यम से मिलती है तो। निगम के द्वारा जो शुल्क निर्धारित करेगी प्रतेक टोटो पर वह शुल्क टोटो चालक देगे। और नियमित नियमों से उस स्थान से सवारी को ले जाएगे लाएगे। अनेको बार बारम बार सिर्फ और सिर्फ आश्वासन मिला परन्तु स्थाई पार्किंग नहीं मिल सका। निगम क्षेत्रों में 21 हाजार के आसपास टोटो गाडियों का आवागमन होता है निगम की राजस्व उगाही में बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहेगी एवम यातायात ,ट्रैफिक व्यवस्था में महत्पूर्ण पहल होगा महापौर महोदय जी को निमलिख स्थानों को लेकर चिन्हित जगहों को पत्र में दर्शाया गया जहा पर बहुत अति अधिक टोटो को ठहराव रहता है। रतनेशवर मंदिर पुराना बाजार / बरमशिया पुल के पास / धनसार मोड के पास/पुराना बाजार पानी टंकी के पास / स्टिलगेट सराईडेल के पास/ झरिया चार नंबर के पास/बरटांड बस स्टैंड के पास जिस पर महापौर श्री संजीव सिंह ने कहा की सुझाव निगम के राजस्व हितों एवम शहर में ट्रैफिक नियंत्रण को लेकर भी अच्छा रहेगा आप सबों के द्वारा चिन्हित स्थाई पार्किंग के स्थलों को निगम के विभागीय अस्तर पर जाँच-पड़ताल कराते हुए स्थाई पार्किंग कि दिशा में उचित कदम उठाई जाएगी। जीसे ले संघ ने महापौर का स्थाई पार्किंग के पहल को ले आभार प्रकट किए। आज प्रतिनिधिमंडल में सामिल संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव, संघ के संस्थापक मुन्ना कुशवाहा संघ के सचिव शैलेश कुमार, संघ के प्रवक्ता संतोष कुशवाहा के साथ-साथ अन्य संघ के पदाधिकारीगण एवम टोटो चालक उपस्थित थें।

बिहार प्रदेश कार्यालय में भाजपा ने मनाया स्थापना दिवस

पटना, (ईएमएस)। विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा आज देश, दुनिया में अपना स्थापना दिवस मना रही है। इसी के तहत बिहार भाजपा कार्यालय में भी धूमधाम से पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस को लेकर पार्टी कार्यालय भवन को फूलों और रंगीन बल्बों से सजाया गया है। इस मौके पर पार्टी कार्यालय में झंडोत्तोलन किया गया तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को स्मरण करते हुए उनके संस्मरणों को याद किया गया।पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर प्रदेश कार्यालय पटना में प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने पार्टी का झंडा फहराया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने आरएसएस के चिंतक और संगठनकर्ता तथा एकात्मक मानववाद विचारधारा के प्रणेता दीनदयाल उपाध्याय और भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। स्थापना दिवस के मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, संगठन महामंत्री भीखू भाई दालसनिया, सांसद रविशंकर प्रसाद, विधायक संजीव चौरसिया, कार्यक्रम संयोजक और प्रदेश महामंत्री राधामोहन शर्मा, पटना महानगर के अध्यक्ष रूप नारायण मेहता, महामंत्री राकेश कुमार, उपाध्यक्ष अमृता भूषण, पवन जायसवाल ने भी मनीषियों की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। स्थापना दिवस के मौके पर 47 किलो मिठाईयां भी बांटी गईं और 47 दीप प्रज्वलित किये गए। स्थापना दिवस को लेकर कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह दिखा। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कार्यालय में जमकर आतिशबाजी की। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने सभी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की शुभकामना और बधाई देते हुए कहा कि भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी में असंख्यक कार्यकर्ताओं का खून पसीना तो लगा ही है कई कार्यकर्ताओं ने बलिदान भी दिया है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को याद किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्थापना दिवस पर किये गये संबोधन को उद्धृत करते हुए कहा, उन्होंने कहा था कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास के साथ काम कर रही है। हमारे हमारा समर्पण है मां भारती को, हमारा समर्पण है देश के कोटि-कोटि जनों को, हमारा समर्पण है देश के संविधान को। आज भाजपा विकास का पर्याय है, विश्वास का पर्याय है, नए विचार का पर्याय है और देश की विजय का पर्याय है।

बिहार ने जंगलराज भी देखा है और विकासराज भी जनता सब जानती हैः डॉ.निहोरा प्रसाद यादव

पटना, (ईएमएस)। जद (यू) प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निहोरा प्रसाद यादव ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा बिहार के विकास के मुद्दे पर सत्ता पक्ष से सार्वजनिक बहस की चुनौती पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि जद(यू) का साधारण कार्यकर्ता भी विकास के मुद्दे पर तेजस्वी यादव से खुली बहस के लिए पूरी तरह तैयार है। तेजस्वी यादव को सच्चाई का आइना दिखाते हुए उन्होंने कुछ आंकडों का हवाला दिया और कहा कि-

1) वर्ष 2005 में बिहार की साक्षरता दर लगभग 43 प्रतिशत थी, जो आज बढ़कर करीब 79 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

2) लालू-राबड़ी शासनकाल में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की हालत इतनी खराब थी कि एक महीने में औसतन केवल 39 मरीज ही इलाज के लिए पहुंचते थे, जबकि आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में यही संख्या बढ़कर 11 हजार से अधिक मरीज प्रति माह हो चुकी है।

3) वर्ष 1990 से 2005 तक लालू-राबडी शासनकाल में केवल लगभग 94 हजार सरकारी नौकरियां दी गईं, जबकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल में 10 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां देने का ऐतिहासिक काम किया गया है। साल 2025 से 2030 के बीच 1 करोड़ युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है।

4) आरजेडी शासनकाल में बिहार की कृषि विकास दर -0.01 प्रतिशत थी, जो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल में बढ़कर 9.45 प्रतिशत हो गई है।

5) उन्होंने कहा कि आरजेडी शासनकाल में बिहार की प्रति व्यक्ति आय महज 7 हजार 449 रुपये थी, जबकि आज यह बढ़कर करीब 76 हजार रुपये के आसपास पहुंच गई है।

6) इसी तरह राज्य की गरीबी दर 54.40 प्रतिशत से घटकर 33.76 प्रतिशत हो गई है, जो बताता है कि गरीबों के जीवन में वास्तविक बदलाव आया है।

7) लालू-राबड़ी शासनकाल में बिहार में प्रति व्यक्ति बिजली खपत केवल 75 किलोवाट थी, जबकि आज यह बढ़कर 363 किलोवाट तक पहुंच गई है।

8) शिक्षा के क्षेत्र में उस समय जहां कुल खर्च लगभग 3 हजार 160 करोड़ रुपये था, वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में यह बढ़कर 63 हजार 335 करोड रुपये तक पहुंच गया है।

9) इसी प्रकार स्वास्थ्य पर लालू शासनकाल में केवल 539 करोड रुपये खर्च होते थे, जबकि आज यह बढ़कर 19 हजार 184 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि यही फर्क जंगलराज और विकासराज के बीच की असली पहचान है।

उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को अपने माता-पिता के 1990 से 2005 तक के शासनकाल के विकास के आंकड़े भी सार्वजनिक करने चाहिए और बताना चाहिए कि उस दौरान बिहार को क्या मिला? उन्होंने कहा कि झारखंड अलग होने के बाद बिहार निराशा, संसाधनों की कमी और पिछड़ेपन से जूझ रहा था, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उस निराशा को विकास और आत्मविश्वास में बदलने का काम किया। इसके बावजूद तेजस्वी यादव बिहार की तुलना सीधे विकसित राज्यों से कर रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार बिहार को विकसित राज्य के शिखर तक पहुंचाने के लिए निरंतर काम कर रही है और इसमें थोड़ा समय लगना स्वाभाविक है।

जिला पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण के लिए प्रदेश कांग्रेस की संचालन समिति गठित

पटना, (ईएमएस)। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा नियुक्त जिला पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 18, 19 एवं 20 अप्रैल को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम, पटना में आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य गांधीगिरी तरीके से संगठन को और मजबूत करना तथा जिला स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी बनाना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल एवं बेहतर संचालन के लिए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने एक संचालन समिति का गठन किया है।

समिति के सदस्य इस प्रकार हैं– चंद्र प्रकाश सिंह, अध्यक्ष INTUC, डॉ. तारानंद सदा, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी, अरविंद चौधरी, पूर्व प्रत्याशी– हायाघाट, अभिषेक सिंह, अध्यक्ष– शिक्षक प्रकोष्ठ सतेंद्र बहादुर, पूर्व प्रत्याशी, डॉ. आशुतोष शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष, रीता सिंह, राजीव शर्मा, सलभ कुमार।

मोतिहारी में मदरसा परिसर से हथियार बरामद 3 गिरफ्तार, एसआईटी जांच में जुटी

मोतिहारी, (ईएमएस)। बिहार के मोतिहारी में पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गवंदरा गांव स्थित इस्लामिया मदरसा में छापेमारी की। इस दौरान मदरसा परिसर से एक पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने मदरसे के मौलवी, केयरटेकर और सफाईकर्मी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और मदरसे को सील कर दिया गया है। पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि चकिया थाना क्षेत्र में अवैध हथियारों की बिक्री की सूचना मिली थी, जिसकी कड़ी इस मदरसे तक पहुंची। सूचना के आधार पर एसआईटी ने इलाके को घेरकर सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान पुलिस को मदरसा भवन से एक पिस्तौल, कई जिंदा कारतूस और कुछ संदिग्ध दस्तावेज मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वॉड और अन्य विशेषज्ञों को बुलाया गया। एसपी के अनुसार, मदरसे और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि पूरे घटनाक्रम को समझा जा सके और किसी बड़े नेटवर्क का पता लगाया जा सके। गिरफ्तार तीनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके मोबाइल फोन भी जब्त कर जांच की जा रही है।

- पीएफआई से कनेक्शन की जांच

पुलिस पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से संभावित संबंधों की भी जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में यह भी आशंका जताई गई है कि हथियार किसी बड़ी साजिश के तहत यहां रखे गए हो सकते हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यही मदरसा पहले भी चर्चा में आया था, जब चकिया पुलिस और एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) की संयुक्त कार्रवाई में याकूब उर्फ उस्मान उर्फ सुल्तान, जिसे पीएफआई का सक्रिय सदस्य बताया गया था, को यहीं से गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और इस घटना के पीछे किसी बड़े नेटवर्क या साजिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है।

देसी पिस्टल समेत अपराधी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, (ईएमएस)। बिहार के मुजफ्फरपुर के राहुल नगर इलाके में पुलिस ने छापेमारी कर कुख्यात अपराधी भैरव त्रिपाठी उर्फ 'मास्टर' को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक देसी पिस्टल और मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, भैरव त्रिपाठी मुजफ्फरपुर का ही निवासी है और वर्ष 2012 से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। उसकी चालाकी के कारण ही उसे अपराधी जगत में 'मास्टर' के नाम से जाना जाता है। सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि टाउन थाना क्षेत्र के राहुल नगर, रोड नंबर 3 में अवैध हथियारों का सौदा होने वाला है। सूचना के आधार पर ब्रह्मपुरा थाना प्रभारी विपिन रंजन के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया और मौके पर छापेमारी की गई। इस दौरान भैरव त्रिपाठी को एक देसी पिस्टल और मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में ब्रह्मपुरा थाना में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में हत्या, लूट और आर्म्स एक्ट उल्लंघन सहित आधा दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। वह हाल ही में एक आर्म्स एक्ट मामले में जेल से रिहा हुआ था।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती की तैयारी के लिए कांग्रेस ने बनाई समिति 14 अप्रैल को सदाकत आश्रम में होगा कार्यक्रम

पटना, (ईएमएस)। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने 14 अप्रैल को मनाई जाने वाली बाबा साहेब डॉ. भwीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारी के लिए एक समिति का गठन किया है। यह कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम, पटना में आयोजित किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर भारतीय संविधान के निर्माता, सामाजिक न्याय और समानता के महान पुरोधा थे। उनके विचार आज भी देश को लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक समरसता की दिशा में प्रेरित करते हैं। कांग्रेस पार्टी उनके बताए मार्ग पर चलते हुए सामाजिक न्याय, समान अधिकार और संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। अम्बेडकर जयंती कार्यक्रम की सफल तैयारी एवं संचालन के लिए प्रदेश अध्यक्ष द्वारा निम्नलिखित सदस्यों को समिति में मनोनीत किया गया है-

अमिता भूषण, पूर्व विधायक प्रतिमा कुमारी दास, पूर्व विधायक भावना झा, पूर्व विधायक विश्वनाथ राम, पूर्व विधायक अमर आज़ाद रबिन्दर पासवान, चेयरमैन, प्रदेश कांग्रेस एससी विभाग मोनी पासवान, पूर्व प्रत्याशी असगर अली पीटर, पूर्व बीस सूत्री उपाध्यक्ष, किशनगंज

सूर्यनारायण राम, पूर्व जिला अध्यक्ष, मधेपुरा मो० असद, पूर्व अध्यक्ष, शिवहर जिला दयानंद पासवान, पूर्व अध्यक्ष, दरभंगा जिला अशोक राम, पूर्व अध्यक्ष, भोजपुर अधिवक्ता खुशबु कुमारी, प्रदेश उपाध्यक्ष, बिहार युवा कांग्रेस मीना निषाद, अध्यक्ष, पटना महानगर महिला कांग्रेस अखिलेश कुमार पासवान

पूनम यादव नीतू निषाद अमरजीत राम तारक चौधरी राहुल पासवान

जितेंद्र नाथ पटेल मनोज यादव साथ ही प्रदेश कांग्रेस कनेक्ट सेंटर के सभी सदस्य इस समिति के पदेन सदस्य होंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने समिति के सभी सदस्यों से अपील की है कि वे कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि बाबा साहेब के विचारों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके।

पटना में सनसनीखेज वारदात, नकली कस्टम अधिकारी बन व्यापारियों से 22 करोड़ का सोना लूटा

पटना,(ईएमएस)। बिहार की राजधानी पटना के दानापुर इलाके में अपराधियों ने एक ऐसी दुस्साहसिक लूट को अंजाम दिया है, जिसने पुलिस प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खगौल थाना क्षेत्र के अंतर्गत खगौल ओवरब्रिज पर नकली कस्टम अधिकारी बनकर आए बदमाशों ने गुजरात के स्वर्ण व्यापारियों से दिनदहाड़े लगभग 15 किलो सोने के जेवरात लूट लिए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस लूटे गए सोने की अनुमानित कीमत करीब 22 करोड़ 50 लाख रुपये बताई जा रही है।

शराब कंपनियों से चंदा लेने वाली आरजेडी शराबबंदी पर कर रही अनर्गल प्रलापःउमेश सिंह कुशवाहा

पटना, (ईएमएस)। बिहार जनता दल (यू0) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को जारी बयान में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में वर्ष 2016 से पूर्ण शराबबंदी लागू है, इसके बावजूद जुलाई 2023 से जनवरी 2024 के बीच राष्ट्रीय जनता दल द्वारा शराब कंपनियों से लगभग 46 करोड़ 64 लाख रुपये का चुनावी चंदा लिया जाना उनकी राजनीतिक दरिद्रता और नैतिक पतन को दर्शाता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब किसी दल की राजनीति शराब कंपनियों से प्राप्त चंदे के सहारे चलती है, तो स्वाभाविक है कि उसके नेता उन्हीं हितों की रक्षा में जुट जाते हैं। यही कारण है कि तेजस्वी यादव शराबबंदी जैसे जनहितकारी निर्णय के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी कर जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, उनका यह मंसूबा कभी सफल नहीं होगा। श्री कुशवाहा ने कहा कि राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू होने के बाद कई स्वतंत्र सर्वेक्षणों में इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और अनुग्रह नारायण सामाजिक अध्ययन संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से किए गए एक सामाजिक सर्वेक्षण में लगभग 90 प्रतिशत से अधिक लोगों ने शराबबंदी के पक्ष में अपनी राय दी और इसे जनहितकारी बताया। वहीं, 80 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि महिलाओं को अब अकेले बाजार जाने में पहले की अपेक्षा अधिक स्वतंत्रता महसूस होती है। इसके अतिरिक्त, शराबबंदी के कारण आम लोगो के बचत में वृद्धि हुई है और वे अधिक खुशहाल जीवन जी रहे हैं। एक अन्य रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि शराबबंदी लागू होने के बाद यौन हिंसा के मामलों में 3.6 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, साथ ही महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि शराबबंदी से न केवल सामाजिक वातावरण में सुधार हुआ है, बल्कि युवाओं के स्वास्थ्य पर भी इसके सकारात्मक प्रभाव पड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इन उपलब्धियों को नजरअंदाज कर केवल राजनीतिक लाभ के लिए भ्रामक प्रचार कर रहा है, जिसे जनता भली-भांति समझती है।

बिहार में नेतृत्व परिवर्तन की आहटः किसके नाम पर चौंकाएगी भाजपा, अंदरखाने चल रही बात

पटना,(ईएमएस)। बिहार की राजनीति में एक बड़े युगांतकारी परिवर्तन के संकेत मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा पद छोड़कर राज्यसभा जाने के फैसले के बाद अब यह स्पष्ट हो गया है कि प्रदेश में एनडीए की अगली सरकार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में बनेगी।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक द्वारा बरवाडीह स्टेशन का निरीक्षण

हाजीपुर, (ईएमएस)। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा सोमवार दिनांक 6 अप्रैल को बरवाडीह स्टेशन एवं इसके आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेलवे ट्रैक, स्टेशन परिसर, यात्री सुविधाओं तथा परिचालन व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक द्वारा बरवाडीह आरओएच डिपो का भी निरीक्षण किया गया। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि इस अवसर पर मॉडिफाइड ब्रेक वैन का शुरुआत उनकी उपस्थिति में वरीय ट्रेन मैनेजर द्वारा किया गया। इस ब्रेक वैन में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक सुविधाओं का समावेश किया गया है। इसमें कार्यरत कर्मचारियों की सुविधा हेतु सोलर पैनल एवं बैटरी, आरामदायक कुशन युक्त सीटें, नवीन इंटीरियर, शौचालय की सुविधा तथा लुकिंग ग्लास सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस अवसर पर धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र सहित मुख्यालय एवं मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

पारिवारिक विवाद के चलते 100 फिट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती

मोतिहारी,(ईएमएस)। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के पिपरा थाना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवती करीब 100 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। टावर से अचानक महिला के चीखने-चिल्लाने और रोने की आवाजें सुनकर नीचे मौजूद राहगीर और स्थानीय लोग ठिठक गए। जब लोगों ने ऊपर की ओर देखा, तो एक युवती को टावर के ऊपरी हिस्से पर चढ़ा पाया। वह लगातार वहां से कूदकर जान देने की धमकी दे रही थी, जिसे देख इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया।घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए स्थानीय लोगों ने तुरंत पिपरा थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने युवती को नीचे उतारने के प्रयास शुरू किए, लेकिन वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थी। युवती टावर की ऊंचाई पर खड़े होकर जोर-जोर से चिल्ला रही थी, जिससे नीचे खड़े लोगों की सांसें अटकी रहीं। पुलिस के अधिकारियों ने काफी देर तक लाउडस्पीकर और इशारों के जरिए उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन युवती अपनी जिद पर अड़ी रही।जांच में यह बात सामने आई कि युवती अपने घर में चल रहे पारिवारिक विवाद से काफी आहत थी। इसी मानसिक तनाव और गुस्से में आकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाने का फैसला किया था। पुलिस ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए युवती के परिजनों को भी तुरंत मौके पर बुलाया। करीब 5 घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के दौरान पुलिस और परिजनों ने मिलकर युवती का मनोबल बढ़ाने और उसे शांत करने की कोशिश की। लंबी बातचीत और सुरक्षित भविष्य का भरोसा दिए जाने के बाद, आखिरकार युवती का गुस्सा शांत हुआ और वह धीरे-धीरे सुरक्षित नीचे उतर आई। थानाध्यक्ष अंजन कुमार ने बताया कि युवती को सुरक्षित नीचे उतारने के बाद थाने लाया गया, जहां उसकी काउंसलिंग की गई। बाद में उसे समझा-बुझाकर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

पुणे - मुंबई के लिए समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

हाजीपुर, । ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा दानापुर से पुणे एवं मुंबई तथा समस्तीपुर से मुंबई के लिए समर स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार विवरण निम्नानुसार है-

1) गाड़ी संख्या 01449/01450 पुणे-दानापुर-हडपसर (पुणे) स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज छिवकी- जबलपुर-भुसावल के रास्ते प्रतिदिन)- गाड़ी संख्या 01449 पुणे-दानापुर स्पेशल 15 जुलाई, 2026 तक प्रतिदिन पुणे से 15.30 बजे खुलकर दूसरे दिन 23.00 बजे डीडीयू, तीसरे दिन 00.16 बजे बक्सर, 01.00 बजे आरा रूकते हुए 02.45 बजे दानापुर पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01450 दानापुर-हडपसर (पुणे) स्पेशल 17 जुलाई, 2026 तक प्रतिदिन दानापुर से 05.00 बजे खुलकर 05.30 बजे आरा, 06.43 बजे बक्सर एवं 08.55 बजे डीडीयू रूकते हुए अगले दिन 18.15 बजे हडपसर (पुणे) पहुंचेगी।

2) गाड़ी संख्या 01143/01144 लोकमान्य तिलक-दानापुर-लोकमान्य तिलक स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-भुसावल के रास्ते प्रतिदिन)- गाड़ी संख्या 01143 लोकमान्य तिलक-दानापुर स्पेशल 15 जुलाई, 2026 तक प्रतिदिन लोकमान्य तिलक से 10.30 बजे खुलकर अगले दिन 15.25 बजे डीडीयू, 16.40 बजे बक्सर, 17.40 बजे आरा रूकते हुए 18.45 बजे दानापुर पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01144 दानापुर-लोकमान्य तिलक स्पेशल 16 जुलाई, 2026 तक प्रतिदिन दानापुर से 21.30 बजे खुलकर 22.10 बजे आरा, 22.50 बजे बक्सर, दूसरे दिन 02.05 बजे डीडीयू रूकते हुए तीसरे दिन 07.45 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी।

3) गाड़ी संख्या 01043/01044 लोकमान्य तिलक-समस्तीपुर-लोकमान्य तिलक स्पेशल (मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-भुसावल के रास्ते/साप्ताहिक)- गाड़ी संख्या 01043 लोकमान्य तिलक-समस्तीपुर स्पेशल 21 अप्रैल से 14 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को लोकमान्य तिलक से 12.15 बजे खुलकर अगले दिन 15.25 बजे डीडीयू, 16.35 बजे बक्सर, 17.35 बजे आरा, 18.30 बजे दानापुर, 18.55 बजे पाटलिपुत्र, 19.30 बजे सोनपुर, 19.55 बजे हाजीपुर एवं 21.15 बजे मुजफ्फरपुर रूकते हुए 23.45 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01044 समस्तीपुर-लोकमान्य तिलक स्पेशल 23 अप्रैल से 16 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक गुरूवार को समस्तीपुर से 03.00 बजे खुलकर 04.20 बजे मुजफ्फरपुर, 05.15 बजे हाजीपुर, 05.30 बजे सोनपुर, 06.10 बजे पाटलिपुत्र, 06.48 बजे दानापुर, 07.20 बजे आरा, 08.10 बजे बक्सर एवं 10.50 बजे डीडीयू रूकते हुए अगले दिन 16.25 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी।

शिक्षा को रसातल में पहुंचा देने वाली एनडीए सरकार की एक और डपोरसंखि घोषणा- राजद

पटना, (ईएमएस)। राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने बिहार की एनडीए सरकार पर नये डिग्री कॉलेज खोलने के नाम पर आंख में धूल झोंकने और शिक्षा व्यवस्था को मजाक बना देने का गंभीर आरोप लगाया है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि एनडीए सरकार के पिछले बीस वर्षों में बिहार की शिक्षा व्यवस्था को चौपट और बर्बाद कर देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की सारी घोषणाएं अबतक केवल कागजी और दिखावटी साबित हुआ है। सरजमीं पर स्थिति बद से बद्तर होती जा रही है। अभी सरकार द्वारा घोषणा किया गया है कि राज्य में 209 नये डिग्री कॉलेज खोलने और 9196 शिक्षक और गैर शैक्षणिक कर्मियों को बहाल करने की घोषणा की गई है। यह केवल आंख में धूल झोंकने के समान है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि अभी राज्य के विश्वविद्यालयों और अंगीभूत महाविद्यालयों में आधे से ज्यादा पद रिक्त हैं। सरकारी आंकड़े के अनुसार हीं राज्य में अभी 4000 से ज्यादा शिक्षकों का पद रिक्त है जबकि वास्तविक स्थिति में रिक्तियों की संख्या इससे कहीं ज्यादा है। अधिकांश कॉलेजों में गेस्ट फैकल्टी द्वारा काम चलाया जा रहा है। अभी भी कई कॉलेजों में तो किसी-किसी विभाग में एक भी शिक्षक नहीं है। यही स्थिति गैर शैक्षणिक कर्मियों की है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि इसी प्रकार सरकार द्वारा कागजी तौर पर सभी ग्राम पंचायतों के एक-एक माध्यमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक विद्यालय और प्लस टू विधालय में उत्क्रमित कर दिया गया। इसमें अधिकांश विद्यालयों में न तो सही ढंग से आधारभूत संरचना की व्यवस्था की गई है, न पर्याप्त शिक्षक हैं, न पर्याप्त उपस्कर है और न प्रायोगिक कक्षा की व्यवस्था है। और सबसे मजेदार बात तो यह है कि सम्बद्ध ग्रामपंचायत के छात्रों को अपने हीं ग्रामपंचायत के नव उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय और प्लस टू विधालय में नामांकन लेने को मजबूर कर दिया गया है। पुराने उच्च माध्यमिक विद्यालयों और प्लस टू में भी बड़ी संख्या ऐसे विद्यालयों की है जहां कई विषयों में एक भी शिक्षक नहीं है। राजद प्रवक्ता ने बताया कि प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों की स्थिति भी अच्छी नहीं है। हर महीने बड़ी संख्या में शिक्षक अवकाश ग्रहण करते जा रहे हैं और सरकार के संचिका में आज भी 2013 के पहले वाली आंकड़े की हीं गणना हो रही है। वास्तविकता तो यही है कि सरकार के पास शिक्षकों की आवश्यकता, उपलब्धता और वर्तमान में रिक्तियों का सही आंकड़ा हीं उपलब्ध नहीं है। इसीलिए रिक्तियों के बारे में मुख्यमंत्री, मंत्री और विभागीय अधिकारियों के बयानों में काफी विरोधाभास दिखाई पड़ता है। बिहार में जब महागठबंधन की सरकार थी तो मात्र 17 महीने में हीं टीआरई 1 और टीआरई 2 के माध्यम से बड़े पैमाने पर शिक्षकों की बहाली हुई, टीआरई 3 की प्रक्रिया भी उसी सरकार के समय शुरू हो गई थी । एनडीए सरकार द्वारा पिछले 18 महीने से टीआरई 4 की घोषणा की जा रही है पर अभी तक नोटिफिकेशन भी जारी नहीं हो पाया है। यह सरकार केवल डपोरसंखि घोषणाएं करती है जो केवल कागजी और दिखावटी साबित होती है।

संक्षिप्त खबरें

पीसीएस परीक्षा में 85वीं रैंक, गांव पहुंचने पर बेटी अनुष्का का हुआ जोरदार स्वागत

देवरिया,(ईएमएस)। उत्तरप्रदेश के देवरिया तहसील क्षेत्र के खोरहवा गांव की बेटी अनुष्का यादव ने पीसीएस परीक्षा में 85वीं रैंक हासिल पाकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इसके बाद जब अनुष्का अपने गांव पहुंचीं, तब ग्रामीणों ने उनका ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस दौरान भाटपाररानी विधायक सभाकुंवर कुशवाहा भी मौजूद रहें। गांव में अनुष्का की सफलता को लेकर उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया। जगह-जगह लोगों ने उनका अभिनंदन कर परिवार को बधाई दी। ग्रामीणों ने कहा कि अनुष्का की इस उपलब्धि से पूरे इलाके का मान बढ़ा है और युवाओं, खासकर बेटियों को नई प्रेरणा मिली है। बताया जाता है कि अनुष्का यादव चार बहनों और एक भाई में सबसे छोटी हैं। उनके पिता संतोष यादव उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत हैं। अनुष्का ने प्रयागराज में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की और अपने पहले ही गंभीर प्रयास में यह बड़ी सफलता हासिल की। इस अवसर पर परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और क्षेत्र के कई सम्मानित लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित गिरीशचंद्र तिवारी सहित अनेक लोगों ने अनुष्का को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गांव में उनकी इस सफलता को लेकर गर्व और उत्साह का माहौल बना हुआ है।

राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू के दो कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू (दिल्ली यूनिवर्सिटी) के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कॉलेजों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के रामजस कॉलेज और मिरांडा कॉलेज में बम की धमकी के बाद सोमवार को कॉलेज परिसर को खाली करा लिया गया। पुलिस के मुताबिक, कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन को ई-मेल मिला, जिसमें उन्हें कैंपस में एक संभावित एक्सप्लोसिव डिवाइस के बारे में अलर्ट किया था। पूरी तरह से तलाशी लेने के लिए बम डिस्पोजल और स्निफर डॉग स्क्वॉड को तैनात किया गया है। वहीं, स्टूडेंट्स, स्टाफ और फैकल्टी को एहतियात के तौर पर बाहर निकाला गया और सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस दोनों कॉलेजों में गहनता से जांच कर रहे हैं। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि धमकी किसने दी है?

एटीएस और स्पेशल सेल की बड़ी कार्रवाई, मुंबई-दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई और दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की तैयारी कर रहे दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार कर एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया गया है। खबर है कि महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। एक आरोपी को मुंबई के कुर्ला इलाके से, जबकि दूसरे को कल्याण-कसारा मार्ग पर खडवली से पकड़ा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस को आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ी कुछ संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद यह जानकारी महाराष्ट्र एटीएस के साथ साझा की गई। दोनों एजेंसियों ने मिलकर ऑपरेशन चलाया और समय रहते बड़ी साजिश को विफल कर दिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और कई अहम दस्तावेज बरामद किए गए हैं। शुरुआती जांच में उनके कुछ आतंकवादी संपर्क होने की आशंका जताई जा रही है। गिरफ्तारी के बाद आगे की पूछताछ के लिए दोनों को दिल्ली ले जाया गया है। जांच एजेंसियां अब इन आरोपियों के नेटवर्क को खंगाल रही हैं और उनके संपर्क में रहने वाले अन्य युवकों पर भी नजर रखी जा रही है। जरूरत पड़ने पर आगे भी कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल इस मामले में जांच जारी है और एटीएस की ओर से आधिकारिक बयान अभी सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से मुंबई और आसपास के इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। पिछले महीने भी पाकिस्तान से जुड़े एक संदिग्ध के मामले में महाराष्ट्र एटीएस ने मुंबई के गोवंडी और कुर्ला इलाकों में छापेमारी की थी। उस दौरान चार लोगों को हिरासत में लिया गया था। जांच एजेंसियों को शक है कि ये लोग प्रतिबंधित आतंकी संगठनों और पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के संपर्क में थे और किसी बड़े हमले की योजना बना रहे थे। अब हालिया गिरफ्तारी और पिछले ऑपरेशनों के बीच कड़ी जोड़कर पूरे आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश करने की कोशिश की जा रही है।

खड़गे के 'अनपढ़' बयान पर गुजरात में सियासी घमासान, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का तीखा पलटवार

अहमदाबाद (ईएमएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के एक विवादास्पद 'अभण' बयान के बाद गुजरात की राजनीति गरमा गई है। इस बयान को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक लंबी पोस्ट लिखते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी द्वारा गुजरात के लोगों के संदर्भ में दिए गए बयान अत्यंत आपत्तिजनक और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। इस प्रकार की टिप्पणी न केवल 6 करोड़ गुजरातवासियों का अपमान है, बल्कि महात्मा गांधी और सरदार पटेल की पावन धरती की गरिमा को भी ठेस पहुंचाती है। गुजरात ने हमेशा राष्ट्र निर्माण, विकास और एकता में अग्रणी भूमिका निभाई है और आगे भी करता रहेगा। ऐसे बयान कांग्रेस की संकीर्ण सोच को दर्शाते हैं। यह टिप्पणी स्पष्ट करती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की विकास की राजनीति और उसे मिल रहे व्यापक जनसमर्थन से कांग्रेस कितना असहज और असुरक्षित महसूस कर रही है। गुजरात की जागरूक जनता ऐसे बयानों का जवाब देना जानती है, और आने वाले समय में केरल की जनता भी कांग्रेस को नकारकर भाजपा की विकास की राजनीति का समर्थन करेगी, यह निश्चित है।

रिहाई के बाद पहली बार कारगिल पहुंचे वांगचुक

लेह,(ईएमएस)। सोनम वांगचुक ने कारगिल में कहा कि केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार मिलने चाहिए। वह अपनी रिहाई के बाद पहली बार रविवार को कारगिल पहुंचे थे। 14 मार्च को उन्हें जोधपुर जेल से रिहा किया गया था, जहां वे करीब 6 महीने बंद थे। वांगचुक ने लोगों का धन्यवाद किया और कहा कि सभी को मिलकर काम करना चाहिए और आपसी मतभेद छोड़कर एक बेहतर भविष्य के लिए साथ आना चाहिए।

ईरान जंग का असर, एअर इंडिया ने इजराइल के लिए उड़ाने 31 मई तक कीं रद्द

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एयर इंडिया ने नई दिल्ली-तेल अवीव रूट पर 31 मई तक उड़ानें रद्द कर दी हैं। तेल अवीव के लिए ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस पहले ही अपनी उड़ानें बंद कर चुकी हैं। फिलहाल एल अल, इस्राएर, अर्किया और एयर हाइफा ही सीमित सेवाएं चला रही हैं। फ्लाइट सस्पेंड होने से 40 हजार से ज्यादा भारतीय पर असर पड़ा हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत आने के लिए उन्हें जॉर्डन या मिस्र के रास्ते जाना पड़ रहा है। तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास ने 24 घंटे की हेल्पलाइन शुरू की है। रजिस्ट्रेशन अभियान भी चला रहा है। राजदूत जेपी सिंह ने भारतीय कामगारों और छात्रों से वर्चुअल बातचीत कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। नई दिल्ली-तेल अवीव के बीच सीधी उड़ान सेवा 1 जनवरी से शुरू हुई थी, जिसमें सप्ताह में चार फ्लाइट बोइंग 787 ड्रीमलाइनर से संचालित की जा रही थीं।

हाईकोर्ट ने दे दी शादीशुदा युवती को पार्टनर के साथ रहने की इजाजत

युवती ने कोर्ट को बताया था उसके पति और उसकी उम्र में है 21 साल का अंतर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच ने 19 साल की युवती को उसके 40 वर्षीय पति के बजाय उसके पार्टनर के साथ रहने का अधिकार दे दिया। इस कानूनी लड़ाई की शुरुआत युवती के पति द्वारा दायर एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका से हुई थी। पति का आरोप था कि उसकी पत्नी को अनुज कुमार नामक व्यक्ति ने अवैध रूप से बंधक बना रखा है। पुलिस ने महिला का पता लगाया और उसे वन-स्टॉप सेंटर में रखने के बाद कोर्ट में पेश किया।

यह मामला पति द्वारा दायर एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका से शुरू हुआ था, जिसमें उसने आरोप लगाया था कि उसकी पत्नी को अनुज कुमार ग़ैर-क़ानूनी तरीक़े से अपने साथ रखे हुए है। पुलिस ने युवती का पता लगाया और उसे कोर्ट में पेश करने से पहले एक वन-स्टॉप सेंटर में रखा, लेकिन जब जजों ने उससे पूछा कि वह क्या चाहती है, तो उसके जवाब में युवती ने अपनी शादी के बारे में बात की, उम्र में 21 साल का फ़र्क के बारे में बताया युवती ने कहा कि वह 19 साल की थी, उसका पति 40 साल का और एक ऐसे रिश्ते के बारे में बताया जिसमें कभी तालमेल नहीं बन पाया। उसने कहा कि शादी ठीक से नहीं चल रही थी और उसने अपने साथ दुर्व्यवहार होने का आरोप भी लगाया। युवती अपने पार्टनर अनुज के साथ रहना चाहती थी। कोर्ट ने काउंसलिंग का आदेश दिया, ताकि उसे अपने फैसले पर दोबारा सोचने का एक मौका मिल सके, लेकिन इससे कुछ भी नहीं बदला।

काउंसलिंग सेशन के बाद भी, युवती अपने फैसले पर अड़ी रही। उसके बगल में खड़ा उसका पार्टनर अनुज कुमार ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि वह युवती का पूरा ख़्याल रखेगा और उसकी सुरक्षा करेगा। जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस पुष्पेंद्र यादव की डिवीजन बेंच ने फैसला सुनाया कि सबसे ज़्यादा अहमियत युवती की अपनी आवाज की ही है। एक बार जब यह साफ हो गया कि युवती पर किसी भी तरह का कोई गैर-कानूनी दबाव या रोक-टोक नहीं है, तो पति की याचिका का कोई आधार ही नहीं बचा। कोर्ट ने महिला को उसके पार्टनर अनुज के साथ जाने की इजाज़त दे दी और इस बात को फिर से दोहराया कि एक बालिग व्यक्ति को यह फैसला करने का पूरा अधिकार है कि वह कहां और किसके साथ रहना चाहता है। मामले को बंद करने से पहले, कोर्ट ने महिला की सुरक्षा के लिए एक और कदम उठाया।

अगले छह महीनों तक, कुछ तय अधिकारी जिन्हें शौर्य दीदी कहा जाएगा महिला के संपर्क में रहेंगे, और उसकी सुरक्षा और भलाई का पूरा ध्यान रखेंगे। जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद युवती को वन-स्टॉप सेंटर से रिहा कर दिया जाएगा। यह मामला भले ही एक कानूनी विवाद के तौर पर शुरू हुआ हो, लेकिन इसका अंत व्यक्तिगत आजादी पर एक मज़बूत संदेश के रूप में हुआ। युवती की बात को सही ठहराते हुए, कोर्ट ने लकीर खींच दी है। जब किसी वयस्क के जीवन की बात आती है, तो अंतिम फैसला उसी व्यक्ति का होता है।

मजदूर के पास चूल्हे जलाने तक के पैसे नहीं, नतीजा- शहर छोड़ो, गांव भागो

एलपीजी संकट को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर कसा तंज

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ईरान युद्ध के बाद एलपीजी की कमी को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कहा था कि गैस संकट को भी कोविड की तरह हैंडल करेंगे और किया भी ठीक वैसा ही। राहुल गांधी ने कहा कि जिस तरह के कोविड के दौरान नीति शून्य थी और घोषणाएं बड़ी-बड़ी की गई थीं, वैसे ही हालात आज भी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर राहुल गांधी ने कहा कि मोदीजी ने कहा था एलपीजी गैस संकट को कोविड की तरह हैंडल करेंगे और सच में वही किया। बिल्कुल कोविड के जैसे ही नीति शून्य, घोषणा बड़ी, और बोझ गरीबों पर। 500-800 की दिहाड़ी कमाने वाले प्रवासी मज़दूरों के लिए रसोई गैस पहुंच से बाहर हो गई। रात को घर लौटते मज़दूर के पास चूल्हे जलाने तक के पैसे नहीं। नतीजा- शहर छोड़ो, गांव भागो।

राहुल गांधी ने कहा कि जो मजदूर टेक्सटाइल मिलों और फैक्ट्रियों की रीढ़ हैं। आज वही टूट रहे हैं। टेक्स्टाइल सेक्टर पहले से आईसीयू में है। विनिर्माण क्षेत्र दम तोड़ रहा है और यह संकट आया कहां से? कूटनीति की मेज पर हुई उस चूक से जिसे सरकार आज तक स्वीकार नहीं करती है। जब अहंकार नीति बन जाए अर्थव्यवस्था चरमराती है, मज़दूर पलायन करते हैं, उद्योग बर्बाद होते हैं और देश दशकों पीछे धकेल दिया जाता है। सवाल एक ही है हर संकट में सबसे पहले गरीब क्यों मरता है? चुप मत रहो। यह सिर्फ गरीब का नहीं, हम सबका सवाल है। राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते की पृष्ठभूमि में सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार की ओर इस बात को लेकर अंधेरे में रखा गया कि भारत का डेटा कैसे सुरक्षित रहेगा। राहुल ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, भारत का डेटा भारत के लोगों का है। एआई आधारित अर्थव्यवस्था में एआई का निर्माण करना, कंपनियों का विकास करना और नौकरियां पैदा करना हमारी सबसे बड़ी ताकतों में से एक हो सकता है। उनका कहना है, इसलिए मैंने सरकार से अमेरिका के साथ हालिया व्यापार समझौते के बारे में कुछ अहम सवाल पूछे थे।

राहुल गांधी ने कहा मैंने सवाल किया था कि अमेरिका के साथ व्यापार बाधाओं को कम करने का हमारे डेटा के लिए क्या मतलब है? क्या हमारा स्वास्थ्य डेटा, वित्तीय डेटा और सरकारी डेटाबेस भारत में रहेगा? क्या भारत को अब भी विदेशी कंपनियों को यहां डेटा संग्रहीत करने और उसका उपयोग अपनी एआई बनाने के लिए करने की आवश्यकता हो सकती है?

उन्होंने कहा कि सरकार देश को यह बताने से इनकार करती है कि वह किस मुद्दे पर बातचीत कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि हमें वैश्विक तकनीकी दौड़ में अग्रणी होना चाहिए, लेकिन इसके बजाय हमें इस बात से अंधेरे में रखा गया कि भारत का डेटा कैसे सुरक्षित रहेगा। उनका कहना है, लोग हमारे डेटा के संबंध में पारदर्शिता और जवाबदेही के हकदार हैं। हम बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए अपने डेटा का स्वामित्व रखने और उसका उपयोग करने के हकदार हैं।

पद्मश्री डॉ. सुरेश आडवाणी युवाओं को प्रोटीन सप्लीमेंट्स और खराब जीवनशैली से कर रहे आगाह

पोलियो के बावजूद 1 लाख से ज्यादा कैंसर मरीजों का किया इलाज

व्हीलचेयर पर रहकर भी चिकित्सा क्षेत्र में बने मिसाल

रायपुर,(ईएमएस)। पद्मश्री से सम्मानित वरिष्ठ ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ सुरेश आडवाणी ने अपने जीवन और अनुभवों से एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। पोलियो से प्रभावित होने के बावजूद उन्होंने न केवल डॉक्टर बनने का सपना पूरा किया, बल्कि 50 वर्षों के करियर में व्हीलचेयर पर रहते हुए 1 लाख से अधिक कैंसर मरीजों का इलाज भी किया। डॉ. आडवाणी भारत में बोन मैरो ट्रांसप्लांट करने वाले पहले ऑन्कोलॉजिस्ट माने जाते हैं। रायपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य, जीवनशैली और आधुनिक चिकित्सा से जुड़े कई अहम मुद्दों पर अपनी राय साझा की।

इस अवसर पर डॉ आडवाणी ने युवाओं के बीच बढ़ते प्रोटीन पाउडर और सप्लीमेंट्स के चलन पर चिंता जताई। उनका कहना है कि इन उत्पादों के दुष्प्रभावों पर अभी पर्याप्त शोध उपलब्ध नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ के तौर पर वे इन्हें स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक मानते हैं। डॉ. आडवाणी ने यह भी बताया कि कई गंभीर बीमारियों की जड़ बचपन की आदतों और असंतुलित जीवनशैली में छिपी होती है। वसायुक्त भोजन, शारीरिक गतिविधि की कमी और गलत दिनचर्या आगे चलकर मोटापा, कैंसर और हृदय रोगों का खतरा बढ़ा देती है। महिलाओं के स्वास्थ्य पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कैंसर के पैटर्न अलग-अलग हैं। ग्रामीण इलाकों में कम उम्र में शादी और अधिक प्रसव के कारण सर्वाइकल कैंसर के मामले ज्यादा होते हैं, जबकि शहरों में देर से शादी और कम बच्चों के कारण ब्रेस्ट कैंसर का खतरा अधिक देखा जाता है। उन्होंने संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि शादी और परिवार नियोजन का सही समय भी स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है। आधुनिक तकनीक पर बोलते हुए डॉ. आडवाणी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को डॉक्टरों के लिए "दूसरे दिमाग" के समान बताया। उनके अनुसार, एआई मेडिकल डेटा का सटीक विश्लेषण कर सकता है और उपचार प्रक्रिया को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है।

यूपी के करीब 6000 मजदूर इजराइल में हैं सुरक्षित, सरकार कर रही लगातार निगरानी

किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की नहीं जताई इच्छा

लखनऊ,(ईएमएस)। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तेज होती जंग और ताबड़तोड़ मिसाइल हमलों के बीच इजराइल में काम कर रहे यूपी के करीब 6000 मजदूरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही थी। कई लोग सवाल कर रहे थे कि क्या ये मजदूर सुरक्षित हैं और क्या उन्हें भारत वापस लाया जाएगा? इन सवालों का जवाब देते हुए यूपी सरकार ने कहा कि सभी मजदूर पूरी तरह सुरक्षित हैं और सरकार लगातार उनकी निगरानी कर रही है।

यूपी सरकार के प्रमुख सचिव डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर वे नियमित रूप से भारतीय दूतावास के अधिकारियों के संपर्क में हैं। दूतावास के जरिए यूपी के सभी मजदूरों की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने साफ किया कि तनावपूर्ण हालात के बावजूद अभी तक किसी भी मजदूर की ओर से भारत लौटने की कोई मांग नहीं की गई है। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि ईरानी हमलों के बावजूद इजराइल में कार्यरत यूपी के 6000 से ज्यादा मजदूर सुरक्षित हैं।

उन्होंने कहा कि हम भारतीय दूतावास के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए हैं। दूतावास के अधिकारियों के जरिए हम हर श्रमिक की लोकेशन और सुरक्षा स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। यूपी सरकार ने साफ किया कि जरूरत पड़ने पर श्रमिकों की सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था पहले से तैयार है। हालांकि, फिलहाल किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की इच्छा नहीं जताई है। प्रमुख सचिव ने बताया कि सीएम योगी ने इस मामले में सख्त निर्देश दिए हैं कि विदेश में काम कर रहे यूपी के किसी भी मजदूर की सुरक्षा से कोई समझौता न किया जाए। इसके तहत श्रम विभाग लगातार दूतावास के साथ समन्वय कर रहा है।

इस जंग की शुरुआत से ही ईरान तेल अवीव समेत इजराइल के बड़े शहरों पर मिसाइलें बरसा रहा है। ऐसे में विदेश में रह रहे भारतीयों, खासकर इजराइल में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गई थी। यूपी भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण यहां से सबसे ज्यादा लोग इजराइल में निर्माण, कृषि और अन्य क्षेत्रों में काम करते हैं। योगी सरकार ने तनाव शुरू होते ही तुरंत सक्रिय भूमिका निभाई।

अफगानिस्तान में बारिश, बाढ़ और भूकंप ने मचाई तबाही, भारत ने भेजी मानवीय सहायता

भारत-अफगान संबंधों में 'दिल से दिल का कनेक्शन' लंबे समय से मजबूत रहा है

नई दिल्ली, (ईएमएस)। अफगानिस्तान में हाल ही में भारी बारिश, बाढ़ और भूकंप ने वहां सैकड़ों लोगों की जान ले ली और हजारों घर तबाह हो गए। ठीक इसी समय जब पाकिस्तान अफगानिस्तान में हवाई हमले कर रहा है और तनाव चरम पर है, भारत ने अफगान लोगों के लिए मानवीय सहायता भेजी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल के मुताबिक अफगान लोगों को इस कठिन समय में भारत पूर्ण समर्थन दे रहा है। उन्होंने कहा कि बाढ़ और भूकंप से अफगान लोगों को हो रही कठिनाई के इस समय में भारत मानवीय सहायता और आपदा राहत सामग्री पहुंचा रहा है। इसमें किचन सेट्स, हाइजीन किट्स, प्लास्टिक शीट्स, टारपॉलिन, स्लीपिंग बैग्स और अन्य जरूरी सामान शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान में मार्च के अंत और अप्रैल की शुरुआत में भारी बारिश और बाढ़ ने पूर्वी, मध्य और दक्षिणी प्रांतों को बुरी तरह प्रभावित किया। बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 77 लोग मारे गए और 137 से ज्यादा घायल हुए। सैकड़ों घर पूरी तरह नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हुए। इसके अलावा 4 अप्रैल को उत्तरी अफगानिस्तान के बदख्शां प्रांत में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। इन आपदाओं ने पहले से ही अस्थिर और भुखमरी से जूझ रहे अफगानिस्तान को और मुश्किल में डाल दिया है। इसी बीच अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। इस संघर्ष ने क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति को और जटिल बना दिया है। इन परिस्थितियों में भारत की पहल को खास माना जा रहा है। भारत ने सिर्फ बाढ़-भूकंप पीड़ितों के लिए ही नहीं, बल्कि मार्च में पाकिस्तानी हमलों के बाद घायलों के इलाज के लिए भी 2.5 टन इमरजेंसी मेडिकल सहायता भेजी थी। रंधीर जायसवाल ने साफ कहा कि भारत अफगान लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करता है और इस चुनौतीपूर्ण समय में मानवीय सहायता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत-अफगानिस्तान संबंधों में 'दिल से दिल का कनेक्शन' लंबे समय से मजबूत रहा है।

तालिबान शासन के बावजूद भारत ने कभी मानवीय आधार पर मदद बंद नहीं की। भारत ने सड़कें, बांध, संसद भवन जैसी परियोजनाओं के अलावा आपदा राहत में अग्रणी भूमिका निभाई है।

जनगणना अधिकारी जिला स्तर पर बुनियादी ढांचे के आंकड़े हैंडबुक में करेंगे रिकॉर्ड

पहला चरण पूरा होने के दो महीने बाद हैंडबुक के लिए जमीनी स्तर पर शुरु होगा काम

नई दिल्ली,(ईएमएस)। जनगणना का पहला चरण खत्म होने के दो महीने बाद स्थानीय निकायों के सरकारी अधिकारी 784 जिलों में नागरिक सुविधाओं के बारे में आंकड़े इकट्ठा करेंगे, ताकि देश की जिला जनगणना हैंडबुक (डीसीएचबी) तैयार की जा सके। इस हैंडबुक में गांव और शहर के स्तर पर नागरिक बुनियादी ढांचे का पूरा रिकॉर्ड होगा। भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में कहा है कि वे जनगणना-2027 का पहला चरण पूरा होने के दो महीने बाद इस हैंडबुक के लिए जमीनी स्तर पर काम शुरू करें और इसे 30 दिनों में पूरा कर लें। इस हैंडबुक में स्कूल, अस्पताल, जलनिकासी व्यवस्था, बिजली कनेक्शन, सड़कें, बैंक और दर्जनों अन्य सुविधाओं का रिकार्ड होगा। इसमें न केवल यह बताया जाता है कि कोई सुविधा मौजूद है या नहीं, बल्कि यह भी बताया जाता है कि अगर वह मौजूद न हो तो निवासियों को उसके

लिए कितनी दूर जाना पड़ेगा। आजादी के बाद 1951 में हुई पहली जनगणना के बाद से लगातार प्रकाशित हो रही इस हैंडबुक को तैयार करने के तरीके में अब एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। पहली बार आंकड़े मोबाइल एप के जरिये इकट्ठा किया जाएंगे। 9 क्षेत्रों के आंकड़े किए जाएंगे। यह हैंडबुक देश के सभी 784 जिलों के लिए अलग-अलग तैयार की जाती है, जिससे यह हर गांव और शहर के नागरिक बुनियादी ढांचे का पूरा रिकॉर्ड होता है। ग्राम निर्देशिका में नौ क्षेत्रों के आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे। इनमें शैक्षिक एवं चिकित्सा सुविधाएं, जल एवं स्वच्छता, परिवहन एवं संचार, बैंकिंग और ऋण, बिजली आपूर्ति, भूमि उपयोग एवं सिंचाई, मुख्य कृषि उत्पाद, विनिर्मित वस्तुएं और हस्तशिल्प शामिल हैं।

प्रत्येक सुविधा के लिए क्षेत्रीय कर्मचारियों को यह दर्ज करना होगा कि क्या वह उपलब्ध है और वहां कितनी सरकारी व निजी सुविधाएं मौजूद हैं। अगर कोई सुविधा नहीं है, तो सबसे नजदीकी सुविधा की दूरी कितनी है। इसे पांच किलोमीटर से कम, 5-10 किलोमीटर के बीच या 10 किलोमीटर से ज्यादा के रूप में दर्ज किया जाएगा। नगर निर्देशिका में झुग्गी-झोपड़ी स्तर के बुनियादी ढांचे, सामाजिक एवं मनोरंजक सुविधाएं और 1911 से जनसंख्या वृद्धि के इतिहास पर अतिरिक्त अनुभाग शामिल हैं। इस निर्देशिका में अग्निशमन केंद्र, पक्की सड़कें और शौचालय जैसी नागरिक व अन्य सुविधाएं भी संकलित की जाती हैं।

संपादकीय

डोनाल्ड ट्रंप ने खोया मानसिक संतुलन गाली गलौज पर उतरे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उसके बाद से ही उनकी कथनी और करनी को लेकर सारी दुनिया में उनकी एक नई छवि बनी है। पिछले 1 साल में उन्हें एक अहंकारी नेता के रूप में देखा जा रहा था। पिछले एक साल में जिस तरह से उन्होंने टैरिफ को लेकर आतंक मचाया था। उस समय उनकी पहचान एक गैंगस्टर के रूप में बनी थी। अमेरिकी मुद्रा डॉलर में वैश्विक व्यापार सारी दुनिया में होता है। उसके बल पर वह जो दादागिरी कर रहे थे, उसी समय से उनका विरोध होना शुरू हो गया था। उन्होंने वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करते हुए अपने मनमाने नियम और कानूनों के बल पर वसूली करने की जो प्रक्रिया शुरू की थी, उसी समय एक गैंगस्टर की तरह उनकी पहचान बनी। जिस तरह से उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का अपहरण कर अमेरिका लाया। वेनेजुएला की सत्ता में अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका ने खुलेआम कब्जा किया। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया। उसके बाद उनकी हिम्मत बढ़ी, उन्होंने ईरान मे अयातुल्लाह खामेनेई की सत्ता के खिलाफ ईरान की जनता को भड़काया, वहां पर आंदोलन कराए, खामेनेई को सत्ता से हटाने की कोशिश ट्रम्प ने की। जब यह प्रयास सफल नहीं हो पाया, उसके बाद अमेरिका और इजरायल ने बातचीत में उलझा कर ईरान के ऊपर हमला कर दिया। ईरान की सत्ता के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित दर्जनो नेताओं और रक्षा अधिकारियों की हत्या कर दी गई। ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू ने सोचा था, जनता विद्रोह करेगी और वह ईरान के पूर्व राज परिवार के निष्कासित सदस्य को ईरान की सत्ता सौंप देंगे। ट्रंप का यह प्रयास सफल नहीं हुआ। ईरान ने अमेरिका की इस कार्यवाही का भरपूर जवाब दिया। पिछले 35 दिनों में ईरान ने बता दिया है, वह युद्ध का मुकाबला और अपनी रक्षा करने में सक्षम है। पिछले 35 दिनों में जिस तरह से ईरान ने अमेरिका और इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए, जिस तरह का नुकसान पहुंचाया है, उसकी कल्पना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नहीं की थी। इतनी करारी चुनौती अमेरिका को ढाई सौ साल के इतिहास में कभी नहीं मिली, जो ईरान से मिल रही है। ईरान ने एक ही झटके में पिछले 47 सालों से अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाकर जो दादागिरी की जा रही थी। ईरान ने एक ही बार में जवाब देकर अमेरिका के अहंकार को तोड़ते हुए, जिस तरह से भयमुक्त लड़ाई लड़ी जा रही है। उससे लगता है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है, वह क्या करें। इस युद्ध में रोजाना अमेरिका को आरबों रूपयों की राशि खर्च करनी पड़ रही है। अमेरिका की संसद उनसे पूछ रही है, यह युद्ध हम ईरान से क्यों लड़ रहे हैं। युद्ध लड़ने के लिए ट्रम्प बहुत बड़ी राशि संसद से मांग रहे हैं।

ट्रम्प ने युद्ध करने के पहले संसद को विश्वास में नहीं लिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध बढ़ता ही जा रहा है। खाड़ी देशों की सुरक्षा अमेरिका नहीं कर पा रहा है। अमेरिका की सारे सैन्य अड्डे ईरान द्वारा बर्बाद कर दिए गए। इसी तरह से इजरायल पर ईरान के हमलों से भारी नुकसान हुआ है। इजरायल में, नेतान्याहू के खिलाफ जनता का विरोध देखने को मिल रहा है। ऐसी हालत में ट्रंप का यह कहना, ईरान बास्टर्ड है। ईरान को नर्क बना देंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने जो पोस्ट की है, उसके शब्द इतने खराब हैं। उसको सह पाना आम आदमी के लिए संभव नहीं है। ट्रम्प ने ईरान के बारे में जिस तरह से पोस्ट में शब्दों का चयन किया है, इसकी दुनिया के देशों में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। यह कहा जाने लगा है कि ट्रम्प अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण जो रही-सही साख अमेरिका की है, वह कितने दिनों तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है। दुनिया के अधिकांश देश मानने लगे हैं, ट्रंप की सनक और अहंकार के कारण सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। खाद का संकट खड़ा हो रहा है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी की स्थिति देखने को मिलने लगी है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह की हरकत कर रहे हैं, उससे डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका की साख को भी भारी नुकसान होता हुआ दिख रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की यही नीति कुछ और दिन चलेगी, तो अमेरिका अपना वर्चस्व सारी दुनिया में खो देगा। ऐसा लगने लगा है जो हाल सोवियत रूस का पूर्व राष्ट्रपति गोर्बाच्योव के समय हुआ था। अब वही स्थिति अमेरिका की होती हुई दिख रही है। अमेरिका के राज्यों और आमजनता में जो नाराजगी देखने को मिल रही है। उससे लगता है ट्रम्प ज्यादा दिन तक राष्ट्रपति के पद पर नहीं रह पायेंगे।

अशोक खरात जैसे ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब लगेगी ?

सौरभ वार्ष्णेय

आखिरकार समाज में आस्था के नाम पर पनप रहे ऐसे अनगिनत ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब और कैसे लगेगी यह गहरा प्रश्नचिन्ह गहरा रहा है। ऐसे में समाज में जागरूकता, कानून का सख्त पालन और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ नहीं चलेंगे, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे। हाल के समय में अशोक खरात (कैप्टन बाबा) को लेकर जो आरोप और विवाद सामने आए हैं, उन्होंने समाज में गहरी चिंता पैदा की है। खुद को धार्मिक या सामाजिक नेता बताने वाले ऐसे व्यक्तियों का आचरण जब नैतिकता और कानून के दायरे से बाहर जाता है, तो वह न केवल अपने अनुयायियों का भरोसा तोड़ता है बल्कि पूरे समाज को बदनाम करता है।
कहा जाता है कि बाबा के नाम पर लोगों की आस्था का फायदा उठाकर कई तरह की अनियमितताएँ और शोषण किए जाते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल व्यक्तिगत अपराध है बल्कि समाज की संवेदनाओं के साथ धोखा भी है। आस्था का स्थान हमेशा पवित्र माना गया है, और जब उसी का दुरुपयोग होता है, तो उसका असर व्यापक होता है।ऐसे मामलों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून और प्रशासन की होती है कि वे निष्पक्ष जांच करें और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही समाज को भी जागरूक रहने की जरूरत है, ताकि अंधभक्ति और बिना जांच-पड़ताल के किसी के पीछे चलने से बचा जा सके। यदि कोई व्यक्ति समाज सेवा या धर्म के नाम पर गलत कार्य करता है, तो वह सच में समाज के नाम पर कलंक ही कहलाएगा। ऐसे मामलों में सख्ती, पारदर्शिता और जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है। समाज में जब भी कोई स्वयंभू संत, बाबा या चमत्कारी व्यक्ति तेजी से प्रसिद्धि पाता है, तो उसके पीछे केवल आम लोगों की आस्था ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और रसूखदार लोगों का समर्थन भी बड़ा कारण होता है। अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबाÓ के मामले में भी यही सवाल उठता है कि आखिर वीवीआईपी लोग उनके पास क्यों जाते थे? सबसे पहले, आस्था और अंधविश्वास का मिश्रण इस प्रवृत्ति की जड़ में है। सत्ता और पैसे के शिखर पर बैठे लोग भी जीवन की अनिश्चितताओं—राजनीतिक भविष्य, स्वास्थ्य, परिवार या सत्ता की स्थिरता—को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। ऐसे में वे चमत्कार या आशीर्वाद की तलाश में इन बाबाओं की शरण लेते हैं। दूसरा कारण है प्रभाव और नेटवर्किंग।
कई बार ऐसे बाबा केवल धार्मिक व्यक्तित्व नहीं होते, बल्कि वे एक पावर हब बन जाते हैं, जहां नेता, अधिकारी और व्यवसायी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इस तरह उनके दरबार एक अनौपचारिक नेटवर्किंग मंच में बदल जाते हैं, जहां संपर्क बनाना आसान होता है।तीसरा पहलू है छवि निर्माण किसी लोकप्रिय बाबा के साथ दिखना कुछ नेताओं के लिए जनता के बीच धार्मिक और संस्कारी छवि बनाने का माध्यम बन जाता है। इससे वे अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश करते हैं।चौथा और चिंताजनक कारण है व्यक्तिगत लाभ और संरक्षण की उम्मीद। कुछ लोग यह मानते हैं कि ऐसे बाबा उनके काम बनवा सकते हैं, समस्याएं सुलझा सकते हैं या उन्हें किसी तरह का आध्यात्मिक संरक्षण दे सकते हैं। यह मानसिकता लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक सोच के लिए खतरनाक है।
लेकिन इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर पहलू यह है कि जब वीवीआईपी स्तर के लोग ऐसे व्यक्तियों के पास जाते हैं, तो आम जनता में उनकी विश्वसनीयता स्वतः बढ़ जाती है। इससे अंधविश्वास को बढ़ावा मिलता है और समाज में तर्क और विवेक की जगह कमजोर पड़ती है।

स्वास्थ्य का बाजार और दम तोड़ती आम आदमी की उम्मीदें

दिलीप कुमार पाठक

(7 अप्रैल विश्व स्वास्थ्य दिवस)

हमारे बड़े-बुजुर्ग हमेशा से कहते आए हैं कि पहला सुख निरोगी काया, लेकिन आज की हकीकत को देखकर तो ऐसा लगता है कि अब निरोगी वही रह सकता है जिसकी जेब में मोटा पैसा हो। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी एक बड़ी आबादी छोटी-सी बीमारी के इलाज के खर्च से घबराती है, वहाँ विश्व स्वास्थ्य दिवस जैसे आयोजन महज औपचारिकता बनकर रह गए हैं। असलियत तो यह है कि आज के दौर में जान है तो जहान है वाली बात अब अस्पतालों के भारी-भरकम बिलों के बीच कहीं दम तोड़ती नजर आती है। क्या हम वास्तव में स्वस्थ हो रहे हैं या सिर्फ दवाइयों के ऐसे जाल में उलझते जा रहे हैं जिसका दूसरा सिरा कंगाली की ओर जाता है? आज चिकित्सा का पूरा क्षेत्र चकाचौंध भरे कारोबार में बदल चुका है। बड़े शहरों में फाइव स्टार होटलों जैसे दिखने वाले अस्पताल तो खड़े हो गए हैं, लेकिन वहां का दरवाजा खटखटाने से पहले एक आम आदमी दस बार अपनी खाली जेब टटोलता है। मध्यमवर्गीय परिवारों की बरसों की गाढ़ी कमाई एक गंभीर बीमारी के इलाज में चंद दिनों में हवा हो जाती है। हमारे यहाँ कहावत है गरीबी में आटा गीला, और आज के दौर में बीमारी वही काम कर रही है। सरकारी अस्पतालों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है, जहाँ लंबी कतारें और संसाधनों की कमी मजबूरन आदमी को निजी अस्पतालों की लूट की तरफ धकेल देती है। चिकित्सा की संवेदनशीलता किस कदर खत्म हो रही है, इसका कड़वा अनुभव मुझे हाल ही में एक सामान्य खांसी के दौरान हुआ। एक मामूली खांसी के इलाज के लिए मुझे महीने भर के भीतर तीन डॉक्टर बदलने पड़े, क्योंकि हर बार मर्ज कम होने के बजाय दवाओं का बोझ और जांचों की लंबी फेहरिस्त बढ़ती गई। विडंबना देखिए कि आज डॉक्टर का आश्वासन मरीज को ढांढस बंधाने के बजाय उसकी चिंता और बीमारियां बढ़ा देता है। डॉक्टर अब मरीज की नब्ज से ज्यादा उसकी आर्थिक हैसियत टटोलते नजर आते हैं। जब एक छोटी-सी खांसी के लिए इंसान को हफ़्तों भटकना पड़े और भारी-भरकम फीस चुकानी पड़े, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसी गंभीर बीमारी में एक आम आदमी की रूह कितनी कांपती होगी। आज डॉक्टर और मरीज के बीच का वह पवित्र भरोसा व्यावसायिकता की भेंट चढ़ चुका है। गाँवों की स्थिति और भी विकट है, जहाँ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अक्सर खुद ही बीमार नजर आते हैं। वहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण नीम-हकीमों का धंधा फल-फूल रहा है और बेचारा ग्रामीण मरीज शहर के चक्कर काटते-काटते अपनी जमीन-जायदाद तक से हाथ धो बैठता है। चिकित्सा व्यवस्था का ऐसा चरमराना केवल एक विभाग की विफलता नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह है। दवाइयों की पर्ची अब एक डरावने बिल की तरह लगती है जिसे देख मरीज का आधा खून सूख जाता है। सरकारी तंत्र की ढिलाई ने गली-मोहल्लों में ऐसे क्लीनिक खड़े कर दिए हैं जो इलाज के नाम पर सिर्फ वक्त और पैसा बर्बाद करते हैं। रसूखदारों के लिए तो यहाँ हर बिस्तर खाली है, लेकिन एक लाचार नागरिक के लिए सरकारी अस्पताल के स्ट्रेचर तक पहुंचना भी किसी जंग को जीतने जैसा है। क्या हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ साँसों की कीमत केवल नोटों के बंडल तय करेंगे? संवेदनहीनता का यह वायरस आज चिकित्सा जगत की सबसे बड़ी बीमारी बन चुका है, जिसका इलाज किसी अस्पताल के पास नहीं है। निजी अस्पतालों में कमीशन का खेल और दवाओं के नाम पर जो लूट चल रही है, वह किसी आम नागरिक के पल्ले नहीं पड़ती। अंधेर नगरी चौपट राजा वाली तर्ज पर दवाओं के दाम और इलाज का खर्च आज एक ऐसी कड़वी सच्चाई बन चुके हैं, जो किसी भी हंसते-खेलते परिवार को कर्ज के गहरे गड्ढे में धकेल सकते हैं। शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ आजकल मानसिक तनाव, शुगर और बीपी जैसी बीमारियाँ घर-घर की कहानी बन गई हैं। प्रदूषण और मिलावटी खान-पान हमारे शरीर में धीरे-धीरे जहर घोल रहे हैं और हम बीमार होने के बाद लाखों लुटाने को तो तैयार हैं, लेकिन स्वस्थ रहने के लिए अपनी आदतों में बदलाव करने को तैयार नहीं हैं। स्वास्थ्य सेवाओं का इस तरह अंधाधुंध निजीकरण होना हमारे लोकतंत्र एवं समाज के लिए एक बड़ी चुनौती है। स्वास्थ्य कोई बाजार में बिकने वाली लग्जरी चीज नहीं है जिसे केवल रईस लोग ही खरीद सकें, बल्कि यह हर नागरिक का संवैधानिक हक है। सरकार को स्वास्थ्य बजट में कंजूसी छोड़नी होगी और दवाओं के दाम पर कड़ा हंटर चलाना होगा। डॉक्टरों को भी उस शपथ की लाज रखनी होगी जो उन्होंने इस पेशे में कदम रखते समय ली थी। असली स्वस्थ भारत तभी बनेगा जब इलाज किसी के लिए कंगाली का कारण न बने।

“ हमारे साथ ही ऐसा क्यों हुआ ?”

यह प्रश्न मेरे मन में कभी नहीं आया, जब मेरे पिता फेफड़ों के चौथे चरण के कैंसर से जूझ रहे थे”

कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से जूझकर जीवित बचे लोगों की कहानियाँ तो अक्सर लिखी जाती हैं, परंतु उन लोगों पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है; जो दिन-रात रोगी की सेवा में लगे रहते हैं, जो इस बीमारी के साथ आने वाले आर्थिक, भावनात्मक और शारीरिक आघातों को चुपचाप सहते हैं। इस 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' के अवसर पर, हम एक ऐसे देखभालकर्ता की कहानी पर नज़र डालते हैं, जो अपने जैसे हज़ारों अन्य लोगों के लिए आशा की किरण बना हुआ है, वे लोग जो आध्यात्मिकता, श्वास-अभ्यास और ध्यान जैसे साधनों की मदद से, अत्यंत प्रेम और धैर्य के साथ, अपने परिवार के किसी सदस्य को किसी गंभीर बीमारी के उस भयानक दौर से गुज़रने में सहारा दे रहे हैं।

क्या सुदर्शन क्रिया जैसी तकनीकें देखभालकर्ताओं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सहारा दे सकती हैं, और उन्हें जीवन के सबसे कठिन दौर से पार पाने में सहायक हो सकती हैं? चटर्जी परिवार के लिए 24 फरवरी 2025 का दिन हजारीबाग में अन्य दिनों की भाँति ही था। चंचल चटर्जी सब्ज़ी मंडी के पास अपनी मोटरसाइकिल खड़ी करने जा रहे थे। उन्हें केवल इतना ही याद है कि उन्होंने गाड़ी खड़ी की, उसके बाद की कोई स्मृति नहीं।अचानक उनका संतुलन बिगड़ा और मोटरसाइकिल उनके बाएँ हाथ पर गिर पड़ी, जिससे उनका हाथ फ्रैक्चर हो गया। उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उन्हें दौरा पड़ा। सीमित संसाधनों के कारण डॉक्टर समुचित उपचार नहीं कर सके और उन्हें रांची के एक सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल तथा बाद में मुंबई भेज दिया गया। शीघ्र ही जो निदान सामने आया, उसने सबको स्तब्ध कर दिया, उन्हें चौथे चरण का फेफड़ों का कैंसर था, जो लसीका ग्रंथियों और मस्तिष्क सहित कई महत्वपूर्ण अंगों तक फैल चुका था। “किसी भी पुत्र के लिए यह स्वीकार करना सबसे कठिन होता है कि उसके पिता को स्टेज-4 कैंसर है। यह समाचार मुझे भीतर तक तोड़ गया,” उनके पुत्र सुभोदीप कहते हैं। परिवार ने यह निर्णय लिया कि तुरंत यह बात उन्हें न बताई जाए। “उनके सामने मुस्कुराता चेहरा बनाए रखना भी आसान नहीं था,” वह कहते हैं। फेफड़ों का कैंसर विश्वभर में सबसे घातक कैंसरों में से एक है, विशेषकर जब यह उन्नत अवस्था में हो, तब इसके मरीज़ के जीवित रहने की संभावना अत्यंत कम होती है। देखभालकर्ताओं के लिए यह संघर्ष कई स्तरों पर चलता है, उपचार के निर्णय लेना, आर्थिक व्यवस्था संभालना, और संभावित क्षति के भय के बीच भावनात्मक संतुलन बनाए रखना। “हमें पता था कि हर क्षण महत्वपूर्ण है,”

सुभोदीप कहते हैं। “मुंबई में वरिष्ठ ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. आडवाणी से परामर्श के बाद हमने एलोपैथी, आयुर्वेद और सुदर्शन क्रिया व ध्यान जैसे श्वसन अभ्यासों का संयुक्त मार्ग अपनाने का निर्णय लिया, जिनसे मेरे पिता पहले से परिचित थे।”
जैसे ही चंचल चटर्जी का उपचार आरंभ हुआ, परिवार एक कठिन दिनचर्या से गुजरने लगा, अस्पताल के लगातार चक्कर, चिकित्सकीय समन्वय और देखभाल की जिम्मेदारियाँ। मार्च के प्रारंभ में उनकी कीमोथेरेपी शुरू हुई। “अस्पताल से लौटने के बाद हम यह सुनिश्चित करते थे कि वे नियमित रूप से श्वसन अभ्यास, सुदर्शन क्रिया और ध्यान करें,” सुभोदीप स्मरण करते हैं। देखभालकर्ता अक्सर निरंतर दबाव में कार्य करते हैं, थकान, चिंता और यह अनकहा अपराधबोध कि वे और अधिक क्यों नहीं कर पा रहे। “अस्पताल के दिन विशेष रूप से कठिन होते थे। पिता आईसीयू में थे। हम सुबह 8 बजे पहुँच जाते, डॉक्टरों का इंतजार करते और जांचों के लिए उनके साथ रहते। उसी समय मैं दूरस्थ रूप से काम भी करता, अस्पताल के किसी शांत कोने से मीटिंग्स में भाग लेता,” वे बताते हैं। “अन्य परिवारों को अपने प्रियजनों को अंतिम विदाई देते देखना, या स्ट्रेचर पर शवों को जाते देखना, यह सब मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। यह मेरे लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण था।” ऐसे क्षण अनेक लोगों को निराशा में धकेल देते हैं, वे भाग्य को कोसने तक लग जाते हैं, परंतु सुभोदीप का दृष्टिकोण भिन्न था। “प्रारंभिक आघात के बाद हमने स्थिति को स्वीकार कर लिया। मेरे पिता को स्टेज-4 कैंसर है, अब अगला कदम क्या होना चाहिए?” इस कठिन समय में जो बात उन्हें स्थिर रख सकी, वह थी उनकी दैनिक साधना के प्रति प्रतिबद्धता। “हमने कभी सुदर्शन क्रिया और ध्यान नहीं छोड़ा। इसने हमारे मन को स्पष्ट और सकारात्मक बनाए रखा, चाहे दिन कितना भी कठिन क्यों न हो,” वह कहते हैं।
पिछले कई दशकों से, 'आर्ट ऑफ़ लिविंग' दुनिया भर के देखभालकर्ताओं को ऐसे संकटों का सामना करते हुए अपनी मानसिक मज़बूती बनाए रखने में सहायता प्रदान करता आ रहा है।शोध यह संकेत देते हैं कि सुदर्शन क्रिया का नियमित अभ्यास तनाव को कम करने और भावनात्मक संतुलन को सुदृढ़ करने में सहायक हो सकता है, जबकि ध्यान मन की स्पष्टता और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाता है।
“हम अधिक शांत रहकर सही समय पर सही निर्णय ले पाए,” सुभोदीप साझा करते हैं। वैश्विक मानवतावादी और 'आर्ट ऑफ़ लिविंग' के संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर बताते हैं, “तनाव तब होता है जब करने के लिए बहुत कुछ हो, समय बहुत कम हो, और ऊर्जा बिल्कुल न बची हो। ध्यान हमें कुशल, ऊर्जावान, तनाव-मुक्त और आनंदित बनाता है। सकारात्मक बने रहने के लिए, हमें तनाव से मुक्त होना होगा और अपनी आंतरिक शक्ति को खोजना होगा।” गंभीर बीमारी से प्रभावित घरों का वातावरण प्रायः भारी और बोझिल हो जाता है। किंतु चटर्जी परिवार में आध्यात्मिक साधना और सामुदायिक सहयोग के कारण विश्वास और आनंद का वातावरण बना रहा। आर्ट ऑफ़ लिविंग' के स्वयंसेवकों ने हर संभव सहायता की। तभी ऐसे समुदायों का महत्व समझ आता है,” सुभोदीप कहते हैं। उनके गुरु के कुछ स्नेहपूर्ण शब्दों ने भी बड़ा अंतर उत्पन्न किया। “उन्होंने केवल इतना कहा—विश्वास रखो कि सब ठीक होगा। उनके ये शब्द हमें अद्भुत आत्मविश्वास दे गए। हर कदम पर उनकी उपस्थिति का अनुभव हुआ, इसलिए मैं कभी अकेला नहीं महसूस किया।”
परिवार के स्नेह, निरंतर उपचार और आध्यात्मिक साधना के सहारे, चंचल चटर्जी ने उल्लेखनीय सुधार दिखाया। समय के साथ चिकित्सकों ने पुष्टि की कि “रोग का कोई सक्रिय प्रमाण नहीं है।” जैसा कि डॉ. आडवाणी ने कहा, “हमने बहुत कम समय में कम्प्लीट रिस्पांस प्राप्त किया है।” पीछे मुड़कर देखते हुए सुभोदीप कहते हैं, “जब मैंने पूरे हृदय से इस परिस्थिति को स्वीकार किया, तभी बदलाव शुरू हुआ। सुदर्शन क्रिया ने मुझे वर्तमान क्षण में स्थिर रहना सिखाया।”

(दो टूक) तेल की तलवार और कूटनीति की ढाल: पश्चिम एशिया संकट में भारत की अग्निपरीक्षा

योगेश कुमार गोयल

- युद्ध की आग में तपती भारतीय अर्थव्यवस्था

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है।

होर्मुज की घेराबंदी

विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है।

सामरिक पैट्रोलियम भंडार: क्या पर्याप्त है चंद दिनों की सुरक्षा?

ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

कूटनीतिक विवशता और स्वतंत्र विदेश नीति का संकट

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला 'रेमिटेंस' भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है।

अफवाहों का बाजार और सरकारी डैमेज कंट्रोल

युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैनिक पैदा किया है। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधीकृत स्रोत हैं और पैनिक की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे?

विकल्प नहीं, अनिवार्यता है वैकल्पिक ऊर्जा

वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ती आयात निर्भरता के इस दौर में वैकल्पिक ऊर्जा अब केवल एक विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुकी है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही सच्ची स्वतंत्रता का आधार है और भारत को इस दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे। प्रधानमंत्री की मुफ्त बिजली योजनाएं और रूफटॉप सोलर मिशन केवल नीतिगत पहल नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सशक्त आधारस्तंभ हैं। भारत में 33 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता हैं, जो बड़े पैमाने पर आयातित ईंधन पर निर्भर हैं। यदि रसोई को इंडक्शन कुकिंग और एथनॉल आधारित विकल्पों की ओर मोड़ा जाए तो न केवल खर्च कम होगा बल्कि ऊर्जा आयात का बोझ भी घटेगा। लगभग 8 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली पर खाना बनाना एलपीजी की तुलना में किफायती है, वहीं कृषि अवशेषों से बनने वाला एथनॉल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। इससे 'अन्नदाता' ही 'ऊर्जादाता' बन सकता है। परिवहन क्षेत्र में विद्युतीकरण भी उतना ही आवश्यक है। वर्तमान में तेल की सबसे अधिक खपत इसी क्षेत्र में होती है जबकि बिजली की हिस्सेदारी नगण्य है। यदि सार्वजनिक और वाणिज्यिक परिवहन को इलैक्ट्रिक किया जाए तो अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है। सौर ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे विकल्प भारत को स्थायी, स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा भविष्य की ओर ले जा सकते हैं। अब समय आ गया है कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक परिवर्तन करे।

बिजली खपत का बदलता स्वरूप

भारतीय अर्थव्यवस्था में बिजली का 42 प्रतिशत हिस्सा उद्योगों में और 17 प्रतिशत कृषि में उपयोग होता है। जैसे-जैसे शहरीकरण बढ़ रहा है, कार्यालयों और दुकानों (वाणिज्यिक क्षेत्र) में बिजली की मांग बढ़ेगी। हमें कोयला आधारित बिजली (जो अभी भी हमारी रीढ़ है) से हटकर परमाणु, सौर और पवन ऊर्जा की ओर तीव्र गति से मुड़ना होगा। सालाना 143 अरब डॉलर (2025 के आंकड़े) का तेल आयात एक ऐसा घाव है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। सूर्य और पवन के रूप में भारत के पास असीमित प्राकृतिक संसाधन हैं लेकिन उन्हें 'ऊर्जा' में बदलने की इच्छाशक्ति और निवेश की गति अभी भी मंथर है।

भविष्य का रोडमैप: ऊर्जा सुरक्षा ही राष्ट्रीय सुरक्षा

ईरान-इजरायल युद्ध ने भारत के लिए एक कठोर चेतावनी प्रस्तुत की है। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य बाधित होता है तो यह केवल क्षेत्रीय संकट नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए 'आर्थिक प्रलय' का कारण बन सकता है। उर्वरक, ईंधन, सेमीकंडक्टर, हर आपूर्ति श्रृंखला पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा। ऐसे में भारत को त्वरित, ठोस और दूरदर्शी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, रणनीतिक भंडार का सुदृढ़ीकरण अनिवार्य है। अगले 24 महीनों में कम से कम 90 दिनों का तेल और गैस रिजर्व तैयार करना राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि किसी भी वैश्विक व्यवधान के समय देश की ऊर्जा आवश्यकताएं प्रभावित न हों। दूसरा, ऊर्जा विविधीकरण पर आक्रामक रणनीति अपनानी होगी। रूस, मध्य एशिया और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते, पाइपलाइन परियोजनाएं और वैकल्पिक व्यापार मार्ग विकसित करना समय की मांग है। तीसरा, परमाणु ऊर्जा, सौर शक्ति और ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश को युद्ध स्तर पर बढ़ाना होगा। ये केवल स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत नहीं बल्कि स्थायी ऊर्जा सुरक्षा के स्तंभ हैं। अंततः, यह स्पष्ट है कि वैश्विक शांति हमारे नियंत्रण में नहीं परंतु अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना पूरी तरह हमारे हाथ में है। आत्मनिर्भरता अब केवल नारा नहीं बल्कि अस्तित्व की शर्त बन चुकी है। यदि हम आज निर्णायक कदम नहीं उठाते तो भविष्य का अंधकार हमारी ही निष्क्रियता का परिणाम होगा।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त पश्चिमे तिथि, पंचमी, मंगलवासरे, ज्येष्ठा नक्षत्रे, व्यय योगे, तैतिल करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, रवियोग, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चचंल, चतुर, जिद्दी, हठी, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी, भोगी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शासक, प्रशासक, उद्यमी, व्यापारी, तथा शांत प्रवृत्ति का होगा।

मेष राशि :- तनाव व उदर रोग, मित्र लाभ, राजभय होगा, विवेक से कार्य करें, ध्यान रखें।

वृष राशि :- मनोवृत्ति संवेदन शील रहेंगी, कार्य गति अनुकूल, चिन्ता कम अवश्य ही होगी।

मिथुन राशि :- किसी प्रयोजन से हानि, मनोवृत्ति संवेदन शील रहेगी, कार्य गति उत्तम होगी।

कर्क राशि :- कार्य व्यवस्था की चिन्ता बनी ही रहेंगी, प्रस्थान करने से लाभ होगा।

सिंह राशि :- भोग ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, कार्य गति उत्तम, सुख के साधन बनेंगे।

कन्या राशि :- आर्थिक योजना पूर्ण हो समय पर सोचे कार्य पूर्ण होंगे, रुके कार्य बन ही जायेंगे।

तुला राशि :- पारिवारिक बाधायें परेशान करेंगी, विरोधी तत्व कष्ट प्रद रखें।

वृश्चिक राशिः- मानसिक बेचैनी, उदविघ्नता से बचें तथा समय से लाभान्वित होंगे।

धनु राशि :- कुटुम्ब की समस्यायें कष्टप्रद हो, तथा वृथा भ्रमण से व्यय होगा।

मकर राशि :- योजनायें फलीभूत हों, सफलता के साधन अवश्य जुटायें, तथा कार्य बने, ध्यान दें।

कुंभ राशि :- स्वभाव में खिन्नता, मानसिक बेचैनी तथा मानसिक कष्ट से स्वास्थ्य शरीर पीड़ा होगी।

मीन राशि :- तनाव क्लेश व अशांति बनेंगी, परिश्रम विफल होंगे, कार्य गति मंद होगी।

कद्दू के बीज से विटामिन बी 12 की कमी होती है पूरी

डाइटिशियन के अनुसार, कद्दू के बीज इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में काफी असरदार हैं। खासतौर पर ये बीज विटामिन बी12 के प्राकृतिक स्रोत माने जाते हैं, जो आज के दौर में लोगों की डाइट से अक्सर गायब होता है। कद्दू के बीजों में जिंक, आयरन, प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन ए और विटामिन बी12 पाया जाता है।

विटामिन बी12 यानी कोबालामिन एक पानी में घुलनशील विटामिन है, जो शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं बनाने, डीएनए संश्लेषण और तंत्रिका तंत्र के सही कार्य में अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी से एनीमिया, नजर का कमजोर होना, पाचन संबंधी गड़बड़ी, अंगों में झुनझुनी और बोलने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में अगर आप सप्लीमेंट्स की जगह घरेलू और प्राकृतिक विकल्प की तलाश कर रहे हैं, तो कद्दू के बीज को अपनी डाइट में शामिल करना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। कद्दू के बीजों को आप कई तरीकों से अपने भोजन का हिस्सा बना सकते हैं। इन्हें हल्का भूनकर नाश्ते में लिया जा सकता है, जिससे स्वाद भी बेहतर हो जाता है और पोषण भी मिलता है। अगर आप सलाद पसंद करते हैं, तो उसमें थोड़े से कद्दू के बीज डालकर विटामिन बी12 की जरूरत पूरी कर सकते हैं। स्मूदी में मिलाकर इन्हें हेल्दी ड्रिंक के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

वहीं, दही या रायते में मिलाकर इनका सेवन न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है बल्कि सेहत को भी फायदा पहुंचाता है। कुल मिलाकर, कद्दू के बीज एक ऐसा सुपरफूड हैं, जिन्हें नियमित रूप से डाइट में शामिल करने से न केवल विटामिन बी 12 की कमी को दूर किया जा सकता है, बल्कि शरीर की संपूर्ण रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूती मिलती है। बता दें कि सेहतमंद जीवन के लिए लोग तरह-तरह के खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करते हैं। इन्हीं में से एक है कद्दू के बीज, जो अपने पोषक तत्वों के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

सेहतमंद बनाये रखता है चुकंदर

चुकंदर एक ऐसी ही सब्जी है जो शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ाने, ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने और ताजगी बनाए रखने में मदद करता है। यह उन चुनिंदा सब्जियों में शामिल है जिन्हें आयुर्वेद, विज्ञान और न्यूट्रिशनिस्ट सभी ने लाभकारी माना है। एक रिपोर्ट के अनुसार चुकंदर में बेटानिन, नाइट्रेट, पॉलीफेनोल्स, फाइबर, विटामिन सी और ई समेत कई खास तत्व मौजूद होते हैं। बेटानिन, जो इसे लाल रंग देता है, एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। यह शरीर में मौजूद हानिकारक फ्री रेडिकल्स को खत्म करने में मदद करता है। इससे कोशिकाओं की रक्षा होती है और बढ़ती उम्र, हृदय रोग, कैंसर और दूसरी पुरानी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

चुकंदर हाई ब्लड प्रेशर से परेशान लोगों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद नाइट्रेट्स शरीर में जाकर नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल जाते हैं, जिससे रक्त नलिकाएं फैलती हैं और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। यह शरीर में खून की मात्रा को बढ़ाने में मददगार है। इसके अलावा, यह ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाकर दिल की सेहत को बनाए रखता है और थकान दूर करने में मदद करता है। चुकंदर में मौजूद प्राकृतिक रसायन शरीर की सूजन को कम करते हैं, जिसे एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण कहते हैं। इससे गठिया, आर्थराइटिस जैसी बीमारियों में राहत मिलती है।

इसके अलावा, यह लिवर की सुरक्षा करता है और शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। चुकंदर में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को ठीक रखता है, कब्ज की समस्या दूर करता है और आंतों को स्वस्थ बनाए रखता है। इसके अलावा, यह वजन नियंत्रित रखने में भी मददगार होता है। आयुर्वेद के अनुसार, इसका जूस, सलाद या सूप के रूप में सेवन करने से अधिकतम लाभ मिलते हैं। चुकंदर न केवल शरीर को अंदर से स्वस्थ बनाता है, बल्कि त्वचा को भी चमकदार और जवान बनाए रखने में मदद करता है। इसका नियमित सेवन त्वचा की रंगत को निखारता है और कील-मुंहासों जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है।

लॉफिंग ज़ोन

रामू (श्यामू से)- यार मुसीबत आने पर लोग ऊपर वाले को ही कसूरवार क्यों ठहराते हैं।

श्यामू (रामू से)- क्योंकि पत्नी को कसूरवार ठहराने से मुसीबत और बढ़ जाएगी।

□ □ □

तुम्हारी सबसे बड़ी शक्ति क्या है?

जी मेरी पत्नी..

और सबसे बड़ी कमजोरी?

जी दूसरे की पत्नी..

□ □ □

पत्नी (पति से)- क्या तुम मुझसे प्यार करते हो?

पति (पत्नी से)- हां!

पत्नी- लेकिन तुम्हें तो मेरी कोई परवाह ही नहीं है!

पति- प्यार करने वाले किसी की परवाह नहीं करते!

□ □ □

पत्नी (पति से)- मैं तो मानती हूं कि शादी एक लॉटरी है?

पति (पत्नी से)- पर मैं यह नहीं मानता!

पत्नी- क्यों?

पति- क्योंकि लॉटरी में दोबारा किस्मत आजमाने का मौका मिलता है!

□ □ □

आज का इतिहास 7 अप्रैल

1789 सलीम तृतीय तुर्की की गद्दी पर बैठे.

1818 अंग्रेजों ने बिना मुकदमा चलाए लोगों को बंदी बनाने का कानून को लागू किया.

1920 विश्व प्रसिद्ध सितारवादक रवि शंकर का जन्म .

1929 इम्पीरियल एयरवेज ब्रिटेन की विमान सेवा भारत तक पहली बार शुरू हुई.

1941 ब्रिटिश फौजों ने लीबिया बेनगाजी बंदरगाह खाली किया.

1945 अमेरिकी विमान वाहक पोत के विमानों ने जापान के सबसे बड़े युद्धपोत यामातो को डुबो दिया.

1953 स्वीडन के दाग हैमरशोल्ड राष्ट्रसंघ के सदस्य चुने गए.

1988 ईरान और इराक ने एक-दूसरे की राजधानी पर बमबारी की, जिससे काफी लोग हताहत हुए.

1990 चीन ने दूरसंचार उपग्रह का प्रक्षेपण कर एक नए युग में प्रवेश किया.

1998 सोली सोराबजी नये एटार्नी जनरल बने.

2004 ओडिसी नृत्य के युगपुरुष गुरु केलुचरण महापात्र का निधन.

2005 श्रीनगर-मुजफ्फराबाद बस सेवा 'कारवां -ए- अमन' का उदघाटन.

मसूड़ों की बीमारी पेरियोडोंटाइटिस हो सकती है गंभीर

मसूड़ों की गंभीर बीमारी (पेरियोडोंटाइटिस) पुरानी सूजन के जरिए सेंट्रल नर्वस सिस्टम पर असर डाल सकता है। हालांकि, मल्टीपल स्क्लेरोसिस में इसकी भूमिका स्पष्ट नहीं है। यह दावा किया है वैज्ञानिकों ने। नई रिसर्च में पाया गया कि मुंह में पाए जाने वाले बैक्टीरिया फ्यूसोबैक्टीरियम न्यूक्लियेटम का बढ़ा स्तर मल्टीपल स्क्लेरोसिस पीड़ितों में विकलांगता को लगभग दस गुना बढ़ा सकता है। एमएस में लोगों को चलने-फिरने में दिक्कत आ सकती है और दृष्टिबाधिता की शिकायत भी हो सकती है। हिरोशिमा यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में एसोसिएट प्रोफेसर और लेक्चरर मासाहिरो नाकामोरी ने कहा, मल्टीपल स्क्लेरोसिस में गट माइक्रोबायोम की बड़े पैमाने पर जांच की गई है, लेकिन ओरल माइक्रोबायोम की भूमिका को ज्यादातर नजरअंदाज किया गया है। ओरल कैविटी पुरानी सूजन का एक बड़ा सोर्स है, इसलिए मल्टीपल स्क्लेरोसिस के गंभीर प्रभाव और बचाव के नए तरीके इजाद करने के लिए इनके बीच के संबंधों को समझने की जरूरत है।टीम ने देखा कि फ्यूसोबैक्टीरियम न्यूक्लियेटम की ज्यादा मात्रा वाले मल्टीपल स्क्लेरोसिस के लगभग दो-तिहाई (61.5 प्रतिशत) मरीजों का रोग मध्यम से गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर या माइलिन ऑलिगोडेंड्रोसाइट ग्लाइकोप्रोटीन एंटीबॉडी से जुड़ी बीमारी वाले मरीजों में ऐसा कोई संबंध नहीं देखा गया। फ्यूसोबैक्टीरियम न्यूक्लियेटम और कम से कम एक दूसरे पेरियोडोंटल पैथोजन वाले एमएस मरीजों की स्थिति और बिगड़ी हुई पाई गई। मुंह के बैक्टीरिया मल्टीपल स्क्लेरोसिस के मरीजों के हालात और बिगाड़ सकते हैं। रिसर्च में पाया गया कि एमएस मरीजों में इस बैक्टीरिया की अधिक मात्रा होने पर विकलांगता स्कोर (ईडीएसएस) ऊंचा होता है, जो सूजन और न्यूरोडीजेनेरेशन को बढ़ावा दे सकता है। यह बैक्टीरिया पीरियोडॉन्टाइटिस (मसूड़ों की बीमारी) से जुड़ा है और एमएस के लक्षणों को बिगाड़ सकता है। हालांकि, कुछ अध्ययन इस लिंक को पूरी तरह पुष्ट नहीं करते और कहते हैं कि कोई सीधा संबंध नहीं मिला।

मोबाइल के अधिक उपयोग से हो सकते हैं कई गंभीर रोग

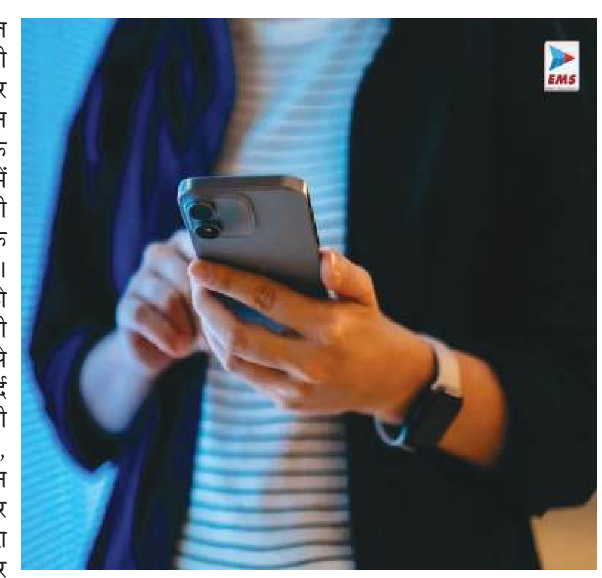

लंबे समय तक मोबाइल इस्तेमाल करने से न केवल हमारी आंखें थकती हैं, बल्कि शरीर के कई हिस्सों में गंभीर समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। विज्ञान के अनुसार, मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से कमर दर्द, गर्दन और कंधों में तनाव, स्पॉन्डिलाइटिस और रीढ़ की हड्डी की समस्याएं बढ़ रही हैं। इसे टेक नेक या स्मार्टफोन सिंड्रोम भी कहा जाता है। जब हम लंबे समय तक फोन को झुककर देखते हैं, तो हमारी रीढ़ की हड्डी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियों में खिंचाव, जोड़ों में दर्द और हड्डियों की कमजोरी तक हो सकती है। स्पॉन्डिलाइटिस एक ऐसी समस्या है, जिसमें रीढ़ की हड्डी के जोड़ों में सूजन आ जाती है। मोबाइल फोन का लगातार झुककर इस्तेमाल करने से यह खतरा बढ़ता है। खासकर युवा और किशोर वर्ग में यह समस्या तेजी से फैल रही है। लोग लंबे समय तक मोबाइल पर गेम खेलते हैं, वीडियो देखते हैं या सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। इस दौरान वे अपनी पीठ और कमर को सही मुद्रा में नहीं रखते, जिससे मांसपेशियों और हड्डियों पर लगातार दबाव पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति कमर और गर्दन के गंभीर दर्द में बदल सकती है। मोबाइल फोन के लगातार उपयोग से केवल कमर या गर्दन ही नहीं, बल्कि हमारी आंखें भी प्रभावित होती हैं। मोबाइल स्क्रीन की नीली रोशनी आंखों की रेटिना और रोशनी पर असर डाल सकती है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों में जलन, सूखापन, धुंधला दिखना और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मोबाइल का अत्यधिक उपयोग केवल शारीरिक स्वास्थ्य को ही नहीं प्रभावित करता, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है।

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि मोबाइल का उपयोग सीमित समय के लिए करें और स्क्रीन को आंखों की ऊंचाई पर रखें। लंबे समय तक फोन का इस्तेमाल करते समय बीच-बीच में ब्रेक लें और स्ट्रेचिंग करें। सही मुद्रा में बैठना बहुत जरूरी है, पीठ सीधी और कंधे आराम से रखने चाहिए। इसके अलावा, नीली रोशनी को कम करने वाले ऐप्स या स्क्रीन फिल्टर्स का इस्तेमाल करना आंखों को सुरक्षित रखने में मदद करता है। लगातार नोटिफिकेशन, सोशल मीडिया की तुलना और ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में भाग लेने की आदत तनाव, चिंता और नींद की कमी का कारण बन सकती है। नींद की कमी से शरीर की ऊर्जा और मांसपेशियों की रिकवरी प्रभावित होती है, जिससे मानसिक रूप से भी थकान महसूस होती है।

दैनिक पंचांग

7 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

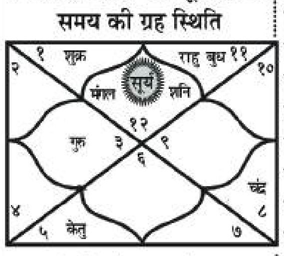

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.12 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृष	07.52 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.50 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.04 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.20 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.32 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.43 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.57 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.13 बजे से
		मकर	01.18 बजे से
		कुंभ	03.05 बजे से
		मीन	04.38 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

मंगलवार 2026 वर्ष का 97 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 16.35 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा अहोरात्र।
योग व्यतीपात 16.17 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 16.35 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 45'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872672
जूलियन दिन 2461137.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 18
विशेष विश्व स्वास्थ्य दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

एनीमिया से बचाव के लिए करें ये उपाय

खून में हीमोग्लोबिन या रेड ब्लड सेल्स की कमी को एनीमिया कहते हैं। कई बार शरीर रेड ब्लड सेल्स या हीमोग्लोबिन बना नहीं पाता और कई बार ज्यादा खून बह जाने से शरीर में इनकी कमी हो जाती है। एनीमिया को एक तरह की बीमारी माना जाता है। ये बीमारी ज्यादातर महिलाओ को होती है और उनमें इसकी एक मुख्य वजह मासिक धर्म होता है। आमतौर पर पुरुषों में 100 मिली ग्राम खून में 13.5 ग्राम से कम हीमोग्लोबिन और महिलाओं में 100 मिली ग्राम खून में 12 ग्राम से कम हीमोग्लोबिन हो तो इसे एनीमिया की स्थिति कहते हैं। कई बार एनीमिया के मरीजों में बाहर से कोई लक्षण नहीं नजर आते या हल्के-फुल्के लक्षण नजर आते हैं जिन्हें लोग नजरअंदाज कर देते हैं। खून की सीबीसी जांच द्वारा इस बीमारी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

एनीमिया का कारण

एनीमिया का सबसे बड़ा कारण शरीर में आयरन की कमी है। एक सामान्य व्यक्ति के शरीर में 3-5 ग्राम आयरन होता है। शरीर में इसकी मात्रा कम होने पर खून कम बन पाता है और एनीमिया हो जाता है। कई बार ज्यादा मात्रा में खून बह जाना भी एनीमिया का कारण बनता है। इसके अलावा शरीर में कैल्शियम की अधिकता से भी एनीमिया हो सकता है इसलिए कैल्शियम वाले खाद्य पदार्थों का बहुत अधिक सेवन भी शरीर के लिए खतरनाक है।

एनीमिया से बचाव

एनीमिया से बचाव के लिए आपको अपनी जीवनशैली में थोड़ा परिवर्तन करना पड़ेगा। एनीमिया मुख्यतः शरीर में खून की कमी ही है इसलिए इससे बचाव के लिए ऐसे आहार का सेवन करना चाहिए जिससे शरीर में खून की मात्रा बढ़े जैसे- चुकंदर, गाजर, पालक, टमाटर, बथुआ और अन्य हरी सब्जियां। हरी सब्जियों के साथ-साथ काले चने और गुड़ में भी आयरन भरपूर होता है। रोजाना सुबह भीगे हुए काले चने गुड़ के साथ खाने से एनीमिया जल्द खत्म हो जाता है। इसके अलावा अगर आप सब्जी बनाने के लिए लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करते हैं तो इससे भी शरीर में आयरन की कमी दूर होती है। शरीर में आयरन की ज्यादा कमी होने पर आप चिकित्सक की सलाह से आयरन की गोलियां भी ले सकते हैं।

एनीमिया के लक्षण

- काम के दौरान जल्दी थक जाना
- दिनभर कमजोरी महसूस होना
- त्वचा पीली पड़ना
- सीढ़ी चढ़ते हुए चक्कर आ जाना
- सीने और सिर में दर्द होना
- तलवों और हथेलियों का ठंडा हो जाना

संक्षिप्त खबरें

रसोई गैस की मारामारी से निपटने अब 5 किलो का गैस सिलेंडर

भोपाल (ईएमएस)। प्रदेश में एलपीजी गैस की कमी और बढ़ती मांग के बीच सरकार नए घरेलू गैस कनेक्शन को लेकर बड़ा फैसला लेने की तैयारी में है। प्रस्ताव है कि नए उपभोक्ताओं को 14.2 किलो के बजाय 5 किलो का गैस सिलेंडर दिया जाए, ताकि उपलब्ध गैस का बेहतर वितरण किया जा सके और ज्यादा लोगों तक सुविधा पहुंच सके। हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस सुझाव पर चर्चा की गई। सरकार का मानना है कि छोटे सिलेंडर से गैस की मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बनाया जा सकेगा। खासतौर पर शहरी क्षेत्रों में सिलेंडर की कमी से जूझ रहे उपभोक्ताओं को इससे राहत मिल सकती है। बताया जा रहा है कि सरकार और ऑयल मार्केटिंग कंपनियां मिलकर इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लेंगी। यदि योजना लागू होती है तो अगले कुछ महीनों में नए कनेक्शन के साथ 5 किलो सिलेंडर उपलब्ध कराए जा सकते हैं, जिससे उपभोक्ताओं को इंतजार और परेशानी से राहत मिलेगी।

होर्मुज तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक तेल कीमतों में तेज की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दी गई चेतावनी के बाद बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 प्रतिशत बढ़कर 109.8 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। वहीं रवीवार को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.4 फीसदी बढ़कर 110.60 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई, जबकि अमेरिकी क्रूड (डब्ल्यूटीआई) में 1.8 फीसदी की तेजी आई और यह 113.60 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर होर्मुज को तुरंत नहीं खोला गया, तो ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका कड़े सैन्य कदम उठा सकता है। इस बयान के जवाब में एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मौजूदा परिस्थितियों में जलडमरूमध्य नहीं खोला जाएगा। उनका कहना था कि जब तक युद्ध से हुए नुकसान की पूरी भरपाई नहीं होती, तब तक यह मार्ग बंद रहेगा।

शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों ने 91 लाख वर्गफुट कार्यालय स्थान लिए पट्टे पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में भारत के शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों द्वारा कार्यालय स्थान पट्टे पर लेने की गतिविधि रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। एक रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान कुल 91 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान पट्टे पर लिया गया, जो किसी भी तिमाही का अब तक का उच्चतम आंकड़ा है। कंपनी के अनुसार इन नौ शहरों में कुल कार्यालय पट्टे की मात्रा 2.07 करोड़ वर्ग फुट रही, जो पिछले साल इसी अवधि के 1.97 करोड़ वर्ग फुट की तुलना में 5 फीसदी अधिक है। इन शहरों में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता, अहमदाबाद और कोच्चि शामिल हैं। बेंगलुरु ने 29 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर 22 फीसदी और मुंबई 16 फीसदी के साथ प्रमुख शहर बने।

एचडीएफसी बैंक में अनिश्चितता, मार्च तिमाही में शेयर 26 फीसदी टूटे

मुंबई (ईएमएस)। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक को मार्च 2026 तिमाही में अनिश्चितता और निवेशकों की बिकवाली का सामना करना पड़ा। चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के अचानक इस्तीफे ने बैंक में उथल-पुथल पैदा की और शेयरों पर दबाव देखा जा रहा है। मार्च तिमाही में बैंक के शेयरों में 26.2 फीसदी गिरावट आई, जो मार्च 2020 के बाद सबसे बड़ी है। सिर्फ पिछले महीने विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने बैंक से लगभग 35,000 करोड़ रुपये निकाले। इसी दौरान विदेशी निवेशकों ने 47.95 करोड़ शेयर बेचे, जिससे उनकी संख्या घटकर 2,528 रह गई, जो दिसंबर 2025 में 2,757 थी। इस लगातार तीसरी तिमाही है जब विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी घट रही है। मार्च के अंत तक विदेशी हिस्सेदारी घटकर 44.05 फीसदी हो गई, जो पिछले तिमाही में 47.67 फीसदी थी। विश्लेषकों के अनुसार, चेयरमैन के इस्तीफे और निवेशकों के भरोसे में कमी ने बैंक की छवि और शेयर प्रदर्शन दोनों पर असर डाला है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कर्ज में चौथी तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़ोतरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पुणे मुख्यालय वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी देते हुए बताया कि कुल ऋण और जमा दोनों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। बैंक के अनुसार जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में कुल ऋण 2.92 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 2.40 लाख करोड़ रुपये था, यानी 22 फीसदी की बढ़ोतरी। इसमें कॉरपोरेट ऋण 1.12 लाख करोड़ और खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई क्षेत्र के ऋण 1.79 लाख करोड़ रुपये शामिल हैं। कुल जमा 3.50 लाख करोड़ रुपये होकर 14 फीसदी बढ़ गया, जबकि चालू और बचत खाते (सीएएसए) का अनुपात 13 फीसदी बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा। इन परिवर्तनों के साथ बैंक का कुल कारोबार 6.42 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तिमाही में 5.46 लाख करोड़ रुपये था। बैंक की यह तिमाही वृद्धि उसकी वित्तीय स्थिति और तरलता में सुधार को दर्शाती है।

सीमेंट सेक्टर में सुस्ती, कीमतों में जल्द बढ़ोतरी की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2026 में सीमेंट की मांग कमजोर रही, खासकर महीने की शुरुआत में। हालांकि महीने के अंत तक कुछ सुधार देखने को मिला। कीमतें ज्यादातर स्थिर रहीं, लेकिन अब बाजार में तेजी के संकेत दिख रहे हैं। दक्षिण भारत में गैर-खुदरा सेगमेंट में कीमतें करीब 50 रुपये प्रति बैग बढ़ गई हैं। अन्य हिस्सों में जल्द ही 10–15 रुपये प्रति बैग तक बढ़ोतरी संभव है। सीमेंट कंपनियों के लिए लागत बढ़ना भी चिंता का कारण है। पेटकोक की कीमत बढ़कर 142 डॉलर प्रति टन हो गई है, जो पिछली तिमाही के मुकाबले 27 डॉलर अधिक है। पैकेजिंग लागत में भी वृद्धि हो रही है, जिसका असर मुनाफे पर पड़ सकता है। क्षेत्रवार स्थिति में पूर्वी भारत में मांग महीने के अंत में सुधरी, दक्षिण भारत में सप्लाई पर पैकेजिंग दिक्कतों का असर पड़ा। उत्तरी भारत में मांग कमजोर रही, लेकिन एनसीआर में कीमतें 10 रुपये प्रति बैग बढ़ीं। मध्य और पश्चिमी भारत में कीमतें स्थिर रहीं, लेकिन आने वाले दिनों में 10–15 रुपये प्रति बैग तक बढ़ोतरी की संभावना है। रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि आने वाले महीनों में हाउसिंग और इन्फ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों से मांग में सुधार और कीमतों में तेजी देखने को मिल सकती है।

ओम पावर ट्रांसमिशन का आईपीओ 9 अप्रैल से खुलेगा, लक्ष्य 150 करोड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। पावर ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ओम पावर ट्रांसमिशन 9 अप्रैल से अपने आईपीओ के लिए सब्सक्रिप्शन खोल रही है। कंपनी ने प्राइस बैंड 166 से 175 रुपये प्रति शेयर तय किया है और 150 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। ओम पावर ट्रांसमिशन के आईपीओ में कुल 76 लाख नए शेयर शामिल हैं, जिनकी कीमत लगभग 132.56 करोड़ रुपये है।
इसके साथ ही 10 लाख शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस भी होगा, जिसकी कीमत करीब 17.50 करोड़ रुपये है। ओएफएस में प्रमोटर शेयरहोल्डर्स कल्पेश धनजीभाई पटेल, कनुभाई पटेल और वसंतकुमार नारायणभाई पटेल शामिल हैं। कंपनी 2011 में स्थापित हुई थी और यह इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन परियोजनाओं में सक्रिय है। यह हाई वोल्टेज और अल्ट्रा हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनों, सबस्टेशनों और भूमिगत केबलिंग का निर्माण और संचालन करती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 787, निफ्टी 255 अंक बढ़ा

मुंबई (ईएमएस । भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 787.30 अंक उछलकर 74,106.85 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 255.15 अंक बढ़कर 22,968.25 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान अधिकतर सूचकांक लाभ के साथ ही ऊपर आये। निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस , निफ्टी पीएसयू , निफ्टी रियल्टी , निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज तेजी के साथ बंद हुआ।
वहीं केवल निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी मीडिया ही नीचे आये हैं। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 815.60 अंक बढ़कर 54,492.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 202.55 अंक ऊपर आकर 15,853.05 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, एक्सिस बैंक, टाइटन, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, इंडिगो,एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व,पावर

ग्रिड, एनटीपीसी, बीईएल, एसबीआई,आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, टीसीएस और एचयूएल के शेयर लाभ में रहे जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक और सन फार्मा के शेयरों को नुकसान हुआ। बाजार में तेजी आने का कारण रुपए में बढ़त और ईरान-अमेरिका के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों को बताया जा रहा है। जिससे बाजार को बल मिला हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से बाजार पर अंकुश बना रहा। इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट शुरुआत के बाद नीचे आ गया। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों पर दबाव आया। सेंसेक्स हल्की गिरावट के साथ 73,477 अंक पर खुला, इसी तरह निफ्टी भी सपाट रुख के साथ 22,780 पर खुला पर जल्द ही इसमें भी गिरावट रही। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 74.10 अंक फिसलकर 22,639 के स्तर पर आ गया। बाजार में इस कमजोरी की प्रमुख वजह वैश्विक अनिश्चितता रही।

रिजर्व बैंक की ऐप से बिना बैंक जाए मिलेगा लोन

- किसानों, डेयरी संचालकों और पर्सनल लोन लेने वालों के लिए प्रक्रिया होगी आसान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अब लोन लेने के लिए बैंकों के चक्कर लगाने और लंबी कागजी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही एक नई डिजिटल व्यवस्था शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत मोबाइल ऐप के माध्यम से मिनटों में लोन स्वीकृत किया जा सकेगा। इस पहल का उद्देश्य छोटे कर्जदारों, किसानों,

डेयरी संचालकों और पर्सनल लोन लेने वाले ग्राहकों को त्वरित और पारदर्शी सुविधा उपलब्ध कराना है। नई प्रणाली के तहत जमीन के रिकॉर्ड, क्रेडिट स्कोर और आय संबंधी जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी। इससे बैंक और वित्तीय संस्थानों को आवेदक की पात्रता जांचने में आसानी होगी और लोन प्रक्रिया तेज होगी। शुरुआत में छोटे कर्ज और कृषि से जुड़े ऋण दिए जाएंगे, जिससे ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। बताया जा रहा है कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से कई बैंक और डेटा सेवा प्रदाता जुड़ेंगे, जिससे सूचनाओं का आदान-प्रदान सुरक्षित और त्वरित होगा। इससे बैंकों की परिचालन लागत भी कम होगी और ग्राहकों को कम समय में ऋण मिल सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम देश में डिजिटल बैंकिंग को नई दिशा देगा और वित्तीय समावेशन को मजबूती प्रदान करेगा।

स्कूटर होंडा एक्स-एडीवी 750 की बिक्री बंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। अपने प्रीमियम मैक्सी स्कूटर होंडा एक्स-एडीवी 750 को होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने भारतीय बाजार में बिक्री के लिए बंद कर दिया है। इस फैसले के पीछे इसकी कमजोर बिक्री को माना जा रहा है।
होंडा एक्स-एडीवी 750 अपने अनोखे डिजाइन और एडवेंचर स्कूटर कैटेगरी के कारण चर्चा में रहा। इसका लुक काफी शार्प और रग्ड था, जिसमें डुअल एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट्स, इंटीग्रेटेड टर्न इंडिकेटर्स और डीआरएल शामिल थे। बड़ी विंडस्क्रीन, क्रैश गार्ड, स्टेप-अप सीट और अपस्वेप्ट एग्जॉस्ट जैसे फीचर्स इसे एडवेंचर टूरिंग के लिए उपयुक्त बनाते थे। इसके पैनल पर स्पोर्टी ग्राफिक्स इसे और आकर्षक बनाते थे, जिससे यह सड़क पर अलग पहचान बनाता था।

सोने के दामों में 18.5 फीसदी गिरावट, गिरवी सोने को नीलामी से बचाने सावधान रहें

50-60 प्रतिशत से ज्यादा लोन लेने से बचें

मुंबई(ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सोने के दामों में करीब 18.5 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। कीमतों में इस कमी का असर गोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों पर भी पड़ रहा है। जिन लोगों ने ऊंचे भाव पर सोना गिरवी रखकर अधिक राशि का कर्ज लिया था, उनके सामने अब 'मार्जिन कॉल' का खतरा बढ़ गया है।
विशेषज्ञों के अनुसार, जब सोने की कीमत घटती है तो गिरवी रखे आभूषणों की वैल्यू कम हो जाती है और लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) अनुपात बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्थान अतिरिक्त रकम जमा कराने या आंशिक लोन चुकाने का नोटिस दे सकते हैं। तय समय में भुगतान नहीं करने पर गिरवी सोने की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है।
वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि मौजूदा अस्थिर बाजार में सोने के वर्तमान मूल्य का 50 से 60 फीसदी तक ही लोन लेना सुरक्षित माना जाता है। इससे कीमतों में गिरावट आने पर भी उधारकर्ता के पास सुरक्षा का पर्याप्त मार्जिन रहता है और नीलामी की नौबत नहीं आती। ग्राहकों को समय-समय पर बाजार भाव पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर लोन आंशिक रूप से चुकाने की सलाह दी गई है।

जिंदल स्टील ने ईंधन संकट में सिंगैस का इस्तेमाल शुरू किया

- कोयले से तैयार सिंथेसिस गैस (सिंगैस) एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईंधन की कमी के बीच जिंदल स्टील ने अपने उच्च तापमान वाली भट्टियों में सिंथेसिस गैस (सिंगैस) का इस्तेमाल शुरू किया है। इससे प्राकृतिक गैस, एलपीजी और प्रोपेन की आपूर्ति में व्यवधान के बावजूद उत्पादन में निरंतरता बनी। यह इस्पात उद्योग में ऐसा पहला प्रयास है। सिंथेसिस गैस एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है जो अपशिष्ट और जैविक पदार्थों को ऊर्जा में बदलता है। जिंदल स्टील ने इसे कोयले के गैसीकरण से तैयार किया है। इसके इस्तेमाल से गैल्वनाइजिंग लाइन में इस्पात पर जस्ता की परत और कलर कोटिंग लाइन में धातु पर रंग की परत चढ़ाने वाली भट्टियों का संचालन सुचारू हुआ।
कंपनी ने देश का पहला डीआरआई संयंत्र स्थापित किया है, जिसमें सिंगैस का इस्तेमाल लोहे के उत्पादन में होता है। इसके साथ ही ब्लास्ट फर्नेस में सिंगैस इंजेक्शन से आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता कम हुई और प्रति टन इस्पात कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आई। अंगुल संयंत्र के एक कार्यकारी निदेशक के अनुसार स्वदेशी कोयले से तैयार सिंगैस आयातित गैस, अमोनिया और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का विकल्प बन सकता है। इससे भारत को अपने विशाल कोयला भंडार का उपयोग कर भविष्य में कम कार्बन उत्सर्जन वाली वृद्धि सुनिश्चित करने और विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी। जिंदल स्टील के संयंत्र ओडिशा (अंगुल), छत्तीसगढ़ (रायगढ़) और झारखंड (पतरातू) में हैं, और कंपनी का भारत और अफ्रीका में भी रणनीतिक परिचालन है।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में 14 महीने में सबसे धीमी रहीः पीएमआई

मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सेवा क्षेत्र में मार्च 2026 में विस्तार जारी रहा, लेकिन वृद्धि की गति पिछले 14 महीनों में सबसे धीमी रही। एचएसबीसी इंडिया द्वारा जारी मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, मौसमी रूप से समायोजित सेवा पीएमआई कारोबार सूचकांक फरवरी के 58.1 से घटकर मार्च में 57.5 पर आ गया। पीएमआई में 50 से ऊपर अंक गतिविधियों के विस्तार और 50 से कम अंक संकुचन का संकेत देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया। कंपनियों ने अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका और पश्चिम एशिया से मांग बढ़ने की बात कही। सर्वेक्षण में यह भी बताया गया कि बिक्री मूल्य मुद्रास्फीति सात महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि कच्चे माल की लागत में तेज वृद्धि हुई। फरवरी के बाद खाना पकाने का तेल, अंडे, बिजली, फल, ईंधन, श्रम, मछली, चिकन, मीट और सब्जियों की कीमतें बढ़ीं। निजी क्षेत्र में लागत दबाव लगभग चार वर्ष में सबसे अधिक रहा। रोजगार में लगातार तीसरे महीने वृद्धि दर्ज हुई। कंपनियों का मानना है कि बढ़ते विश्वास और मांग के कारण नौकरी सृजन मजबूत रहा। उत्पादन के दृष्टिकोण में कंपनियों की आशावादिता पिछले 12 वर्षों में सबसे अधिक रही। एचएसबीसी इंडिया का समग्र पीएमआई फरवरी के 58.9 से घटकर मार्च में 57.0 हो गया, जो लगभग तीन वर्षों में विस्तार की सबसे धीमी दर दर्शाता है। यह सूचकांक विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के भारित औसत पर आधारित है।

आईईएक्स पर वित्त वर्ष 2025-26 में बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार में रिकॉर्ड वृद्धि

- सालाना आधार पर बिजली का कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 141 अरब यूनिट हो गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय ऊर्जा बाजार में वित्त वर्ष 2025-26 आईईएक्स (इंडियन इनर्जी एक्सचेंज) के लिए नए रिकॉर्ड लेकर आया।
सालाना आधार पर बिजली का कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 141 अरब यूनिट हो गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस वृद्धि का मुख्य कारण रियल-टाइम बाजार का मजबूत प्रदर्शन है, जिसने बाजार को अधिक सक्रिय और प्रतिस्पर्धात्मक बनाया। वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में आईईएक्स पर बिजली का कारोबार 39.4 अरब यूनिट तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक तिमाही स्तर है और सालाना आधार पर 24.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मार्च 2026 में मासिक स्तर पर भी कारोबार 13.90 अरब यूनिट तक बढ़ गया, जो पिछले साल की तुलना में 23.5 प्रतिशत अधिक है। नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) कारोबार भी मजबूत रहा। पूरे वित्त वर्ष में कुल 187.20 लाख आरईसी का लेन-देन हुआ, जो सालाना आधार पर 5 प्रतिशत अधिक है। जनवरी-मार्च तिमाही में 71.70 लाख आरईसी का कारोबार दर्ज हुआ, जबकि मार्च 2026 में यह आंकड़ा सालाना आधार पर 119.9 प्रतिशत बढ़कर 28.94 लाख तक पहुंच गया। 'डे-अहेड मार्केट' में अगले दिन की आपूर्ति के लिए सौदों का मूल्य सालाना आधार पर 13.7 प्रतिशत घटकर 3.86 रुपये प्रति यूनिट रहा। वहीं वास्तविक समय बाजार का समापन मूल्य 3.59 रुपये प्रति यूनिट रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत कम है।

भारत में स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि की संभावना

- 2030 तक बदल जाएगी रोजगार की तस्वीर, लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (इक्रियर) के अध्ययन के अनुसार भारत में*स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता (ईई) क्षेत्रों में रोजगार अगले चार वर्षों में तीन गुना बढ़ सकता है। 2021-22 में इन क्षेत्रों में कुल रोजगार 4,44,900 था, जो 2029-30 तक लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की संभावना है। अध्ययन के अनुसार वर्ष 2029-30 तक स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 9,05,000 और ऊर्जा दक्षता में 4,28,700 रोजगार होने की उम्मीद है। 2021-22 में स्वच्छ ऊर्जा और अन्य पारंपरिक स्वच्छ ऊर्जा में रोजगार 3,18,000 और ईई में 1,26,900 था। इक्रियर का कहना है कि यदि भारत 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करता है तो संबंधित रोजगार 2.8 गुना बढ़ जाएंगे। वहीं 15 करोड़ टन तेल समतुल्य ऊर्जा बचत का लक्ष्य प्राप्त होने पर ईई में रोजगार 3.8 गुना बढ़ने की संभावना है। विश्लेषण में यह भी सामने आया कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा सबसे अधिक रहेगा।
अध्ययन में यह भी उजागर हुआ कि वर्ष 2022-2030 के बीच गुजरात में 79,000 व राजस्थान में 77,000 अतिरिक्त नौकरियों का सृजन होगा और ये सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाले राज्य बनने की उम्मीद है। पवन ऊर्जा आधारित रोजगार सृजन के मामले

में तमिलनाडु और गुजरात अग्रणी हैं जबकि आंध्र प्रदेश में बड़े जलविद्युत आधारित रोजगार में सबसे अधिक हिस्सेदारी होने की उम्मीद है।
छतों पर सौर पैनल लगाने से संबंधित रोजगार के मामले में गुजरात के अग्रणी रहने की उम्मीद है जबकि जमीन पर लगाए जाने वाले सौर पैनल में सबसे अधिक अतिरिक्त रोजगार राजस्थान में मिलने की संभावना है। ऊर्जा दक्षता के रोजगार में तमिलनाडु का दबदबा है और उसके बाद गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक आते हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 में देश में वाहन बिक्री में 13.3 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि

पिछले वित्त वर्ष में वाहनों की बिक्री 41,63,927 इकाई थी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में सभी श्रेणियों के वाहनों की खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2025-26 में 13.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2,96,71,064 इकाई तक पहुंच गई। यह जानकारी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को जारी की। पिछले वर्ष की तुलना में यह बिक्री 2,61,87,255 इकाई थी। वर्ष की शुरुआत धीमी रहने के बावजूद जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद बाजार में तेजी आई। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 47,05,056 इकाई हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 41,63,927 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की

बिक्री 13.4 प्रतिशत बढ़कर 2,14,20,386 इकाई रही।
तिपहिया वाहनों की बिक्री 11.68 प्रतिशत बढ़कर 13,63,412 इकाई और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 11.74 प्रतिशत बढ़कर 10,60,906 इकाई रही। फाडा के एक अधिकारी ने कहा कि यह वर्ष भारतीय मोटर वाहन उद्योग के लिए ऐतिहासिक रहा। छह में से पांच वाहन श्रेणियों में बिक्री के नए रिकॉर्ड बने हैं। तीन करोड़ इकाइयों के स्तर के करीब पहुंचना दो साल पहले असंभव लगता था।
जीएसटी 2.0 के लागू होने से दोपहिया, छोटी कारों, तिपहिया और कुछ वाणिज्यिक वाहनों की वहनीयता में सुधार हुआ। हालांकि, फाडा ने भविष्य में पश्चिम एशिया युद्ध, ईंधन कीमतों और उपभोक्ता विश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर सतर्क रहने की चेतावनी दी। संगठन के सर्वेक्षण में 36.5 प्रतिशत डीलरों ने कहा कि बढ़ती ईंधन कीमतें ग्राहकों के खरीद निर्णयों को प्रभावित कर रही हैं। वहीं, वित्तपोषण स्थितियां स्थिर रही, और 72.5 प्रतिशत डीलरों ने पिछले 30 दिनों में कोई बदलाव नहीं देखा।

विप्रो ने ओलाम समूह से किया एक अरब डॉलर का करार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी विप्रो ने सिंगापुर स्थित खाद्य एवं कृषि कारोबार समूह ओलाम के साथ आठ वर्ष का बहुवर्षीय रणनीतिक समझौता किया है। इस करार का अनुमानित मूल्य 1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है, जिसमें 80 मिलियन डॉलर का सुनिश्चित व्यय शामिल है। इसके तहत विप्रो, ओलाम की आईटी और डिजिटल सेवा इकाई माइंडस्प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण करेगी। विप्रो ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह समझौता कंपनी की "फार्म से फोर्क" क्षमताओं को बढ़ाने और खाद्य एवं कृषि उद्योग में डिजिटल प्रभाव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। माइंडस्प्रिंट की स्थापना 2007 में सिंगापुर में हुई थी और कंपनी के 3,200 से अधिक कर्मचारी भारत, सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन और पश्चिम एशिया में कार्यरत हैं। कंपनी ने 2025 में 13.56 मिलियन डॉलर का समेकित राजस्व दर्ज किया। ओलाम समूह, जिसकी प्रमुख हिस्सेदारी टेमासेक होल्डिंग्स के पास है, दुनिया भर में 60 से अधिक देशों में लगभग 22,000 ग्राहकों को खाद्य पदार्थ, सामग्री, पशु चारा और रेशे की आपूर्ति करता है। यह अधिग्रहण ओलाम समूह की पुनर्गठन योजना के अनुरूप है, जिसके तहत समूह अपनी शेष परिसंपत्तियों और कारोबारों को जिम्मेदारीपूर्वक बेचकर विशेष लाभांश के रूप में शेयरधारकों में वितरित करेगा। माइंडस्प्रिंट का अधिग्रहण पूरी तरह नकद में किया जाएगा और 30 जून 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त खबरें

डूरंड लाइन में फिर तनाव, पाकिस्तानी सेना और अफगान तालिबान के बीच तीखी झड़प

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर स्थित डूरंड लाइन फिर तनाव का केंद्र बन गई है। पूर्वी अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत के तानी जिले में हाल ही में पाकिस्तान की सेना और अफगान तालिबान के बीच तीखी झड़प हुई। रिपोर्ट्स के अनुसार, अचानक शुरू हुई गोलीबारी ने जल्द ही बड़े संघर्ष का रूप ले लिया, जिसमें दोनों पक्षों ने मशीनगन और मोर्टार जैसे भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। तालिबान से जुड़े सूत्रों का दावा है कि इस भिड़ंत में पाकिस्तान के कम से कम छह सैनिक मारे गए और कई घायल हुए हैं। इसके अलावा, उन्होंने एक पाकिस्तानी सैन्य चौकी पर कब्जा करने और एक सैनिक का शव अपने पास होने की बात भी कही है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है। वर्तमान में भी खोस्त सेक्टर में रुक-रुक कर फायरिंग जारी है, जिससे स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। इस संघर्ष की जड़ में दोनों देशों के बीच बढ़ता अविश्वास है। 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से रिश्ते लगातार खराब हुए हैं। पाकिस्तान का आरोप है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को अफगानिस्तान में सुरक्षित ठिकाने मिल रहे हैं, जहां से वे पाकिस्तान में हमले करते हैं। दूसरी ओर, तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करते हुए पाकिस्तान पर सीमा पार हस्तक्षेप और अवैध फेंसिंग के आरोप लगाती रही है। डूरंड लाइन का विवाद भी इस तनाव का बड़ा कारण है, क्योंकि अफगानिस्तान इसे आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में मान्यता नहीं देता। विशेषज्ञों के अनुसार, पाकिस्तान की पुरानी नीतियां—जिनमें क्षेत्र में आतंकी समूहों को समर्थन देना शामिल था—अब उसके लिए "ब्लोबैक" बन रही हैं। टीटीपी की बढ़ती गतिविधियां और तालिबान के साथ सीधी झड़पें इसी का संकेत हैं, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ सकती है।

अमेरिका और इजरायल के हवाई हमलों में आईआरजीसी के इंटेलिजेंस चीफ मेजर जनरल खादेमी की मौत

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान की ओर से जारी आधिकारिक बयान में बताया गया हैं कि अमेरिका और इजरायल की ओर से किए गये एक हवाई हमले में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के इंटेलिजेंस चीफ मेजर जनरल सैयद माजिद खादेमी मारे गए हैं। आईआरजीसी ने कहा कि सुबह तड़के हुए एक हमले में खादेमी की मौत हो गई। बयान में यह नहीं बताया गया कि उनकी मौत कहां हुई। ईरान के आधिकारिक बयान में कहा कि जनरल खादेमी ने करीब 50 वर्षों तक सेवा की थी और इंटेलिजेंस और सुरक्षा सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। ईरान में दुश्मनों की घुसपैठ को रोकने और शासन की सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करने के प्रयासों से निपटने में उनकी अहम भूमिका थी। खादेमी ईरान के उन हाई-रैंकिंग अधिकारियों में सबसे नए हैं जिनकी हत्या की गई है। पिछले महीने, इजरायल ने दो दिनों के भीतर ही ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी, जिन्हें दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बाद देश का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति माना जाता था उन्हें और खुफिया मंत्री इस्माइल खतीब को निशाना बनाया था। वे पिछले साल जून में ही आईआरजीसी के खुफिया सेवा के प्रमुख नियुक्त किए गये थे। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए थे। इन हमलों में उन्होंने ईरान के कई शीर्ष अधिकारियों को मार गिराया है। जिसमें आईआरजीसी प्रमुख मोहम्मद पाकपुर, बासिज बल के प्रमुख गुलामरेजा सुलेमानी और रक्षा मंत्री अजीज नासिरजादेह शामिल हैं।

भारतीय मूल की रिनी, वाशिंगटन डीसी के मेयर पद की दौड़ में

वाशिंगटन(ईएमएस)। तमिलनाडु में जन्मीं भारतीय मूल की रिनी संपत अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी के मेयर पद का चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। सात साल की उम्र में अमेरिका पहुंचीं रिनी ने शिक्षा और पेशेवर जीवन में अपनी अलग पहचान बनाई है। वह पेशे से गवर्नमेंट कॉन्ट्रैक्टर और साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल रही हैं तथा अंतरराष्ट्रीय संबंध और सुरक्षा अध्ययन में पढ़ाई कर चुकी हैं। रिनी पिछले एक दशक से अधिक समय से वाशिंगटन डीसी में रह रही हैं और स्थानीय मुद्दों पर सक्रिय रही हैं। उनके चुनाव अभियान का मुख्य फोकस बुनियादी समस्याओं को दूर करना है। वे सड़कों के गड्ढे भरने, स्वच्छता व्यवस्था सुधारने, महंगाई पर नियंत्रण और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दे रही हैं। रिनी अपनी भारतीय जड़ों पर गर्व जताती हैं और अपने परिवार, विशेषकर दादा से मिली प्रेरणा का उल्लेख करती हैं। उनकी उम्मीदवारी को भारतीय-अमेरिकी समुदाय में उत्साह के साथ देखा जा रहा है।

संघर्ष रोकने पाकिस्तान-अफगानिस्तान में बातचीत शुरु, चीन कर रहा मध्यस्थता

बीजिंग,(ईएमएस)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया संघर्ष के बाद अब दोनों देशों के बीच बातचीत शुरू हो गई है। चीन की मध्यस्थता में हो रही इस बातचीत में पाकिस्तान ने तालिबान के सामने तीन मांगें रखी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को आतंकी संगठन घोषित करने, उसके पूरे नेटवर्क को खत्म करने और कार्रवाई के ठोस सबूत देने की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान सरकार का कहना है कि उसकी सबसे बड़ी चिंता अफगानिस्तान की जमीन से संचालित आतंकी गतिविधियां हैं। इसी वजह से बातचीत को फिलहाल आतंकवाद और सीमा सुरक्षा तक सीमित रखा गया है। इस वार्ता में चीन अहम भूमिका निभा रहा है और दोनों पक्षों को एक साझा फ्रेमवर्क पर लाने की कोशिश कर रहा है। चीन ने पांच पॉइंट का फ्रेमवर्क तैयार किया है। इसमें सीजफायर, आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई, आतंकी ठिकानों का खात्मा, सुरक्षित व्यापार मार्ग और औपचारिक बातचीत की व्यवस्था जैसे मुद्दे शामिल हैं।

भारत विरोधी नारेबाजी करने 100 कनाडाई डॉलर देकर भीड़ लेकर आए खालिस्तान समर्थक

टोरंटो,(ईएमएस)। कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में 5 मार्च को त्रिवेणी मंदिर के बाहर खालिस्तान समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लगाए, जिससे शहर में करीब दो घंटे तक तनावपूर्ण माहौल बना। मंदिर में श्रद्धालु पूजा-अर्चना में व्यस्त थे, तभी दोपहर 12 बजे से 2 बजे के बीच प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर इकट्ठा होना शुरू किया। पुलिस ने हिंसक घटना रोकने के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, करीब 40-50 लोग सड़क किनारे गए मेटल बैरिकेड्स के पीछे खड़े होकर पीले खालिस्तानी झंडे लहरा रहे थे। प्रदर्शनकारियों के हाथ में विवादित पोस्टर और "वांटेड" पर्चियां भी थीं। खालिस्तानियों ने नारे लगाकर हरियाणा-दिल्ली और बीकानेर पर अपना हक जताया। इसी तरह का एक प्रदर्शन ब्रिटिश कोलंबिया के सरे स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर के बाहर प्रस्तावित था, लेकिन वहां खालिस्तानियों को प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं मिली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फ्रीलांस पत्रकार ने दावा किया कि इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को 100 कनाडाई डॉलर दिए गए थे। इस दावे के अनुसार, खालिस्तान समर्थक आंदोलन को जीवित दिखाने के लिए भाड़े की भीड़ का सहारा लिया। यह खुलासा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और प्रदर्शनों की वैधता पर सवाल खड़े कर दिए। आलोचकों का कहना है कि कनाडा में खालिस्तानी आंदोलन को बढ़ावा देने के पीछे राजनीतिक संरक्षण और वोट-डोनेशन का खेल है। महाराजा ने कटाक्ष करते हुए बताया कि पिछले 50 वर्षों में नेताओं ने ऐसे तत्वों को संरक्षण दिया, जिससे आज ये लोग बेलगाम हो गए हैं। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि खालिस्तान समर्थकों की सक्रियता केवल वास्तविक जन समर्थन पर आधारित नहीं, बल्कि व्यवस्थित रूप से भीड़ जुटाने और मीडिया दिखावे पर भी निर्भर है। ब्रैम्पटन घटना ने कनाडा में खालिस्तानी आंदोलन, मंदिर सुरक्षा और राजनीतिक संरक्षण जैसे मसलों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

पायलट को पकड़ने बढ़ रही सेना, अमेरिकी कमांडों ने वक्त से पहले पहुंचकर निकाला

ईरान में लापता अमेरिकी पायलट 7000 फीट की पहाड़ी पर चढ़कर छिपा था

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान में ऑपरेशन के दौरान अमेरिकी फाइटर जेट एफ15 ई स्ट्राइक ईगल में पायलट सवाल था। तभी ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम के रडार में आने के बाद ईरानी मिसाइल का शिकार हो गया, लेकिन गनीमत यह रही कि पायलट और उसके सहयोगी फाइटर जेट के क्रैश होने से पहले ही पैराशूट से नीचे कूद गए। इस दौरान अमेरिकी सैनिकों ने फाइटर जेट के मेन पायलट का तो रेस्क्यू कर लिया लेकिन उसका सहयोगी वेपन सिस्टम ऑफिसर लापता हो गया। काफी मशक्कत के बाद शनिवार रात को अमेरिकी सेना ने उसे भी रेस्क्यू कर लिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह ऑपरेशन बहुत खतरनाक था, जिसे अमेरिकी सेना ने अंजाम दिया। एक तरफ जहां इस मिशन में अमेरिका और इजराइल के एलट कमांडो फोर्स, स्पेशल ऑपरेशन विमानों और हेलीकॉप्टर्स को लगाया गया तो वहीं दूसरी तरफ पायलट का सहयोगी दुश्मन से घिरकर जिंदगी और मौत के बीच खड़ा था। हालांकि अमेरिकी सैनिकों ने अपने इस ऑफिसर को खतरनाक ऑपरेशन के बाद आखिरकार ईरान की जमीन से बचा लिया। अब इस ऑफिसर ने ईरान में दुश्मनों और मौत के बीच गुजारे अपने 24 घंटे के बारे में बताया। जिससे पता चला कि कैसे ईरानी मिसाइल का शिकार होने के बाद लापता हुए इस पायलट ने दुश्मनों को चकमा देकर खुद की जान बचाई। दरअसल ईरान की सेना ने अमेरिका के एक एफ1-15 ई स्ट्राइक ईगल फाइटर जेट को मार गिराया। इस फाइटर जेट में एक पायलट था और एक वेपन सिस्टम ऑफिसर। फाइटर जेट क्रैश होते ही किसी तरह से अमेरिका के इन दोनों सैनिकों ने खुद को इस विमान से इजेक्ट किया और उसके बाद पैराशूट की मदद से ईरान के पहाड़ों में जा गिरे। ईरान की सेना दोनों अमेरिकी सैनिकों को जिंदा पकड़ना चाहती थी। इसीलिए ईरान की सेना ने लोगों से भी मदद करने को कहा। ईरान की सेना ने सैनिकों को जिंदा पकड़ने के लिए 60 हजार अमेरिकी डॉलर से भी ज्यादा का इनाम घोषित किया था।

ईरान की सेना और लोग धीरे-धीरे इन सैनिकों के पास पहुंच रहे थे यानी अमेरिका के पास रेस्क्यू के लिए बहुत कम समय था, लेकिन अमेरिका ने आखिरी वक्त में अपने इन दोनों सैनिकों को बचा लिया। रिपोर्ट के मुताबिक यह वेपन सिस्टम ऑफिसर पहाड़ की दरार में छिपते हुए लगातार अपनी लोकेशन बदलता रहा ताकि ईरान की उन सर्च टीमों को चकमा दिया जा सके जो उसकी जगह के बेहद करीब पहुंच रही थी। इस दौरान अमेरिकी पायलट एक जगह समुद्र तल से लगभग 7000 फीट ऊंची पहाड़ी चोटी पर चढ़कर छिप गया ताकि उसके बचने और बचाए जाने की संभावना बढ़ सके।

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक अमेरिकी पायलट की हर हरकत और रियल टाइम पर नजर रखी जा रही थी। अधिकारी लगातार खतरे को भांपते रहे और पायलट को सुरक्षित निकालने के लिए सही वक्त का इंतजार करते रहे। ईरान में फंसा एयरमैन कभी भी पूरी तरह से रडार की पहुंच से बाहर नहीं हुआ। क्योंकि उसके पास मौजूदा बीकेन की मदद से अमेरिकी सेना उस पर लगातार नजर बनाए हुए भी। भले ही ईरानी सैनिक उसके करीब पहुंच रहे थे लेकिन अमेरिकी सैनिकों को इस बात का पूरा यकीन था कि वह वक्त से पहले अपने साथी को सही सलामत वहां से निकाल लेंगे और ऐसा हुआ भी।

अमेरिकी सैनिकों ने इस कठिन ऑपरेशन को अंजाम देकर अपने सहयोगी को ईरान से बाहर निकाल ही लिया। ट्रंप ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन करार दिया। जिसमें सैकड़ों अमेरिकी कमांडो शामिल थे। बता दें ईरान और अमेरिका के बीच 28 फरवरी को शुरू हुई यह जंग अब तक जारी है और यह जंग और भी ज्यादा घातक हो सकती है क्योंकि ईरान ने मिडिल ईस्ट में मौजूद कई अमेरिकी सेना ठिकानों को तबाह कर दिया है। इसके साथ ही ईरान ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मोस को भी बंद कर दिया, जिसके बाद से दुनिया भर में तेल और गैस के लिए हाहाकार मचा है और अमेरिका लगातार ईरान को अल्टीमेटम दे रहा है कि अगर उसने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मोस नहीं खोला तो ईरान में वो पहले से भी ज्यादा तबाही मचाएगा लेकिन ट्रंप की धमकी के बावजूद ईरान भी लगातार इजराइल और अमेरिका के ठिकानों पर लगातार मिसाइलें और ड्रोन से हमले कर तबाही मचा रहा है।

क्या पुतिन के सामने सरेंडर करेंगे जेलेंस्की चार साल से चल रही जंग होगी खत्म!

यूक्रेन के राष्ट्रपति बोले-अगर शांति का मौका मिले तो मैं पुतिन से मिलने को तैयार

मास्को,(ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में जंग अभी जारी है इसी बीच दुनिया की दूसरी बड़ी जंग यानी रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर अब एक ऐसा बयान सामने आ गया है जिसने इस वक्त पूरी दुनिया को हिला के रख दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने संकेत दिए हैं कि वह पुतिन से मिलने के लिए तैयार हैं। बता दें यह एक बयान नहीं बल्कि एक ऐसा कदम है जिसने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप समेत पूरी दुनिया के बड़े नेताओं को भी हैरान कर दिया है।

बता दें 4 साल से चल रही इस जंग में दोनों नेता यानी जेलेंस्की और पुतिन कभी भी आमने-सामने नहीं बैठे। तो आखिरकार अचानक ऐसा क्या बदल गया? क्या अब जंग खत्म होने की ओर बढ़ रही है? बता दें रूस-यूक्रेन युद्ध को करीब 4 साल हो चुके हैं। साल 2022 में जब युद्ध शुरू हुआ तब से लेकर आज तक लाखों लोग प्रभावित हुए। हजारों सैनिक मारे गए और दोनों देशों की अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर पड़ा। सबसे अहम बात यह है कि इन चार सालों में पुतिन और जेलेंस्की की एक भी बार आमने-सामने मुलाकात नहीं हुई है। दोनों नेताओं की आखिरी जो मुलाकात हुई थी वो साल 2019 में पेरिस में हुई थी। युद्ध शुरू होने से पहले अब हालात बदलते हुए नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2 महीने पहले भी रशिया ने जेलेंस्की को मॉस्को आने का न्योता दिया था। बैठक करने के लिए बातचीत कही गई थी और अब जेलेंस्की ने जो कहा है उसने सभी को चौका दिया है। उन्होंने यह कहा कि अगर शांति का कोई भी मौका मिले तो मैं पुतिन से मिलने के लिए तैयार हूं। मैं सीधी बातचीत से पीछे नहीं हटूंगा क्योंकि यह जंग अब लोगों की जिंदगी का सवाल बन चुकी है। जरूरत पड़ी तो मैं मॉस्को जाने के लिए भी तैयार हूं। यही वो बयान है जिसने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और पश्चिमी देशों को चौंका दिया, क्योंकि अब तक यूक्रेन का रुख बेहद सख्त था। रूस से सीधी बातचीत से दूरी बनाई गई थी, लेकिन अब सीधे पुतिन से मिलने की बात सामने आई है।

एक्सपर्ट्स ये मानते हैं कि चार साल लंबी जंग से दोनों देश थक चुके हैं। भारी आर्थिक और सैन्य नुकसान हो चुका है और अब जंग एक स्टेलमेट की स्थिति में पहुंचती हुई नजर आ रही है, लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वाकई यह मुलाकात होगी? क्या जेलस्की मॉस्को जाएंगे? और अगर जेलस्की मॉस्को गए तो क्या यह जंग खत्म होने की एक शुरुआत की तरफ बढ़ेगी? क्या यह उम्मीद हकीकत बनेगी या फिर एक और नाकाम कोशिश साबित होगी। यह तो आने वाला वक्त ही बता पाएगा, लेकिन जिस तरीके से अब जेलस्की ने पुतिन से मिलने की बात कही है, उसने इस वक्त पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है।

होर्मुज में बिछे मौत के जाल को काटने उतरेगी ब्रिटेन की रॉयल नेवी, उतरेंगे कमांडो

लंदन,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया के होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते सैन्य तनाव और समुद्री सुरक्षा पर मंडराते खतरों के बीच ब्रिटेन ने एक बड़ा रक्षात्मक कदम उठाया है। रॉयल नेवी ने अपनी सबसे घातक और विशेषज्ञ ईकाई, डाइविंग एंड थ्रेट एक्सप्लॉइटेशन ग्रुप को हाई अलर्ट पर रखा है। इस विशेष टीम का मुख्य उद्देश्य ईरान द्वारा समुद्र के भीतर बिछाई गई संभावित बारूदी सुरंगों (माइंस) को खोजना और उन्हें निष्क्रिय करना है। इस मिशन को दुनिया के सबसे जोखिम भरे सैन्य ऑपरेशनों में से एक माना जा रहा है, क्योंकि ये गोताखोर शून्य दृश्यता और गहरे पानी की खतरनाक परिस्थितियों में विस्फोटकों के साथ काम करते हैं। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, कमांडो नाव, पैराशूट या मिनी-सबमरीन के जरिए लक्षित क्षेत्र तक पहुँचने में सक्षम हैं। ये मिनी-सबमरीन लगभग 50 किलोमीटर के दायरे में ऑपरेट कर सकती हैं और अत्याधुनिक एस्ट्यूट क्लास पनडुब्बियों के साथ मिलकर काम करती हैं। इन गोताखोरों को न केवल बम निरोधक कार्यों में महारत हासिल है, बल्कि उन्हें काउंटर-टेरर ऑपरेशनों के लिए स्पेशल बोट सर्विस के साथ तालमेल बिठाने का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री माइंस का खतरा वैश्विक व्यापार के लिए अत्यंत गंभीर है। अनुमान है कि ईरान के पास लगभग 5,000 समुद्री माइंस का भंडार है, जो जहाजों के संपर्क में आने, चुंबकीय खिंचाव या ध्वनि संकेतों के माध्यम से विस्फोट कर सकती हैं। इनमें से कुछ माइंस समुद्र तल पर टिकी होती हैं, जो ऊपर से गुजरने वाले जहाज पर रॉकेट की तरह हमला करती हैं, जबकि कुछ सतह के ठीक नीचे तैरती रहती हैं। सबसे घातक वे माइंस हैं जिन्हें बिछाने के कई दिनों बाद सक्रिय किया जाता है, जिससे उनके स्थान का पता लगाना लगभग असंभव हो जाता है। होर्मुज का यह समुद्री मार्ग वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है, जहाँ से दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति गुजरती है। वर्तमान संघर्ष के कारण यहाँ सैकड़ों मालवाहक जहाज फंसे हुए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में अस्थिरता पैदा हो गई है। यदि माइंस के कारण यह रास्ता पूरी तरह बंद होता है, तो वैश्विक तेल संकट गहरा सकता है।

बुधवार की सुबह के बाद कभी भी ईरान पर बड़ा हमला कर सकता है अमेरिका : ट्रंप

वॉशिंगटन(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में युद्ध के बादल अब और गहरे हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने के लिए मंगलवार शाम (भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह) तक का कड़ा अल्टीमेटम दिया है। ट्रंप ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि इस निर्धारित समयसीमा तक समुद्री मार्ग से नाकेबंदी नहीं हटाई गई, तो अमेरिका ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को पूरी तरह नष्ट कर देगा। रविवार को एक साक्षात्कार और सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से ट्रंप ने बेहद आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा, ईरान के पास मंगलवार रात 8:00 बजे (ईस्टर्न टाइम) तक का वक्त है। यदि वे कुछ नहीं करते, तो उनके पास न तो कोई पावर प्लांट बचेगा और न ही कोई पुल सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए इसे ईरान के लिए पावर प्लांट और ब्रिज डे करार दिया और चेतावनी दी कि यदि जलमार्ग नहीं खुला तो ईरान को नर्क जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि सोमवार को ईरान के साथ किसी समझौते की संभावना हो सकती है, लेकिन यदि डील नहीं हुई, तो वे सैन्य कार्रवाई कर तेल क्षेत्रों पर कब्जा कर सकते हैं।

ट्रंप की इस धमकी पर ईरान ने भी कड़ा पलटवार किया है। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ ने अमेरिका को आगाह किया कि ट्रंप के ये लापरवाह कदम पूरे क्षेत्र को आग के हवाले कर देंगे। उन्होंने कहा कि यह खतरनाक खेल अमेरिका को एक जीते-जागते नर्क की ओर ले जा रहा है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में ईरानी मिशन ने नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की धमकी को युद्ध अपराध करने के इरादे का स्पष्ट सबूत बताया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इसे रोकने की अपील की। ईरान ने जलमार्ग खोलने के लिए अपनी शर्तें भी सामने रख दी हैं। राष्ट्रपति कार्यालय के अधिकारी मेहदी तबातबाई ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज तभी खोला जाएगा जब वहां से गुजरने वाले जहाजों से वसूले जाने वाले ट्रांजिट टोल का एक हिस्सा युद्ध में हुए नुकसान की भरपाई के लिए दिया जाएगा। गौरतलब है कि इस रणनीतिक समुद्री मार्ग की नाकेबंदी से वैश्विक स्तर पर ईंधन और उर्वरक की आपूर्ति बाधित होने का खतरा पैदा हो गया है। यदि यह गतिरोध जारी रहता है, तो भारत समेत कई देशों की ऊर्जा सुरक्षा पर इसका गंभीर असर पड़ेगा।

नेतन्याहू के सामने नई मुसीबत, ईरान जंग के बीच पाताल लोक से बाहर निकला हमास

गाजा सिटी,(ईएमएस)। इजरायल के उन दावों को बड़ा झटका लगा है जिनमें हमास की शक्ति को पूरी तरह समाप्त करने की बात कही गई थी। हमास के सशस्त्र विंग इज्जुद्दीन अल-कसम ब्रिगेड्स के प्रवक्ता अबू ओबैदा ने एक टेलीविजन बयान जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि संगठन हथियार डालने की किसी भी शर्त को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 20 सूत्रीय शांति योजना में शामिल निशस्त्रीकरण की शर्त को सीधे तौर पर खारिज करते हुए इसे फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ नरसंहार जारी रखने की एक खतरनाक साजिश करार दिया है।

ओबैदा ने जोर देकर कहा कि जब तक इजरायल गाजा पट्टी से अपनी सेना पूरी तरह वापस नहीं बुलाता, तब तक हथियारों के मुद्दे पर कोई चर्चा संभव नहीं है। उन्होंने मध्यस्थ देशों से अपील की कि वे पहले शांति योजना के उस चरण को लागू करवाएं जिसमें इजरायल की पूर्ण वापसी का प्रावधान है। हमास का यह कड़ा रुख ऐसे समय में सामने आया है जब इजरायल और अमेरिका लगातार यह प्रचार कर रहे थे कि हमास की सैन्य क्षमता और कमान पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। करीब 30 महीनों से जारी इस भीषण युद्ध के बावजूद हमास का यह बयान दर्शाता है कि संगठन अभी भी सक्रिय है और अपनी शर्तों पर कायम है। अबू ओबैदा ने अपने संबोधन में गाजा में हुए मानवीय नुकसान का भी जिक्र किया। आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2023 से अब तक इजरायली हमलों में 72,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं और पौने दो लाख के करीब घायल हुए हैं। हमास प्रवक्ता ने हाल के सीजफायर के दौरान भी हुए हमलों और इजरायल द्वारा फिलिस्तीनियों के लिए लाए गए मृत्युदंड के नए कानून की कड़ी निंदा की। उन्होंने वेस्ट बैंक के लोगों से इजरायली जेलों में बंद कैदियों को आजाद कराने के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। क्षेत्रीय समीकरणों पर बात करते हुए ओबैदा ने ईरान, लेबनान और यमन के हूती विद्रोहियों के समर्थन की सराहना की। उन्होंने ईरान और लेबनान पर हुए हालिया हमलों को अमेरिकी साजिश का हिस्सा बताया। हमास के इस ताजा रुख ने ट्रंप प्रशासन की शांति योजना के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि हमास का यह पाताल लोक से वापसी जैसा तेवर इजरायल की उस रणनीति की विफलता को दर्शाता है, जिसका लक्ष्य हमास को जड़ से मिटाना था। फिलहाल इजरायल की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर चरम पर है।

ईस्टर पर ट्रंप ने किया गालीभरा पोस्ट, सांसद करना चाहते हैं ट्रंप की सनक का इलाज

25वें संशोधन की धारा 4 लागू करने की मांग, वेंस को मिल सकती है राष्ट्रपति की कुर्सी!

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईस्टर के मौके पर सोशल मीडिया पर गुस्सैल और गाली भरा पोस्ट लिखा कि पूरी दुनिया हैरान रह गई। इसमें ट्रंप ने ईरान को खुलकर धमकी दी और उसमें इतनी अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया कि अब कांग्रेस में 25वें संशोधन की धारा 4 लागू करने की मांग जोर पकड़ रही है। ये धारा ही अब ट्रंप की सनक का सही इलाज करेगी। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा-'मंगलवार ईरान में पावर प्लांट डे और ब्रिज डे एक साथ होगा। जैसा कुछ पहले कभी नहीं देखा गया!!! हॉर्मुज खोल दो, पागल, वरना तुम नर्क में रहोगे बस देखते रहो!

यह पोस्ट ईस्टर सुबह 8 बजे के करीब पोस्ट किया गया, इसमें ट्रंप ने ईरान को हॉर्मुज न खोलने पर पावर प्लांट और ब्रिज तबाह करने की धमकी दी थी लेकिन भाषा बेहद गंदी थी। मिडिल ईस्ट युद्ध के बीच यह पोस्ट और भी संवेदनशील माना जा रहा है। ऐसे में डेमोक्रेट्स ने 25वें संशोधन की मांग की। डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस मर्फी ने एक्स पर लिखा

कि अगर मैं ट्रंप की कैबिनेट में होता तो ईस्टर पर संवैधानिक वकीलों से 25वें संशोधन के बारे में बात करता। यह पूरी तरह से पागलपन है।

एमएसएनबीसी के पूर्व होस्ट मेहदी हसन ने पोस्ट की तस्वीर शेयर करते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति और कैबिनेट को तुरंत 25वें संशोधन की धारा 4 लागू करनी चाहिए। यह अमेरिकी संविधान का एक अहम प्रावधान है, जो 1967 में राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी की हत्या के बाद पास किया गया था। इसका मकसद होता है अगर राष्ट्रपति मर जाए, इस्तीफा दे दे, हटा दिया जाए या अक्षम हो जाए तो उपराष्ट्रपति को सत्ता सौंपने की प्रक्रिया तय करना। इसमें कुल चार धाराएं, जिसमें से चौथी धारा को मौजूद वक्त में लागू करने की मांग हो रही है।

जानकारी के मुताबिक धारा-1 में अगर राष्ट्रपति मर जाए, इस्तीफा दे दे या हटा दिया जाए तो उपराष्ट्रपति पूर्ण राष्ट्रपति बन जाता है। धारा-2 में अगर उपराष्ट्रपति का पद खाली हो तो राष्ट्रपति नया नाम प्रस्तावित करता है, जिसे कांग्रेस की मंजूरी चाहिए होती है। धारा-3 में अगर राष्ट्रपति खुद को अस्थायी रूप से अक्षम महसूस करे तो वह उपराष्ट्रपति को अस्थायी रूप से सत्ता सौंप सकता है। धारा-4 सबसे अहम है क्योंकि इसमें उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के बहुमत को अधिकार है कि वे लिखित रूप से घोषणा करें कि राष्ट्रपति अपने कर्तव्यों को निभाने में असमर्थ हैं। इसके बाद उपराष्ट्रपति तुरंत एक्टिंग राष्ट्रपति बन जाता है।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई और राजस्थान का मुकाबला

गुवाहाटी (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। इस मैच में जहां रॉयल्स जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी। वहीं मुम्बई का लक्ष्य पिछले मैच में मिली हार से उबरकर जीत की राह पर वापसी करना रहेगा। आंकड़ों पर नजर डालें ता अब तक दोनो के बीच 31 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 16 मुम्बई ने जबकि 14 रॉयल्स ने जीते हैं। कप्तान रियान पराग की राजस्थान टीम ने अब तक काफी अच्छा खेला है। टीम के हर खिलाड़ी ने अपनी ओर से योगदान दिया है। यशस्वी जायसवाल ने टीम को अच्छी शुरुआत दी है, वहीं वैभव सूर्यवंशी ने इसे तेजी रही है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने पावरप्ले के दौरान टीम को काफी गति प्रदान की है। मध्यक्रम में ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला है, जबकि शिमरोन हेटमायर ने दबाव भरे पलों में भी बड़े-बड़े छक्के लगाकर टीम लक्ष्य तक पहुंचाया है। पराग ने स्वयं भी अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों से टीम में अहम योगदान दिया है, जिससे टीम की मुख्य बल्लेबाजी संरचना में स्थिरता बनी रही है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के आने से टीम का संतुलन बेहतर हुआ है। गेंदबाजी में टीम के पास जोफ्रा आर्चर जैसा तेज गेंदबाज है। वहीं नांद्रे बर्गर ने ने उनका अच्छा साथ दिया है। बीच के ओवरों में रवि बिश्नोई ने अपनी स्पिन से विरोधियों पर अंकुश लगाया है। वहीं संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे ने भी अच्छी गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर दूसरी ओर मुंबई इंडियंस की टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या की इस मैच से वापसी अभी तय नहीं है। ऐसे में कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास ही रहने की संभावना है। मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा , सूर्यकुमार यादव के साथ ही तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी।

इसके अलावा रयान रिकेल्टन शेरफेन रदरफोडर् और मिशेल सैंटनर के अलावा टीम के पास । शार्दुल ठाकुर जैसे ऑलराउंडर हैं। मुंबई की गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट पर आधारित है। वहीं बीच के ओवरों में स्पिनर मिशेल सैंटनर विरोधी टीम पर अंकुश लगायेंगे। कुल मिलाकर देखा जाये तो मुकाबला रोमांचक होगा।

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, तुमार देशपांडे, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई। इम्पैक्ट प्लेयर- डोनोवन फरेरा।

मुम्बई इंडियंस : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, मिचेल सेंटनर, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह। इम्पैक्ट प्लेयरः शार्दुल ठाकुर।

बांग्लादेश बोर्ड में थम नहीं रहा विवाद, एक ही दिन में चार इस्तीफे

अब तक कुल सात निदेशकों ने पद छोड़ा

ढ़ाका (ईएमएस)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि बैठक के बाद चार सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। एक ही दिन में चार इस्तीफे से सभी हैरान हैं। इस्तीफा देने वाले अधिकतर सदस्य केवल 6 महीने ही बोर्ड के साथ रहे हैं। वहीं कुल मिलाकर देखा जाये तो अब तक 25 में से 7 बोर्ड निदेशकों ने इस्तीफा दे दिया है। इससे बीसीबी प्रशासन के कामकाज को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि इस्तीफ बीसीबी प्रमुख अमीनुल इस्लाम के विरोध में हुए हैं। इसके बाद भी अमीनुल इस्तीफा नहीं देना चाहते हैं। पिछले साल के चुनाव में कथित गड़बड़ी और सत्ता के गलत इस्तेमाल की जांच में भी वह दोषी नहीं पाये गये हैं जिससे उनका मनोबल बढ़ गय है। बांग्लादेश सरकार को भी रिपोर्ट दे दी गयी है। इसमें चुनावों को सही पाया गया है हालांकि कुछ सवाल बने हुए हैं। बोर्ड पर खेल मंत्रालय का दबाव बना हुआ है। अब तक इस्तीफा देने वाले चार निदेशकों में सनियान तनीम, मेहराब आलम, फैयाजुर रहमान और मंजुरुल आलम शामिल हैं। अमीनुल ने कहा, मैं अपनी कुर्सी पर बैठा रहूंगा, मैं और क्या कर सकता हूं? मैं जाने वाला आखिरी इंसान होऊंगा। मेरे पास बोर्ड एक बहुत अच्छी, समर्पित और ईमानदार टीम है। मैं इस टीम के साथ बांग्लादेश क्रिकेट की सेवा करना चाहता हूँ।उन्होंने साथ ही कहा, "मैं आईसीसी में काम करने वाला अकेला बांग्लादेशी था। मैं यह नहीं कह रहा कि मैं कुछ बड़ा हूं पर मैं अपने अनुभव की वजह से यहां बैठा हूं। मैंने अपने देश के समर्थन के लिए और सब कुछ छोड़ दिया। अगर यह अब मेरा नहीं रहा, तो मैं दूसरा रास्ता देखूंगा, लेकिन मैं अपने देश को समर्थन देना जारी रखूंगा। हूँ। हमारी टीम अच्छी है और वेमैं इस टीम के साथ काम करना चाहता हूं और बांग्लादेश क्रिकेट की सेवा करना चाहता हूं।"अमीनुल ने ये भी कहा, हम एक दिन भी आजादी से काम नहीं कर सके, क्योंकि एक बाहरी ताकत हमेशा हमें परेशान कर रही थी और अब भी कर रही है। हमारा क्रिकेट रुका हुआ है और मैंने कई बार कहा है कि एक बाहरी ताकत हमें परेशान कर रहे है और इस वजह से हमारे क्रिकेट की एफ़्तार धीमी हो गयी है। कार्यक्रम में टकराव के कारण अमीनुल जांच कमेटी के सामने पेश नहीं हुए, लेकिन उन्होंने एक लिखित जवाब सौंप दिया है।

गोल्फर स्पॉन ने टेक्सास ओपन जीता

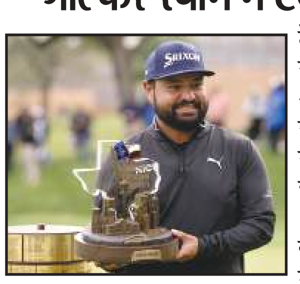

टेक्सास (ईएमएस)। अमेरिकी गोल्फर जेजे स्पॉन ने वेल्वरों टेक्सास ओपन गोल्फ खिताब जीता है। स्पॉन ने फाइनल राउंड में 5-अंडर 67 का स्कोर करते हुए एक शॉट से जीत हासिल की। टूर्नामेंट के अंतिम दौर में 16वें होल पर स्पॉन ने शानदार बर्डी के बाद 17वें होल पर अपने बेहतरीन शॉट के साथ ही ईगल बनाकर बढ़त दर्ज की। वहीं 18वें होल पर पार बनाकर उन्होंने कुल 17-अंडर 271 स्कोर के साथ लक्ष्य हासिल कर लिया। नंबर एक स्थान पर रहे स्पॉन का मनोबल इस सफलता से द मास्टर्स से पहले बढ़ा है। इस टूर्नामेंट में रॉबर्ट मैकइंटायरी दूसरे नंबर पर रहे। 17वें होल पर मैकइंटायरी ने ईगल बनाकर स्पॉन को कड़ी टक्कर दी पर अंतिम होल पर वह सही शॉट नहीं लगा पाये। उनका बर्डी पुट भी छोटा रहा जिससे वह प्लेऑफ में नहीं पहुंचे। मैकइंटायर दूसरे स्थान पर रहे। उनके साथ मैट वालेस और माइकली किम भी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। वहीं लुडविग एबर्ग तीसरे नंबर पर रहे।

धोनी फिटनेस टेस्ट में पास हुए तो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उतरेंगे

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने शुरुआती तीनो ही मैचों में हार के कारण मुश्किलों में फंसी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए राहत की खबर है। टीम को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी की अगले मैच में वापसी हो सकती है बशर्ते वह फिटनेस टेस्ट में पास हो जाएं। धोनी काफ इंजरी (पिंडली की चोट) के कारण अब तक इस लीग में नहीं खेल पाये हैं हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है पर उन्हें खेलने की अनुमति फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही मिलेगी। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो वह 11 अप्रैल को चेन्नई में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच से वापसी करेंगे। अगर ऐसा होता है तो सीएसके का मनोबल बढ़ जाएगा। धोनी के नहीं होने पर सीएसके को काफी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। उनके रहने से टीम को मार्गदर्शन मिलता रहता है। इस बार आईपीएल 2026 अंकतालिका में टीम का खाता भी नहीं खुला है और वह सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। सीएसके के लिए इस मैच से युवा डेवाल्ड ब्रेविस भी वापसी कर सकते हैं क्योंकि अब वह भी अपनी चोट से उबर गये हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में अगर धोनी और ब्रेविस खेलते हैं तो इससे सीएसके को काफी लाभ होगा। अगले कुछ दिनों में धोनी का फिटनेस टेस्ट होने की संभावना है और अगर वह इसमें पास हो गए तो चेपॉक में दिल्ली के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। आईपीएल में सीएसके धोनी पर कितना निर्भर है इसका अंदाजा आंकड़ों से होता है। अब तक धोनी ने केवल 8 मुकाबले नहीं खेले हैं। 3 मुकाबला 2010 में, 2 मुकाबले 2019 में और 3 मुकाबले अब तक 2026 में उन्होंने नहीं खेले हैं।

केकेआर टीम का हौसला बढ़ाने ईडेन गार्डेंस पहुंचे शाहरुख खान

कोलकाता में बारिश रुकी, केकेआर की खराब शुरुआत

वैंकी मैसूर से चर्चा करते आए नजर

कोलकाता केकेआर और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल 2026 का मुकाबला देखने बॉलीवुड के अभिनेता और कोलकाता फ्रेंचाइजी के मालिक शाहरुख खान ईडेन गार्डेंस पहुंचे। इस दौरान वह टीम के सीईओ वैंकी मैसूर के साथ चर्चा करते नजर आए।कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मालिक और बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान कोलकाता के ईडेन गार्डेंस में मैच का आनंद लेने पहुंचे। केकेआर का सामना पंजाब किंग्स से हो रहा है। केकेआर के लिए मौजूदा सीजन अच्छा नहीं रहा है और टीम ने शुरुआती दो मैच गंवाए हैं। इस बीच, शाहरुख अपनी बेटी सुहाना खान के साथ टीम का हौसला बढ़ाने पहुंचे हैं।

केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। टीम की शुरुआत हालांकि, अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआत में ही दो विकेट गंवा दिए। केकेआर को जैवियर बार्टलेट ने एक ही ओवर में दो झटके दिए। बार्टलेट ने पहले फिन एलेन को आउट किया और फिर कैमरन ग्रीन को पवेलियन भेजा। मैच में हालांकि बारिश ने खलल डाला और 3.4 ओवर का खेल होने के समय बारिश आ गई जिस कारण मैच को रोकना पड़ा। **वरुण की चोट ने बढ़ाई चिंता** :आईपीएल 2026 में खिलाड़ियों की चोट की समस्या से जूझ रही केकेआर को एक और झटका लगा है। टीम के स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती चोटिल हो गए हैं जिस कारण वह पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में नहीं खेल रहे हैं। रहाणे ने टॉस के दौरान बताया कि वरुण चक्रवर्ती पिछले मैच में कैच लेते वक्त चोटिल हो गए थे जिस कारण वह इस मैच का हिस्सा नहीं हैं। वहीं, सुनील नरेन को भी प्लेइंग-11 में जगह नहीं दी गई है क्योंकि वह बीमार हैं। वरुण और नरेन की जगह रोवमैन पॉवेल और नवदीप सैनी को जगह मिली है।**वैंकी मैसूर से की चर्चा** :बारिश के कारण जब मैच रुका था तो शाहरुख खान केकेआर के सीईओ वैंकी मैसूर के साथ गंभीर चर्चा करते नजर आए। केकेआर के लिए इस सीजन की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम का अपने होम ग्राउंड पर ये दूसरा ही मुकाबला है। शाहरुख और मैसूर के बीच लगातार बातचीत होती रही जिसने सभी का ध्यान खींचा। इस दौरान सुहाना भी शाहरुख के साथ मौजूद रहीं।

संग्राम सिंह अर्जेंटीना में एमएमए खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

ब्यूनस आयर्स (ईएमएस)। भारत के संग्राम सिंह ने अर्जेंटीना में मिक्स्ड मार्शल आर्ट् (एमएमए) खिताब जीत लिया है। संग्राम ये एक अहम उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। संग्राम ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन को दो मिनट में ही हरा दिया। इस जीत के साथ ही संग्राम ने एक बार फिर अपने को साबित किया है। संग्राम की एमएमए में यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी और नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में भी मुकाबले जीते थे। वह कॉमनवेल्थ हेवीवेट चैंपियन भी रहे हैं। वहीं जीत के बाद संग्राम ने कहा, मेरे लिए जीत या हार अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। मैं या तो जीतता हूं या सीखता हूं। मैं हमेशा कहता हूं कि जुनून की कोई उम्र नहीं होती। मेरा सपना था कि मैं अर्जेंटीना में जीतने वाला पहला भारतीय बनूं और आज मेरा सपना पूरा हो गया है। संग्राम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच को दिया है। उन्होंने कहा, मैं अपने कोच का आभार व्यक्त करता हूं, जो पिछले 25 साल से मेरे साथ हैं। उन्होंने मेरी सफलता के लिए दिन-रात मेहनत की। संग्राम के सामने फ्लोरियन काफी कमजोर नजर आये भारतीय रेसलर ने उन्हें पहले किक पकड़कर गिराया और फिर अपने दांव आजमाकर मैच अपने नाम कर लिया। संग्राम ने इससे पहले भी कई देशों में हुए खिताबी मुकाबले जीते हैं और वह इस क्षेत्र में देश का नाम रौशन करते आये हैं।

मकाओ में आईटीटीएफ पुरुष व महिला विश्वकप के एक मैच में खेलती हुई जर्मनी की सबीना विंटर।

मिलान में सीरीज ए फुटबॉल मैच में गोल दागते हुए इंटरमिलान के मार्कस थिरुम।

सरफराज ने पॉवरप्ले में अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज सरफराज खान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में नंबर चार पर खेलते हुए पावरप्ले में अर्धशतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इस मैच में हालांकि वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। आरसीबी की टीम के 250 रनों के जवाब में सीएसके टीम 19.4 ओवर में 207 रन ही बना पायी।

सरफराज के लिए आमतौर पर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच अच्छी रही। इससे पहले साल 2015 में उन्होंने यहां आरसीबी की ओर से खेलते हुए 45 रन बनाये थे। अब एक दशक बाद इसी मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेली है। इस मैच में सीएसके के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए विफल रहे। शीर्ष तीन बल्लेबाज संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे केवल 17 रन ही बना पाये। सरफराज ने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाया।

सरफराज अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही आईपीएल में आईपीएल में नंबर 4 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए पहले छह ओवरों के अंदर अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। वहीं आरसीबी के खिलाफ सरफराज का यह दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले उन्होंने साल 2019 में पंजाब किंग्स की ओर से एक अर्धशतक लगाया था. वहीं अब छह साल बाद अपना दूसरा अर्धशतक लगाया है।

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी। वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है। केन का इस सीजन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने क्लब और राष्ट्रीय टीम की ओर से काफी गोल किये हैं। ऐसे में उनके बार रहने से टीम को नुकसान पहुंचेगा। आने वाले माह में विश्व स्तर का बड़ा टूर्नामेंट भी होना है, ऐसे में टीम प्रबंधन चाहत ही हैरी को पर्याप्त आराम दे दिया जाये जिससे कि वह तय समय तक फिट हो जायें।

बुखारेस्ट में एटीटी टिरियाक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते हुए अर्जेंटीना के मैरियानो नवोना।

आईपीएल में लगातार हार से सीएसके की रणनीति पर उठे सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को लगातार तीसरे मैच में मिली हार से निराशा हुई है। इससे जहां सीएसके के लीग से बाहर होने की संभावना बढ़ गयी है। वहीं उसकी रणनीति पर भी सवाल उठने लगे हैं। इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए सीएसके ने युवा प्रशांत वीर सहित कुछ यूवाओं को काफी बड़ी कीमत देकर खरीदा था पर किसी को भी अधिक अवसर नहीं मिले। ऐसे में सवाल उठे हैं कि अधिक कीमत देकर इन खिलाड़ियों को किस कारण से खरीदा गया। प्रशांत ने पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेला पर उन्हें एक भी ओवर नहीं मिला। इसी प्रकार अन्य युवाओं को भी काफी कम अवसर मिले। वहीं अब लगातार हार से सीएसके की टीम अंक तालिका में सबसे नीचे खिसक गयी है। तो सवाल उठ रहे हैं कि ऑलराउंडर से केवल बल्लेबाजी ही क्यों कराई जा रही है। पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्होंने डेब्यू किया और गेंदबाजी नहीं की। वहीं आरसीबी के खिलाफ भी उन्हें गेंदबाजी नहीं दी गयी। इससे साफ है कि सीएसके ने प्रशांत को 14 करोड़ से अधिक की राशि देकर गलती की। वह इसकी जगह पर किसी एक गेंदबाज को ले सकती थी।

सीएसके के लिए प्लेऑफ की राह अभी खुली हुई

बचे हुए 11 में से 8 मैच जीतने होंगे

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में लगातार तीसरी हार मिली है। यह इस टूर्नामेंट में दूसरा अवसर है, जब सीएसके ने शुरुआत के तीन मैच हारी है। इससे पहले साल 2022 में सीएसके ने शुरुआती चार मुकाबले खो दिए थे जिससे अब ये सवाल उठने लगे हैं कि क्या टीम अब भी प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर सकती है ? तो इसका जवाब है हां। लगातार तीन हार से सीएसके अंकतालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गयी है पर इसके बाद भी उसके प्लेऑफ में पहुंचने के रास्ते खुल हुए हैं। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अभी सीएसके के सामने कोई बाधा नहीं है। न ही ऐसा है कि उसे दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़े। उस इसके लिए केवल आगे के बचे हुए 11 में से 8 मैच जीतने होंगे क्योंकि शीर्ष-4 में सीधे जगह बनाने के लिए किसी भी टीम को कम से कम 16 अंकों की जरूरत होती है और इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए सीएसके को बचे हुए 11 मैचों में से 8 मैच हर हाल में जीतने होंगे। लगातार तीन हार से चेन्नई का नेट रन रेट -2.517 भी सबसे खराब हो गया है। ऐसे में अगर टूर्नामेंट के अंत में शीर्ष-4 की एसी स्थिति बनती है कि सीएसके के अंक किसी दूसरी टीम के बराबर होते हैं, तो कम रन रेट के कारण सीएसके को बाहर होना पड़ेगा। ऐसे में सीएसके को बड़े अंतर से जीत हासिल कर रन रेट भी बेहतर करना होगा। सीएसके का अगला मुकाबला 11 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से होगा और इस मैच से जीतकर वह वापसी करना चाहेगी।

शुरुआती बल्लेबाजों के विफल होने से हारे : ईशान किशन

हैदराबाद (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद के कार्यकारी कप्तान ईशान किशन ने आईपीएल में यहां अपने घरेलू मैदान में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। इस मैच में सनराइजर्स को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ईशान ने कहा है कि शुरुआती बल्लेबाजों के असफल होने से टीम हारी है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने चार विकेट खो दिये थे। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी 56 रन और हेनरिक क्लासेन के 62 रनों की सहायता से सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में केवल 156 रन तक पहुंची थी। ईशान ने कहा कि जो स्कोर उनकी टीम ने बनाया था वह बचाव के लिए पर्याप्त नहीं था। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी हर्ष दुबे ने 18 रन देकर दो विकेट लेकर अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। इससे टीम ने अंतिम ओवर तक जीत हासिल करने का प्रयास किया।

ईशान ने कहा कि यह एक अच्छा मैच था पर बचाव के लिए उनके रन कम पड़ गये। गेंदबाजों ने योजना के अनुसार अच्छी गेंदबाजी की और क्षेत्ररक्षकों ने भी अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। साथ ही कहा शुरुआत में 4 विकेट गिरने से दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव आ गया पर क्लासेन और नीतीश ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 150 से ऊपर पहुंचाया। वहीं सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ ने अच्छी बल्लेबाजी कर मैच हमारे हाथ से छीन लिया।

पिछले सत्र की कमजोरियों को दूर करने से लाभ मिला : बिश्नोई

मुम्बई (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर रवि बिश्नोई ने कहा है कि पिछले सत्र की कमजोरियों को दूर करने का लाभ उसे इस सत्र में मिला है। इसी कारण वह इस सत्र में अब तक अच्छी गेंदबाजी करने में सफल हुए हैं। बिश्नोई के अनुसार उन्होंने अपनी गलतियों पर घरेलू क्रिकेट में काम किया है। बिश्नोई ने मैच के बाद कहा पिछला सत्र मेरे लिए काफी कठिन रहा था, पर मैंने अपने तरीके से काम किया। अगर उनकी लेंथ सही नहीं होती तो बल्लेबाज उन्हें आसानी से चौके-छक्के मार देते थे। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी थी, जिस पर उन्होंने पूरे घरेलू सत्र में काम किया।बिश्नोई ने बताया कि जब उनकी लेंथ सही जगह पर पड़ती है तो बल्लेबाजों के लिए रन बनाना कठिन हो जाता है।बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने घरेलू क्रिकेट के दौरान मानसिक, तकनीकी और शारीरिक तीनों पहलुओं पर काम किया, जिसका परिणाम अब दिख रहा है। आईपीएल में इस गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में चार विकेट लिए और वह प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। बिश्नोई सबसे पहले साल 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े थे। पहले दो सत्र में उन्होंने 13 और 16 विकेट लिए, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन नीचे आया। आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैच में 10 विकेट लिए, जबकि पिछले सीजन में 11 मैच में सिर्फ 9 विकेट ही ले सके और उनका इकॉनमी रेट भी काफी ज्यादा रहा।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। ।युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं।युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं।

डुमरिया में महिला सशक्तिकरण की नई उड़ान

सखी मंडल की दीदी को मिला टाटा एस डीडीसीने दिखाई हरी झंडी

जामताड़ा ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जामताड़ा जिले के करमाटांड़ प्रखंड स्थित डुमरिया संकुल में सोमवार को एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन समिति (जेएसएलपीएस) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना (AGEY) के तहत सखी मंडल की सदस्य यशोदा पाल को स्वरोजगार के लिए Tata Ace वाहन प्रदान किया गया।
योजना का उद्देश्यः रोजगार के साथ परिवहन सुविधा यह योजना दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (दिन-एनआरएलएम) की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्यः ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती और सुरक्षित परिवहन सुविधा देना महिलाओं को ब्याज मुक्त ऋण देकर उद्यमी बनाना डीडीसी ने सौंपी चाबी, दिखाई हरी झंडी कार्यक्रम में जिला उप-विकास आयुक्त निरंजन कुमार ने यशोदा पाल को वाहन की चाबी सौंपी और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा— "जब एक महिला आत्मनिर्भर बनती है, तो पूरा परिवार और समाज आगे बढ़ता है।" पारंपरिक स्वागत और सामूहिक संकल्प कार्यक्रम की शुरुआत सखी मंडल की दीदियों के पारंपरिक स्वागत से हुई। इसके बाद सभी ने मिलकर गांव के विकास और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने क्या कहा SLPS के जिला कार्यक्रम प्रबंधक राहुल रंजन ने कहा कि हर जरूरतमंद महिला तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।" इस मौके पर मुखिया बालदेव मरांडी, BPM शेखर प्रसाद, पंचायत सचिव रिंकू राणा, वार्ड सदस्य इरशाद अंसारी सहित कई अधिकारी और बड़ी संख्या में सखी मंडल की महिलाएं उपस्थित रहीं। डुमरिया में यह पहल सिर्फ एक वाहन वितरण नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल है। इससे न सिर्फ यशोदा पाल को रोजगार मिलेगा, बल्कि गांव में परिवहन सुविधा भी बेहतर होगी—यानी विकास की रफ्तार अब गांव की सड़कों पर दौड़ेगी।

सेना में करियर को लेकर युवाओं में जागरूकता, प्रेरक संवाद सत्र आयोजित

कर्नल अनिल यादव ने विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र, 90 से अधिक छात्रों ने लिया हिस्सा

दुमकाः कर्नल अनिल यादव, कमांडिंग ऑफिसर, 4 झारखंड गर्ल्स बटालियन एनसीसी, ने राजकीय पुस्तकालय, दुमका में 90 से अधिक विद्यार्थियों के साथ प्रेरणादायक संवाद सत्र आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय सेना में करियर के अवसरों एवं राष्ट्रसेवा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।सत्र में विद्यार्थियों ने सेना की संरचना, कार्यप्रणाली एवं जिम्मेदारियों को समझने में गहरी रुचि दिखाई। कर्नल यादव ने इन्फैंट्री, आर्मर्ड कोर, आर्टिलरी, इंजीनियर्स, सिग्नल्स सहित विभिन्न शाखाओं की जानकारी दी।
अग्निवीर योजना पर दी विस्तृत जानकारी
उन्होंने अग्निवीर योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया, पात्रता, प्रशिक्षण एवं लाभों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता, शारीरिक फिटनेस एवं व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान एवं पुस्तकालयाध्यक्ष फिरदौसी बेगम का आभार व्यक्त किया।

फतेहपुर के आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्मी मे बंटे गए स्वेटर

जामताड़ा जिला अंतर्गत फतेहपुर प्रखंड में बाल विकास विभाग की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। सोमवार को प्रखंड के 169 आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के लिए 1626 ऊनी स्वेटर का वितरण किया गया, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि यह वितरण भीषण गर्मी के मौसम में किया गया। ठंड में कमी, गर्मी में भरमार स्थानीय लोगों का कहना है कि ठंड के समय पर्याप्त स्वेटर उपलब्ध नहीं कराए गए कई बच्चों को सर्दी में परेशानी झेलनी पड़ी अब गर्मी में स्वेटर वितरण का कोई औचित्य समझ नहीं आता इससे लोगों में नाराजगी साफ देखी गई। अन्य सामग्री वितरण पर भी सवाल स्वेटर के साथ-साथ आंगनबाड़ी सेविकाओं को एक बक्सा, एक कुर्सी ,दो दरी, एक दीवार घड़ी, एक ताला भी दिया गया।लेकिन सेविकाओं ने नाम न छापने की शर्त पर आरोप लगाया कि उन्होंने 4800 जमा किए, जबकि मिली सामग्री उस राशि के अनुरूप नहीं है। इस संदर्भ में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रभारी सीडीपीओ प्रेम कुमार दास ने कहा कि ठंड से पहले सभी 169 केंद्रों के लिए स्वेटर की मांग भेजी गई थी उस समय केवल आधे स्वेटर ही मिल पाए थे शेष स्वेटर अब विभाग से प्राप्त हुए हैं उन्होंने कहा—"भले ही स्वेटर अभी आए हैं, लेकिन आगामी ठंड को ध्यान में रखते हुए उनका वितरण किया गया है।" फतेहपुर में स्वेटर वितरण का यह मामला एक बार फिर योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन पर सवाल खड़ा करता है। जरूरत के समय संसाधन न मिलना और बाद में अनुपयोगी समय पर वितरण, प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठाता है।

रूहानी माहौल में खत्म हुआ केंदुआडीह का तीन दिवसीय जिला इज्तेमा

हजारों लोगों ने मांगी अमन-चैन की दुआ

जामताड़ा । नारायणपुर प्रखंड के केंदुआडीह गांव में आयोजित तीन दिवसीय सालाना जिला इज्तेमा रूहानी माहौल और सामूहिक दुआ के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान जामताड़ा समेत आसपास के कई जिलों से हजारों की संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की। तीन दिनों तक पूरा इलाका इबादत, तकरीर और इस्लाही पैगाम से गूंजता रहा ।
तकरीरों में इंसानियत और भाईचारे का संदेश : इज्तेमा में पहुंचे उलेमा-ए-कराम ने अपनी तकरीरों में समाज सुधार, इंसानियत, आपसी भाईचारे और नैतिक मूल्यों पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी जिंदगी को अच्छे उसूलों पर चलाएं और बुराइयों से दूर रहें।
तालीम को बताया तरक्की का रास्ता : उलेमा ने कहा कि समाज की तरक्की के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है। बच्चों और युवाओं को दीन के साथ-साथ दुनियावी तालीम हासिल करने की नसीहत दी गई, ताकि वे एक जागरूक और मजबूत समाज का निर्माण कर सकें।तकरीरों में यह भी कहा गया कि हर इंसान को दूसरों के हक का ख्याल रखना चाहिए और जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। मुश्किल वक्त में एक-दूसरे का सहारा बनना ही असली इंसानियत है। इज्तेमा के अंतिम दिन हजारों लोगों ने एक साथ हाथ उठाकर देश की अमन-शांति, तरक्की और खुशहाली के लिए दुआ मांगी। यह रूहानी दृश्य हर किसी को भावुक कर गया।केंदुआडीह का यह इज्तेमा सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देने का माध्यम भी बना। इसने एक बार फिर साबित किया कि जब लोग एकजुट होकर अच्छाई, तालीम और इंसानियत की राह पर चलते हैं, तो समाज में अमन और तरक्की खुद-ब-खुद आती है।

उपायुक्त का औचक निरीक्षण, लंबित फाइलों पर सख्त निर्देश

जिला विकास एवं ग्रामीण विकास शाखा की कार्यप्रणाली की समीक्षा

दुमकाः उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने जिला विकास शाखा का औचक निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने रैंडम फाइलों की जांच करते हुए निर्देश दिया कि कोई भी फाइल लंबित न रहे और सभी कार्य समयबद्ध तरीके से निष्पादित किए जाएं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्म पुस्तिका, आगत-निर्गत पंजी, लॉग बुक एवं गार्ड फाइल सहित विभिन्न अभिलेखों की जांच की। साथ ही कर्मियों की उपस्थिति एवं कार्यशैली का भी मूल्यांकन किया।
आवास योजना के भुगतान में देरी न करने के निर्देश : इसके उपरांत उपायुक्त ने जिला ग्रामीण विकास शाखा कार्यालय का निरीक्षण किया और आवास योजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी योग्य लाभुकों को समय पर योजना का लाभ मिले और किसी भी भुगतान में अनावश्यक देरी न हो।
उन्होंने 31 मार्च तक किए गए भुगतानों की जानकारी लेते हुए स्पष्ट किया कि लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान उप विकास आयुक्त सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत बकरा-बकरी व चूजे का वितरण

जामताड़ा फतेहपुर प्रखंड में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत लाभुकों के बीच सोमवार को बकरा-बकरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख अरविंद कुमार मुर्मू एवं पशु चिकित्सा पदाधिकारी मुकेश कुमार ने चयनित लाभुकों को स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 8 बकरियां और 2 बकरे प्रति यूनिट प्रदान किए। इस अवसर पर कुल 6-6 लाभुकों को योजना का लाभ मिला। पशु चिकित्सा पदाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि योजना के अंतर्गत केवल पशुओं का वितरण ही नहीं, बल्कि लाभुकों को उनके रख-रखाव, खान-पान एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण भी दिया गया है। प्रशिक्षकों द्वारा बकरी पालन के आधुनिक तरीके, रोगों से बचाव एवं उचित देखभाल की विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि लाभुक अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के दौरान लगभग 400 चूजों व अन्य सामग्री का भी वितरण किया गया, जिसमें चूजे पालन के लिए आवश्यक उपकरण, पिंजरा, दाना एवं पेयजल की व्यवस्था शामिल है। प्रमुख अरविंद कुमार मुर्मू ने बताया कि इन सुविधाओं से पशुपालन को सरल बनाया जा सकेगा और लाभुकों की आय में वृद्धि होगी। कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी दिशा में "डोर-टू-डोर" पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रह जाए। आगामी चरण में अधिक से अधिक लोगों को इस योजना से जोड़ने की योजना है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में योजना के सफल क्रियान्वयन की सराहना की गई। आगे कहा कि पशुपालन ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का महत्वपूर्ण साधन है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बकरी, मुर्गी, बत्तख, सूअर, गाय एवं मछली पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल रही है। इस अवसर पर नरेश बाउरी,नवीन कुमार,निजाम अंसारी सहित लाभुक नरेश मिर्धा,रूबेन सोरेन, नित्यानंद महतो,चंपा देवी, अमित देवी,रासमुनि किस्कु, एनाउल अंसारी,मैनेजर हसदा, लैला खातून एवं जमशेद अंसारी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे
लाभुकों के बीच पशुधन वितरण करते प्रमुख अरविंद कुमार मुर्मू व अन्य

15 दिन में पूरा करें अधूरे आवास, नहीं तो होगी कार्रवाई : फतेहपुर समीक्षा बैठक में बीडीओ सख्त

जामताड़ा । फतेहपुर प्रखंड सभागार में सोमवार को आयोजित समीक्षा बैठक में आवास योजनाओं की धीमी प्रगति पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रेम कुमार दास की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), अबुआ आवास, पीएम जनमन योजना और मनरेगा की पंचायतवार समीक्षा की गई।
किस्त मिलने के बाद भी अधूरे पड़े आवास : समीक्षा में चौंकाने वाली स्थिति सामने आई, पीएम जनमन योजना के 8 लाभुकों को तीसरी किस्त मिलने के बाद भी आवास अधूरा प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) के 255 लाभुकों को दूसरी किस्त मिलने के बावजूद निर्माण अधूरा अबुआ आवास योजना (2024-25) के 398 लाभुकों ने तीसरी किस्त के बाद भी कार्य पूरा नहीं किया, वित्तीय वर्ष 2023-24 के 68 लाभुकों के आवास भी अब तक अधूरे इन आंकड़ों पर बी.डी.ओ ने कड़ी नाराजगी जताई।
15 दिन का अल्टीमेटम : बैठक में 15 पंचायतों के पंचायत सचिवों को स्पष्ट निर्देश दिया गयाःसभी लंबित आवास 15 दिनों के भीतर हर हाल में पूरा कराएं,लाभुकों को तत्काल अल्टीमेटम दें, समयसीमा में कार्य पूरा नहीं होने पर जवाबदेही तय होगी। बी.डी.ओ ने कहा कि पंचायत सचिव नियमित रूप से कार्य की निगरानी करें लाभुकों से लगातार संपर्क बनाए रखें, निर्माण कार्य में तेजी लाएं, उन्होंने दो टूक कहा—"योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।"बैठक में प्रखंड समन्वयक तापस लायक सहित सभी पंचायत सचिव मौजूद रहे।इस दौरान समय सीमा के भीतर लंबित आवासों को पूरा कराने के लिए रणनीति भी बनाई गई। निष्कर्ष - फतेहपुर में आवास योजनाओं की धीमी रफ्तार अब प्रशासन की सख्ती के दायरे में आ गई है। आने वाले 15 दिन यह तय करेंगे कि लाभुकों के सपनों का घर समय पर पूरा होता है या कार्रवाई की आंच तेज होती है।

दुमका में भाजपा का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया, ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत

दुमकाःभारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार को दुमका नगर अध्यक्ष मृणाल मिश्रा के नेतृत्व में जिला कार्यालय डंगालपाड़ा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा दुमका जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल द्वारा पार्टी का ध्वज फहराकर किया गया।इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने पार्टी के सिद्धांतों, विचारधारा एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है, जो देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।वहीं नगर अध्यक्ष मृणाल मिश्रा ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन को सशक्त बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें।कार्यक्रम में धर्मेंद्र सिंह, पिंटू अग्रवाल, मनोज पहाड़िया, मनीष कुमार, श्रीधर दास, दिनेश सिंह, संतोष पांडेय, दीप्तांशु कोचगवे, रानी सिंह, अजय गुप्ता, संतोष साह, रंजीत सिंह, जयंत साहा, ऋषिकेश गुप्ता, आनंद झा, सौरभ कुमार, रंजीत यादव, सागर साहनी, लोटन दास, ओम केसरी, सन्नी सिंह, प्रेम साह, श्याम साह, देवकांत यादव, संजय शास्त्री, मनोज पाठक, राणा मुखर्जी, अनुज केशरी, विक्की पाठक, आनंद कुमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पूर्व छात्रा तुषिता सूर्यवंशी का नवोदय में भव्य स्वागत, मिस झारखंड टीम संग पहुंचीं

जामताड़ा । जवाहर नवोदय विद्यालय, तम्माजोड़ में सोमवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय की पूर्व छात्रा एवं मिस झारखंड सेकंड रनर-अप तुषिता सूर्यवंशी (पूजा) अपनी टीम के साथ पहुंचीं । कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्जा डॉक्टर प्रीति श्री वास्ताब एवं विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।जिससे पूरे परिसर में उत्साह का माहौल रहा।11:30 बजे टीम के साथ पहुंचीं तुषिता उनके आगमन पर शिक्षकों और विद्यार्थियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि रहे मौजूद इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रीति श्रीवास्तव सहित मुख्य रूप से निम्न गणमान्य लोग उपस्थित रहे, श्री नितिश कुमार साह – डायरेक्टर, झारखंड राज्य मिस यूनिवर्स श्री मनीष पाण्डेय – फैशन डिजाइनर,मिस चन्द्रा शर्मा – लीगल एडवाइजर, अश्विन – फोटोग्राफर कार्यक्रम का संचालन मिस पौलोमी मुखर्जी ने किया
परिवार और शिक्षकों की मौजूदगी : कार्यक्रम में तुषिता के माता-पिता और चाचा भी उपस्थित रहे। साथ ही वक्ता के रूप में श्रीमती सविता कुमारी ने छात्राओं को प्रेरित किया।विद्यालय के सभी शिक्षक एवं जामताड़ा नवोदय के दो शिक्षक भी इस अवसर पर मौजूद रहे।
शिक्षा से सफलता तक का सफर : तुषिता (पूजा) ने जवाहर नवोदय विद्यालय, गिरिडीह से +2 की पढ़ाई पूरी की है।आज उनकी उपलब्धि से विद्यालय और जिले का नाम रोशन हो रहा है। इस आयोजन ने छात्रों को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने की प्रेरणा दी। तुषिता सूर्यवंशी की सफलता यह दिखाती है कि छोटे शहरों से निकलकर भी युवा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

भाजपा का 47वां स्थापना दिवस मनाया गया, विकास यात्रा विषय पर संगोष्ठी आयोजित

दुमकाःभारतीय जनता पार्टी द्वारा सोमवार को पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर पुराने भाजपा कार्यालय में "भाजपा की विकास यात्रा" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में निवर्तमान जिलाध्यक्ष गौरवकांत एवं वर्तमान जिलाध्यक्ष रूपेश कुमार मण्डल उपस्थित रहे।निवर्तमान जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना देश में एक वैचारिक क्रांति के रूप में हुई थी, जिसका उद्देश्य राष्ट्रवाद, सुशासन और अंत्योदय के सिद्धांतों को लागू करना रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अपने संघर्ष और समर्पण के बल पर आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी के रूप में पहचान बनाई है। केंद्र में भाजपा सरकार के नेतृत्व में देश ने विकास, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएं।वहीं वर्तमान जिलाध्यक्ष रूपेश कुमार मण्डल ने कहा कि भाजपा की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो निस्वार्थ भाव से संगठन को मजबूत करने में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का संकल्प है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को सुदृढ़ करने, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने और समाज के हर वर्ग से जुड़कर पार्टी को मजबूत बनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर स्थापना दिवस की बधाई दी और संगठन के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष गायत्री जयसवाल, नीतू झा, अजय वर्मा, दीप्तांशु कोचगवे, दिनेश सिंह, मनीष कुमार, रंजना उपाध्याय, रानी सिंह, दर्शन हेमब्रम, संतोष ढीवर, सुजीत यदुवंशी, फारूक अनवर, राजेश वर्मा सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जामताड़ा के 15 युवाओं की बड़ी उड़ानः फाइव स्टार होटलों में इंटर्नशिप, डीसी ने केक काटकर बढ़ाया हौसला

जामताड़ा जिले के युवाओं के लिए सोमवार का दिन खास रहा, जब उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रवि आनंद (भा.प्र.से.) की पहल पर प्रशिक्षित 15 युवाओं ने सफलता की नई कहानी लिखी। डीएमएफटी फंड के माध्यम से फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट देवघर से प्रशिक्षण प्राप्त इन युवाओं का चयन देश के विभिन्न शहरों के प्रतिष्ठित फाइव स्टार होटलों में इंटर्नशिप के लिए हुआ है। प्रशिक्षण से नौकरी की ओर बढ़े कदम जिले के अलग-अलग प्रखंडों से चयनित इन युवाओं ने एक वर्ष का हॉस्पिटैलिटी प्रशिक्षण पूरा किया। अब ये सभी युवा देश के बड़े शहरों के नामी होटलों में 6 महीने की इंटर्नशिप करेंगे। उपायुक्त ने इसे जिले के लिए गर्व का क्षण बताया। डीसी ऑफिस में जश्नः केक काटा, रेसिपीकास्वादलियाउपायुक्तकार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं ने अपने हाथों से बनाई गई खास रेसिपी भेंट की। इस मौके पर उपायुक्त रवि आनंद ने बच्चों के साथ मिलकर केक काटा खुद उन्हें केक खिलाया उनके प्रयासों की जमकर सराहना की उपहार में मिला बैकपैक, भविष्य के लिए शुभकामनाएं उपायुक्त ने सभी चयनित युवाओं को बैकपैक देकर सम्मानित किया और कहा—"जिला प्रशासन हर उस युवा के साथ खड़ा है जो कुछ अच्छा करना चाहता है। हमारा प्रयास है कि जामताड़ा के बच्चे देश-दुनिया में नाम रोशन करें।"अनुशासन और मेहनत पर जोर उपायुक्त ने युवाओं को सफलता के मंत्र भी दिएः अनुशासन और कड़ी मेहनत अपनाएं समय का सही उपयोग करें मोबाइल का सीमित इस्तेमाल करें लक्ष्य के प्रति निष्ठावान रहें युवाओं ने साझा किए अनुभव पूजा कर्मकार, संजय सिंह, मृगेंद्र सिंह, त्रिशा दास समेत अन्य युवाओं ने प्रशिक्षण के अनुभव साझा किए और इस पहल के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। अजय टुडू, मनोज हांसदा, जॉय शील, जयदेव मंडल, मुस्तफा, विशाल हांसदा, पूजा कर्मकार, संजय सिंह, देव प्रसाद मरांडी, जीत भट्टाचार्य, बरुण मंडल, मृगेंद्र सिंह, त्रिशा दास, नयन घोष और संजीत मरांडी का चयन हुआ है। कार्यक्रम में जिला सहकारिता पदाधिकारी सुजीत कुमार सिंह ए डॉक्टरनिरपींद्र लिंगवाल,सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जामताड़ा प्रशासन की यह पहल न सिर्फ युवाओं को रोजगार से जोड़ रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम भी साबित हो रही है। आने वाले समय में ये युवा जिले का नाम देशभर में रोशन करेंगे।

इन्वेनटिव 2026 आईआईटी आईएसएम धनबाद में हुई शुरूआत

भारत इनोवेट्स 2026 के लिए भारत की इनोवेशन्स को ग्लोबल मंच तक ले जाने की दिशा में बड़ा कदम

धनबाद, भारत की इनोवेशन्स को ग्लोबल स्तर पर शोकेस करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आईआईटी ,आईएसएम, धनबाद में इन्वेन्टिव 2026 की शुरुआत हुई। यह फ्लैगशिप आरएंडडी फेयर भारत इनोवेट्स 2026 के लिए एक प्रमुख नेशनल फीडर प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य कर रहा है। जिसका उद्देश्य रिसर्च को स्केलेबल और मार्केट-रेडी टेक्नोलॉजीज में बदलना है। इस आयोजन में शीर्ष अकादमिक लीडर्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स, स्टार्टअप्स और इन्वेस्टर्स एक साथ आए हैं, ताकि लैब से ग्लोबल डिप्लॉयमेंट तक का एक सीमलेस पाथवे तैयार किया जा सके।आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे नेशनल मिशन्स के अनुरूप, यह आयोजन भारत को डीप-टेक इनोवेशन का ग्लोबल हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत इनोवेट्स 2026 से जुड़कर इन्वेन्टिव एक स्ट्रक्चर्ड इकोसिस्टम तैयार कर रहा है, जिससे ग्लोबल पार्टनरशिप्स, कैपिटल एक्सेस और इंटरनेशनल मार्केट इंटीग्रेशन को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर आयोजित इनॉगुरल सेशन में झारखंड के राज्यपाल , संतोष कुमार गंगवार ने चीफ गेस्ट के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उनके साथ गेस्ट्स ऑफ ऑनर के रूप में अथर शाहाब , एमडी, जुआरी इंडस्ट्रीज, सुश्री वैशाली निगम सिन्हा , को-फाउंडर, रिन्यू, संदीप कुमार , वीपी, टाटा स्टील, एवं डॉ० सुनील के. बर्नवाल , सीईओ, नेशनल हेल्थ अथॉरिटी उपस्थित थे ।सभी वक्ताओं ने इनोवेशन-ड्रिवन ग्रोथ, सस्टेनेबिलिटी और एकेडेमिया-इंडस्ट्री कोलैबोरेशन के महत्व पर जोर दिया। वेलकम एड्रेस देते हुए प्रो० सुकुमार मिश्रा, डायरेक्टर, आईआईटी आईएसएम धनबाद ने कहा की इन्वेन्टिव 2026 रिसर्च को रियल-वर्ल्ड इम्पैक्ट में बदलने की हमारी कमिटमेंट को दर्शाता है। यह प्लेटफॉर्म एकेडेमिया, इंडस्ट्री, स्टार्टअप्स और इन्वेस्टर्स को एक साथ लाकर इनोवेशन्स को वैलिडेट, स्केल और ग्लोबल मंच तक पहुंचाने में सक्षम बनाता है। विशेषकर भारत इनोवेट्स 2026 के माध्यम से।राज्यपाल , संतोष कुमार गंगवार ने इन्वेन्टिव 2026 को भारत के इनोवेशन-ड्रिवन फ्यूचर का एक ट्रांसफॉर्मेटिव प्लेटफॉर्म बताया। उन्होंने रिसर्च को एंटरप्राइज और सोसाइटी के लिए उपयोगी सॉल्यूशन्स में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को रेखांकित भी किया। वैशाली निगम सिन्हा ने कहा कि आज के समय में इनोवेशन एक नेशनल नेसेसिटी बन चुका है। उन्होंने क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन पर जोर देते हुए बताया कि रिन्यू सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्किलिंग, इन्क्लूजन और सस्टेनेबल लिवलीहुड्स को बढ़ावा देगा। संदीप कुमार ने आईआईटी, आईएसएम, को इनोवेशन का क्रेडल बताते हुए क्यूरियोसिटी-ड्रिवन थिंकिंग और इंडस्ट्री-एकेडेमिया कोलैबोरेशन के महत्व को रेखांकित किया। डॉ. शिर्षेंदु मुखर्जी ,वाधवानी इनोवेशन नेटवर्क ने कहा कि असली प्रगति साइंस को सोसाइटी में इम्पैक्ट में बदलने में है। उन्होंने वाधवानी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को रिसर्च और इंडस्ट्री के बीच एक ब्रिज बताया। अथर शाहाब ने इंडिजिनस मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट पर जोर देते हुए आयात पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता बताई।डॉ० सुनील के. बर्नवाल ने आयुष्मान भारत और डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम का उल्लेख करते हुए एआई-ड्रिवन हेल्थकेयर की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान एक हाई-लेवल राउंडटेबल ऑन रिसर्च, डेवलपमेंट एंड इनोवेशन , आरडीआई आयोजित किया गया। जिसमें प्रो० सुकुमार मिश्रा सहित आईआईटी, एनआईटी और अन्य प्रमुख संस्थानों के डायरेक्टर्स के साथ इंडस्ट्री लीडर्स और वेंचर कैपिटलिस्ट्स ने भाग लिया।इस राउंडटेबल में इनोवेशन स्केलिंग, टेक्नोलॉजी कमर्शियलाइजेशन, फंडिंग इकोसिस्टम और एकेडेमिया-इंडस्ट्री पार्टनरशिप्स पर विस्तार से चर्चा की गई। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटनः इस अवसर पर दो महत्वपूर्ण सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया गया। रिन्यू सेंटर ऑफ एक्सीलेंस , कोल-टू-ग्रीन ट्रांजिशन और सस्टेनेबल लिवलीहुड्स पर केंद्रित, वाधवानी इनोवेशन नेटवर्क सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन क्रिटिकल मिनरल्स , क्लीन एनर्जी और एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज के लिए रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने हेतु प्लेनरी सेशन्स , डे 1 ,कन्क्लूडेड सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी, इंडिजिनस चिप डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग और ग्लोबल सप्लाई चेन इंटीग्रेशन पर फोकस रहा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई के एप्लिकेशन्स, स्केलेबिलिटी और इन्वेस्टमेंट अवसरों पर भी चर्चा की गई । मटेरियल साइंस,नेक्स्ट-जनरेशन मटेरियल्स और इंडस्ट्रियल एप्लिकेशन्स पर भी विचार-विमर्श हुआ। इसके अलावे हेल्थकेयर इनोवेशन्स डिजिटल हेल्थ, बायोटेक और पब्लिक हेल्थ सिस्टम्स को मजबूत करने पर चर्चा हुई।अर्थ साइंसेज,सस्टेनेबल माइनिंग और रिसोर्स मैनेजमेंट पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम का समापन वेंचर कैपिटलिस्ट्स के साथ फायरसाइड चैट के साथ हुआ। जिसमें स्टार्टअप्स, फंडिंग और ग्लोबल मार्केट एक्सपैंशन पर चर्चा हुई। कन्क्लूडिंग डे , डे 2 में बी2बी मैचमेकिंग, स्टार्टअप पिचिंग सेशन्स और इनोवेशन इकोसिस्टम पर चर्चा होगी, जो इंडस्ट्री कनेक्ट और ग्लोबल स्केलिंग को और मजबूत करेगी। इन्वेन्टिव 2026 भारत इनोवेट्स 2026 के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर रहा है, जिससे भारत की इनोवेशन्स को ग्लोबल मंच पर पहचान और विस्तार मिलेगा । साथ ही भारत को डीप-टेक इनोवेशन में एक ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित करने में काफी मदद भी मिलेगा ।

यूथ फोर्स ने धनबाद के महापौर संजीव सिंह से मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए की शिष्टाचार मुलाकात

धनबाद । यूथ फोर्स धनबाद के संस्थापक सह अध्यक्ष अभिषेक विश्वकर्मा के नेतृत्व में शहर के अत्यंत व्यस्ततम क्षेत्र मेमको मोड़ एवं उससे सटे बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के पास लगातार बढ़ रही लोगों की आवाजाही और दूर-दराज से पढ़ने आने वाले छात्रों की समस्याओं को देखते हुए महापौर संजीव सिंह से शिष्टाचार मुलाकात कर, ज्ञापन सौंप कर महत्वपूर्ण मांग को रखी । मुलाकात के दौरान मेमको मोड़ पर एक यात्री शेड, सार्वजनिक शौचालय एवं स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की गई। ताकि आम नागरिकों एवं विद्यार्थियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें । साथ ही उन्हें दैनिक परेशानियों से राहत मिल सके । मौके पर यूथ फोर्स धनबाद के महासचिव, शंकर पांडे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, वीरेंद्र सिन्हा , सदस्य राजवीर रवानी, नरेश ठाकुर ,आदित्य विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

श्री श्री 1008 श्री विष्णु महायज्ञ सह प्रभु श्री राम कथा महोत्सव का आयोजन

धनबाद , मां अन्नपूर्णा महागौरी महिला मातृत्व शक्ति के द्वारा श्री श्री 1008 श्री विष्णु महायज्ञ सह प्रभु श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन दुहाटौड़ स्कूल मैदान में 4 अप्रैल से 10 अप्रैल तक प्रभु श्रीराम कथा प्रतिदिन संध्या 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक महंत नन्दलाल दासजी महाराज संत मौनी बाबा यज्ञाचार्य श्री व्यास पांडेय, अयोध्याधाम,जगत्गुरू गणेशा चार्य कथा वाचक,श्याम दासजी महाराज कथावाचक के द्वारा किया जा रहा है। कमेटी के गंगा साव ने कहा 11 अप्रैल को महाभंडारा में 5000 से अधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति रहेगी। यज्ञ को सफल बनाने में मां अन्नपूर्णा महागौरी महिला मातृत्व शक्ति की रेखा देवी, सुनैना देवी, बछिया देवी, गीता देवी, प्रियंका पंडित, प्रियंका देवी, प्रतिमा देवी, मुन्नी देवी, रामानंद शर्मा नरेंद्र मंडल, दिलीप साहू, बबलू राय, रामस्वरूप प्रजापति ,सोमेश्वर सिंह,ओम सिंह, पिंटू कुमार सिंह, संजय शर्मा, सनोज , मीडिया प्रभारी, सनी मंडल आदि लोगो का सक्रिय योगदान रहा है।

धनबाद बुक फेयर 2026 में हॉबी सेंटर आर्ट गैलरी आकर्षण का केंद्र बना

विश्व शांति का संदेश देती हॉबी सेंटर की चित्रकारियां काफी प्रशंसनीय : कर्नल जे के सिंह

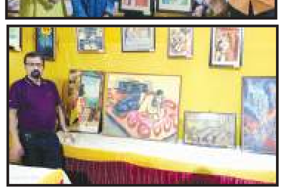
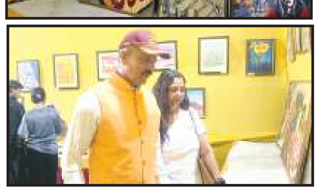

धनबाद । गोल्फ ग्राउंड में आयोजित धनबाद बुक फेयर 2026 में हॉबी सेंटर का आर्ट गैलरी इस बार आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। आर्ट गैलरी में पहुंचे मुख्य अतिथि कर्नल जे के सिंह ने हॉबी सेंटर के डायरेक्टर व ख्याति प्राप्त आर्टिस्ट शिव शंकर धर के और उनके नेतृत्व में हॉबी सेंटर के कलाकारों के द्वारा बनाई गई चित्रकारियों की खूब प्रशंसा की। इस प्रदर्शनी में कला के दो अलग-अलग दौर को दर्शाती विशेष पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई हैं। पहले दौर की पेंटिंग में 47 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक कलाकृति है। पहली बार शिव शंकर धर द्वारा बनाई गई एक अत्यंत दुर्लभ पेंटिंग प्रदर्शित की गई है। यह पेंटिंग 1979 में बनाई गई थी। जिसे लगभग 47 वर्षों के बाद पहली बार किसी सार्वजनिक प्रदर्शनी , डिस्प्ले में आम लोगों के सामने लाया गया है। दूसरी दौर की पेंटिंग में 2026 की समकालीन पेंटिंग ,युद्ध और शांति है जो वर्तमान समय यानी 2026 की वैश्विक परिस्थितियों को दर्शाती है।यह कलाकृति हाल के ईरान, अमेरिका और अन्य देशों के बीच चल रहे युद्ध और तनावपूर्ण माहौल पर आधारित है । आर्टिस्ट शिव शंकर धर ने बताया कि कला के जरिए शांति का संदेश दर्शाया गया है। इस पेंटिंग के माध्यम से कलाकार ने युद्ध की विभीषिका और शांति की महत्ता को गहराई से समझाया है। पेंटिंग यह संदेश देती है कि युद्ध में विनाश ही होता है। युद्ध का उसका परिणाम केवल बर्बादी है-घर जल जाते हैं, परिवार बिखर जाते हैं और कई लोगों के पास सिर ढकने की जगह तक नहीं बचती।आम आदमी की पीड़ा, एक आम इंसान और उसके परिवार को युद्ध के कारण किन भयानक दिक्कतों और दुखों का सामना करना पड़ता है, इसे रंगों और रेखाओं के माध्यम से उकेरा गया है। शिव शंकर धर की पत्नी पेंटिंग आर्टिस्ट जोईता धर ने बताया की पेंटिंग के द्वारा दुनिया से अपील की गयी है कि युद्ध को रोककर शांति बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि हिंसा में किसी का भला नहीं। बांगिया संगीत परिषद कोलकाता से संबंधित हॉबी सेंटर में पेंटिंग गुरु शिव शंकर धर से 4 वर्षों से पेंटिंग की बारीकियां को सीख रही कर्नल जे के सिंह की धर्मपत्नी नितिका सिंह की दो पेंटिंग एवं हॉबी सेंटर का प्रमाण पत्र लेकर देश के विभिन्न स्कूलों में ड्राइंग टीचर के पद पर जॉब कर रहे चित्रकारों एवं सेंटर के वर्तमान स्टूडेंट्स की एक से बढ़कर एक शानदार,दर्शनीय,महत्वपूर्ण थीम पर आधारित खूबसूरत पेंटिंग्स को प्रदर्शित किया गया है। जिसे देखकर लोग काफी तारीफ कर रहे हैं।

करमाटांड टाउनशिप में बीसीसीएल के बहु-कौशल विकास संस्थान के प्रथम बैच के छात्रों का दीक्षांत समारोह

धनबाद । झरिया मास्टर प्लान के अंतर्गत करमाटांड टाउनशिप में बीसीसीएल द्वारा स्थापित बहु-कौशल विकास संस्थान (एमएसडीआई-IV) में आज परियोजना प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं के कौशल विकास हेतु संचालित आईटी-सीसीई (कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव), ब्यूटिशियन तथा फिटर (लेवलिंग एंड बैलेंसिंग) ट्रेड के प्रथम बैच के छात्रों का दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमडी बीसीसीएल, श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने की। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) श्री मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी) श्री संजय कुमार सिंह, महाप्रबंधक (प्रशासन) श्री अर्पण घोष, महाप्रबंधक (सिक्योरिटी) श्री हफीजुल कुरैशी सहित बीसीसीएल, एनएसडीसी, स्किल इंडिया एवं द जॉर्ज टेलीग्राफ के अधिकारी-कर्मी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के औपचारिक स्वागत, राष्ट्रगान तथा सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके उपरांत सीएमडी एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा सफल विद्यार्थियों को मार्कशीट एवं कोर्स प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।अपने संबोधन में सीएमडी, श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि बीसीसीएल केवल ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, जो युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें सम्मानजनक रोजगार के अवसर प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, अनुशासन बनाए रखने तथा अपने कौशल को और अधिक निखारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करेगा, ताकि अधिक से अधिक स्थानीय युवाओं को इसका लाभ मिल सके और वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा सकें।ज्ञात हो कि झरिया पुनर्वास योजना के अंतर्गत अग्नि प्रभावित क्षेत्रों के प्रभावित परिवारों के लिए विकसित करमाटांड टाउनशिप में बीसीसीएल द्वारा इस बहु-कौशल विकास संस्थान की स्थापना की गई है। संस्थान में संचालित सीसीई, ब्यूटिशियन एवं फिटर ट्रेड के प्रशिक्षुओं को आज उनके पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। प्रथम बैच के सभी छात्र (प्रत्येक ट्रेड में 30 छात्र) तीन महीने के निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए हैं। उल्लेखनीय है कि सभी सफल विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अवसर भी प्राप्त हुए हैं, जो इस पहल की सफलता को दर्शाता है। इस दौरान छात्रों एवं उनके अभिभावकों ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में अपने विचार साझा किए तथा कार्यक्रम की सफलता के लिए बीसीसीएल के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर जॉर्ज टेलीग्राफ ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के ट्रस्टी डायरेक्टर श्री अनिंदा दत्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता में सहायक प्रबंधक (सीडी) श्रीमती रूपल भार्गव सहित अन्य का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मुखियाओं के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम शुरू

धनबाद ।धनबाद के राजकीय पॉलिटेक्निक, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी एवं सदर अस्पताल के एमटीसी ट्रेनिंग हाल में सोमवार को सभी 256 पंचायत के मुखियाओं के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त , सन्नी राज ने राजकीय पॉलिटेक्निक स्थित प्रशिक्षण केंद्र का भ्रमण किया। उन्होंने मुखियाओं को प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही बातों को ध्यान पूर्वक सुनने एवं पंचायत स्तर पर उसका पालन करने का निर्देश दिया। साथ में राज्य सरकार की सभी प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं का पारदर्शिता रखकर क्रियान्वयन करने व धरातल पर उतारने तथा पंचायत के अंतिम व्यक्ति को योजना का लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण में मुखियाओं को पंचायत के अधिकार एवं कर्तव्य, ग्राम पंचायत की प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियां, सरकारी विकास योजनाओं का पारदर्शी क्रियान्वयन, जन भागीदारी, मुखिया के उत्तरदायित्व के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। राजकीय पॉलिटेक्निक में रांची से आए प्रशिक्षक , सुजीत कमार ने बाघमारा, बलियापुर एवं पूर्वी टुंडी प्रखंड के मुखियाओं, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी में प्रकाश राना ने टुंडी, तोपचांची एवं गोविंदपुर तथा सदर अस्पताल के एमटीसी ट्रेनिंग सेंटर में श्रीमती नमिता देवी ने निरसा, एगारकुंड, कलियासोल एवं धनबाद प्रखंड के मुखियाओं को प्रशिक्षण दिया। राजकीय पॉलिटेक्निक में परियोजना पदाधिकारी मनरेगा , मनोज कुमार, बीबीएमकेयू में जिला कार्यक्रम प्रबंधक 15वें वित्त आयोग मो तौहीद आलम एवं एमटीसी ट्रेनिंग सेंटर में जिला समन्वयक पीएमएवाय (जी) श्री सुशांत कुमार नोडल पदाधिकारी बनाए गए हैं। तीनों सेंटर में प्रशिक्षण 8 अप्रैल तक चलेगा।

अवैध उत्खनन के खिलाफ आवाज उठाने वाले रंजीत सिंह ने जताया जान का खतरा, कड़ी सुरक्षा की कि मांग

धनबाद, जिले में अवैध उत्खनन और प्रदूषण के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे ग्रामीण एकता मंच के केंद्रीय अध्यक्ष, रंजीत सिंह उर्फ बबलू सिंह ने अपनी हत्या की साजिश रचे जाने की आशंका जताई है। इस संबंध में उन्होंने डीजीपी, उपायुक्त तथा धनबाद एसएसपी को लिखित आवेदन देकर सुरक्षा की मांग की है। रंजीत सिंह ने बताया कि अवैध माइनिंग,आउटसोर्सिंग कंपनियों की मनमानी और बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ उन्होंने झारखंड हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। जिसकी सुनवाई जारी है। न्यायालय के सख्त रुख के बाद अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी वजह से खनन माफिया और आउटसोर्सिंग कंपनियों से जुड़े लोग उन्हें रास्ते से हटाने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि उन पर कभी भी हमला किया जा सकता है या झूठे मुकदमे में फंसाया जा सकता है। रंजीत सिंह ने प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच कर सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि अब तक वे पांच जनहित याचिकाएं दायर कर चुके हैं। जिनमें पेड़ कटाई, अवैध खनन, कोयला चोरी,कांटा घर पर रंगदारी और प्रदूषण जैसे मामलों में कड़े आदेश पारित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर आवाज उठाने के कारण उनकी जान को खतरा उत्पन्न हो गया है। अब देखना है कि जिला प्रशासन उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराता है या उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए पुनः न्यायालय की शरण में जाना पड़ेगा ।

तिलतोड़िया में क्लश शोभा यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

वृन्दावन के प्रख्यात कथावाचक व्यास श्री गौर दास जी महाराज कराएंगे रसपान

चिरकुंडा, धनबाद , निरसा मदनपुर पंचायत के तिलतोड़िया मैदान में सोमवार को भव्य कलश शोभा यात्रा निकाला गया। जहां सैकड़ो की संख्या में महिलाएं बच्चे अपने माथे पर कलश लेकर गाजे बाजे के साथ तिलतोड़िया नगर भ्रमण करते हुऐ तिलतोड़िया तलाब में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में पवित्र जल भर कर वापस कार्यक्रम स्थल पहुंचे। उक्त जानकारी देते हुए आयोजनकर्ता गौरांगो गोराई ने बताया कि क्षेत्रवासियों के कल्याण और आध्यात्मिक शांति के उद्देश्य से आज से तिलतोड़िया मैदान में 'सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा' का आयोजन किया गया है। जो आज कलश यात्रा के साथ प्रारम्भ हो गया हैं। प्रत्येक वर्ष हमारे गाँव में क्षेत्र वासियों के सहयोग से भव्य आयोजन होता रहा है । इस वर्ष भी कथा श्रवण के लिए श्रीकृष्ण नगरी वृन्दावन से सुप्रसिद्ध कथावाचक व्यास श्री गौर दास जी महाराज का आगमन हो रहा हैं। उन्होंने सभी भक्तजनों से आग्रह किया कि इस श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कर लाभ उठावें ।

अन्नपूर्णा हॉल, कोयला भवन में बीसीसीएल द्वारा बिडर्स मीट का आयोजन

ई-नीलामी उपभोक्ताओं के साथ कोयला उठाव और बेहतर प्रेषण पर विस्तृत चर्चा

धनबाद । बीसीसीएल द्वारा अन्नपूर्णा हॉल, कोयला भवन में आज एनआरएस लिंकज ऑक्शन एवं सीआईएल एसडब्ल्यूएमए (एसडब्ल्यूएमए) ई-नीलामी उपभोक्ताओं के लिए एक बिडर्स मीट (एनआरएस कंज़्यूमर मीट 2026) का आयोजन किया गया। यह बैठक मुख्य रूप से उन सफल बोलीदाताओं के लिए आयोजित की गई, जिन्होंने 18 मार्च से 02 अप्रैल तक विभिन्न तिथियों में आयोजित ई-नीलामियों में कोयला बुक किया है, साथ ही कल होने वाले ई-ऑक्शन से जुड़े प्रतिभागियों ने भी उक्त बैठक में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमडी बीसीसीएल, श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने की। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) श्री मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी-संचालन) श्री संजय कुमार सिंह, महाप्रबंधक (मार्केटिंग एवं सेल्स) श्री हितेश वर्मा सहित विभिन्न क्षेत्रों के महाप्रबंधक, परियोजना पदाधिकारी, क्षेत्रीय बिक्री एवं गुणवत्ता प्रबंधक, कोयला प्रेषण से जुड़े ठेकेदार, ऑपरेटर, परिवहनकर्ता तथा कोयला भवन के संबंधित महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।बैठक का मुख्य उद्देश्य गत दिनों (18 मार्च से 02 अप्रैल) में आयोजित ई-नीलामियों में बुक कोयले के सुगम एवं समयबद्ध उठाव को सुनिश्चित करना तथा बोली गई संपूर्ण मात्रा के प्रभावी निष्पादन हेतु उपभोक्ताओं को आवश्यक सहयोग प्रदान करना था। बैठक के दौरान कैश बैक डिस्काउंट योजना (वास्तविक उठाव के आधार पर) से संबंधित प्रावधानों की जानकारी साझा की गई तथा उपभोक्ताओं की जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का समाधान किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत तथा राष्ट्रगान एवं कोल इंडिया गीत के साथ की गई। स्वागत संबोधन महाप्रबंधक (मार्केटिंग एवं सेल्स) श्री हितेश वर्मा ने किया और बैठक की आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में सीएमडी, श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि गत दिनों में बीसीसीएल द्वारा विभिन्न तिथियों में आयोजित ई-नीलामी में बेहद उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है, तथा कंपनी अपने सभी उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण कोयले की समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाते हुए निर्धारित मात्रा का समय पर उठाव सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी द्वारा लॉजिस्टिक्स, गुणवत्ता नियंत्रण एवं पारदर्शिता को और सुदृढ़ करने हेतु निरंतर कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर एवं निर्बाध सेवाएं प्रदान की जा सकें।बैठक में रेल एवं सड़क मार्ग से कोयला प्रेषण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और सभी हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया गया। यह भी सुनिश्चित किया गया कि उपभोक्ताओं को निर्बाध, पारदर्शी तथा त्वरित सेवा प्रदान की जाए। इस दौरान सीएमडी, श्री अग्रवाल ने उपस्थित सभी उपभोक्ताओं के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उनकी अपेक्षाओं एवं सुझावों को जाना और उपस्थित अधिकारियों एवं संबद्ध विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपस्थित उपभोक्ताओं द्वारा भी विभिन्न सुझाव और अनुभव साझा किए गए, जिन पर कंपनी प्रबंधन द्वारा आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम का समापन निदेशक (मानव संसाधन) श्री मुरली कृष्ण रमैया द्वारा व्यक्त धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।बीसीसीएल इस प्रकार की पहल के माध्यम से कोयले की गुणवत्ता, समयबद्ध प्रेषण एवं उपभोक्ता संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को साकार करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यह बैठक उपभोक्ता-केंद्रित दृष्टिकोण को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।